शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 25 जून, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-174

मेरी सफलता का श्रेय सभी कन्नड़ लोगों के प्यार और विश्वास को जाता है.. @ नम्मा बेंगलूरु

सिंधु जल संधि खत्म होने के बाद भारत ने लिखा विश्व बैंक को पत्र

किशनगंगा और रतले प्रोजेक्ट पर विवाद अब बेमानी

सूफी यायावर

भारत ने विश्व बैंक से कहा है कि सिंधु जल संधि के स्थगित होने के बाद रतले और किशनगंगा हाइड्रो-पावर प्रोजेक्ट से अड़ंगा हटा ले। विश्व बैंक के मिशेल लिनो को लिखे पत्र में भारत सरकार ने आग्रह किया है कि सिंधु जल संधि को स्थगित होने के बाद की स्थिति में विश्व बैंक रतले और किशनगंगा हाइड्रो-पावर विवाद को लेकर हरी अपनी कार्रवाई रोक दे। भारत के अनुरोध पर विश्व बैंक ने पाकिस्तान के विचार मांगे, जिसका स्वाभाविक तौर पर इस्लामाबाद ने विरोध किया। विश्व बैंक के विशेषज्ञ मिशेल लिनो दो हाइड्रो-पावर से संबंधित 2022 के विवाद की सुनवाई कर रहे हैं। पहला किशनगंगा नदी पर है और दूसरा रतले है। यह चेनाब नदी पर है। फ्रांसीसी डैम इंजीनयर और हाल ही तक बड़े डैम पर इंटरनेशनल कमिशन के अध्यक्ष रहे मिशेल लिनो को वर्ल्ड बैंक द्वारा 13 अक्टूबर 2022 को सिंधु जल संधि के अनुच्छेद-9 और संलग्नक-एफ के तहत नियुक्त किया गया था।

मिशेल लिनो का दायित्व भारत और पाकिस्तान दोनों पक्षों को सुनना और यह तय करना है कि इन प्रोजेक्ट की डिजाइन संधि के हिसाब से है या नहीं। पाकिस्तान का दावा है कि भारत संधि का उल्लंघन कर रहा है। जबकि भारत सरकार ने औपचारिक रूप से मिशेल लिनो को सूचित कर दिया है कि सिंधु जल संधि ही खत्म है तो उस पर पाकिस्तान का कुछ भी कहना अप्रासंगिक है। भारत ने

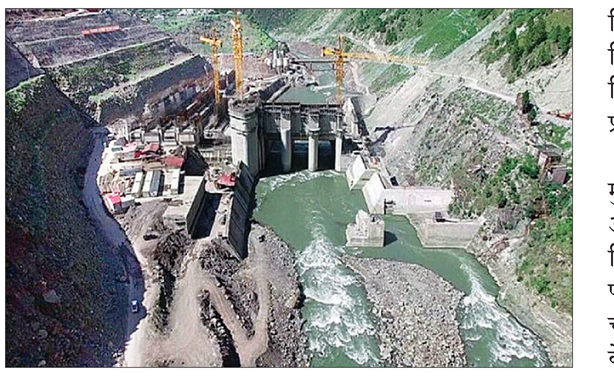

दूसरे राज्यों से सिंधु का जल मोड़ने के लिए नहर की योजना तैयार

मिशेल लिनों से अनुरोध किया कि वह किशनगंगा और रतले विवादों से संबंधित सहमत वर्क प्रोग्राम को स्थगित कर दें।

2025 वर्क प्रोग्राम के मुताबिक, पाकिस्तान को 7 अगस्त तक भारत के रुख पर लिखित जवाब देना था। दोनों पक्षों के साथ तटस्थ विशेषज्ञ की चौथी बैठक 17 से 22 नवंबर के लिए तय की गई थी। बदली हुई स्थिति में भारत सरकार ने कहा है कि मिशेल लिनो से यह उम्मीद की जाती है कि वे कार्यवाही को रोकने के बारे में विचार करेंगे। सिंधु जल संधि के निलंबन के बाद भारत सरकार का यह पहला पत्र है जो विश्व बैंक को लिखा गया है। इसके पहले भारत ने 24 अप्रैल को संधि को स्थगित रखने के अपने फैसले के बारे में औपचारिक रूप से पाकिस्तान को जानकारी दी थी। पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने के पहले 7 मई को अपना जवाब दिया और दिल्ली की चिंताओं पर चर्चा करने की इच्छा का संकेत दिया। पाकिस्तान ने बातचीत के लिए मई में एक तारीख निर्धारित करने का सुझाव भी दिया। लेकिन इस बीच ऑपरेशन सिंदूर शुरू हो गया और भारत ने पाकिस्तान के पुराने प्रस्ताव का जवाब नहीं दिया। नई दिल्ली फिलहाल इस मामले पर इस्लामाबाद के साथ बातचीत करने के लिए इच्छुक नहीं है। भारत सरकार ने बाकायदा यह घोषणा कर रखी है सिंधु जल संधि फिलहाल स्थगित रहेगी।

इस बीच, भारत सरकार ने सिंधु नदी प्रणाली के जल को अलग-अलग भारतीय राज्यों में मोड़ने के लिए एक ▶10 पर

ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में सैन्य आत्मनिर्भरता पर बोले पीएम मोदी

आतंकियों के लिए अब कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि रक्षा आवश्यकताओं के लिए भारत की विदेशों पर निर्भरता लगातार कम हो रही है। हम रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहे हैं। हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी इसका प्रभाव देखा है। हमारी सेनाओं ने मेड इन इंडिया हथियारों की मदद से 22 मिनट में दुश्मनों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में मेड इन इंडिया हथियार दुनिया भर में जाने जाएंगे। पीएम मोदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की कठोर नीति को दुनिया के सामने स्पष्ट कर दिया है। हमने दिखा दिया है कि भारतीयों का खून बहाने वालों के लिए कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं है। देशहित में जो सही होता है आज का भारत उसके हिसाब से कदम उठाता है। आतंकवाद के खिलाफ भारतीय सेना को अत्याधुनिक हथियारों से लैस करने की नीति के तहत भारत सरकार ने 2000 करोड़ की रक्षा खरीद को मंजूरी दी है। सेना के आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए रिमोटली पायलेटेड एरियल व्हीकल, कई तरह के ड्रोन्स, बैलिस्टिक हेलमेट, भारी और मध्यम रेंज के क्विक रिएक्शन फाइटिंग व्हीकल और राइफलों के लिए नाइट विजन वगैरह खरीदे जाएंगे। यह रक्षा खरीद आपात अधिग्रहण व्यवस्था के तहत की जा रही है। इस रक्षा खरीद के तहत 13 कॉन्ट्रैक्ट को मंजूरी दी गई है। जिसमें सुरक्षाबलों के लिए आधुनिक हथियार और उपकरण खरीदे जाएंगे, जो आतंकवाद के खिलाफ हमारे सुरक्षाबलों की क्षमताओं में उल्लेखनीय इजाफा करेंगे। ▶10 पर

भारत सरकार ने 2000 करोड़ की रक्षा खरीद मंजूर की

एससीओ समिट : भारत के एनएसए अजित डोभाल चीन पहुंचे

आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान

चीन के उपराष्ट्रपति, विदेश मंत्री एवं अन्य नेताओं से मिले डोभाल

बीजिंग, 24 जून (एजेंसियां)। चीन की राजधानी बीजिंग में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक होने जा रही है। एससीओ की बैठक में भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल होंगे। उससे पहले वहां एससीओ के सुरक्षा परिषद सचिवों की बैठक चल रही है। इसमें भाग लेने के लिए भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल भी बीजिंग में हैं। अजित डोभाल ने चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग और विदेश मंत्री वांग यी के साथ विशेष मुलाकात की। दोनों के साथ हुई वार्ता न केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से, बल्कि व्यापक क्षेत्रीय और वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भी अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब पश्चिम एशिया में ईरान-इजराइल युद्ध गहराता जा रहा है और वैश्विक शक्तियां क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के लिए सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

चीन में एसएसओ की सुरक्षा परिषद के सचिवों की 20वीं बैठक में एनएसए अजित डोभाल ने चीन के उप राष्ट्रपति हान झेंग और अन्य कई प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों से मुलाकात की। यह मुलाकात बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपुल में हुई, जहां शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की सुरक्षा परिषद के सचिवों की 20वीं बैठक हो रही है। चीन में भारतीय दूतावास ने जानकारी दी कि डोभाल इस बैठक में शामिल अन्य देशों के प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों के साथ हान झेंग से मिलने पहुंचे थे।

एससीओ में डोभाल ने कहा, सीमापार आतंकवाद फैलाने वाले अपराधियों, साजिशकर्ताओं और उनका वित्तपोषण करने वालों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। ▶10 पर

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने की घोषणा

बिहार में लगेगा न्यूक्लियर पावर प्लांट

पटना, 24 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने देश की ऊर्जा स्थिति और भविष्य की योजनाओं को लेकर यह घोषणा की कि बिहार में जल्दी ही एक न्यूक्लियर पावर प्लांट स्थापित किया जाएगा। केंद्र सरकार ने इसके लिए औपचारिक सहमति दे दी है।

राजधानी पटना स्थित होटल ताज में मंगलवार को पांचवीं क्षेत्रीय ऊर्जा बैठक में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि बिहार में बिजली के क्षेत्र में बहुत काम हुआ है। ऊर्जा क्षेत्र में बिहार अब अग्रणी राज्यों की कतार में खड़ा है। इस क्षेत्र में काफी आगे बढ़ा है। उन्होंने बिहार में 80 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जाने की कामयाबी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह एक रिकॉर्ड है। बिहार बिजली के क्षेत्र में पिछड़ माना जाता था, लेकिन आज काफी आगे बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि बिहार से न्यूक्लियर पावर प्लांट की मांग की गई है। बिहार सरकार न्यूक्लियर पावर प्लांट लगाए, हम उसमें मदद करेंगे। ▶10 पर

देशभर में पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम का दूसरा सत्र शुरू

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। देशभर में पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम का दूसरा सत्र शुरू होने पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ई-पासपोर्ट रोलआउट का भी ऐलान किया है। विदेश मंत्री ने पासपोर्ट संबंधी कामकाज से जुड़े सभी लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा, मैं पासपोर्ट कार्यालयों (पीओ), पासपोर्ट सेवा केंद्रों (पीएसके), डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्रों (पीओपीएसके) और पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम के सभी भागीदारों को उनके समर्पण के लिए बधाई देता हूं।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को 13वें पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर भारत और विदेश के पासपोर्ट अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम (पीएसपी) के अगले चरण और देशव्यापी ई-पासपोर्ट सेवाओं की शुरुआत की घोषणा की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 13वें पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर भारत और विदेश में सभी पासपोर्ट अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने लिखा, सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के मार्गदर्शन में आपके सराहनीय प्रयास यात्रा को आसान बनाने, वैश्विक कार्यस्थल तक पहुंच को गहरा करने और नागरिकों को सशक्त बनाने में सहायक हैं। पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम 2.0 और ई-पासपोर्ट की शुरुआत के साथ विदेश मंत्रालय हमारी पासपोर्ट सेवाओं की समयबद्धता, पारदर्शिता और पहुंच को पहले बेहतर बेहतर बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है। जयशंकर ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के स्तंभों के तहत पासपोर्ट सेवाओं में हुए बदलाव पर जोर दिया। उन्होंने इसे विकसित भारत के लक्ष्य को पाने का केंद्रीय जरिया बताया। उन्होंने कहा, सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण शासन के ▶10 पर

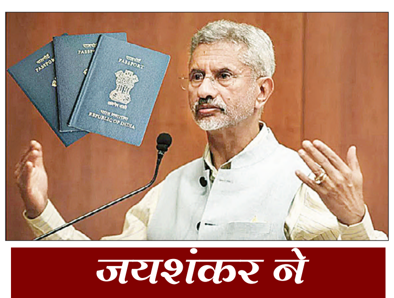

जयशंकर ने ई-पासपोर्ट रोलआउट का भी किया ऐलान

अब देखिए सुप्रीम कोर्ट की न्यायिक ईमानदारी का बेजोड़ उदाहरण

देवी-देवताओं को गाली देने वाले को गिरफ्तार न करें

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। हिंदू देवी देवताओं पर अश्लील टिप्पणी करने वाले और हिंदू महिलाओं का सिर तन से जुदा करने से लेकर बलात्कार करने तक की धमकियां देने वाले वजाहत खान की गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा कर देश के सामने न्यायिक ईमानदारी की मिसाल पेश की है। यह वही वजाहत खान है जिसने शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ कोलकाता में केस दर्ज कराया और कोलकाता पुलिस उस 20 साल की छात्रा को गुरुग्राम से घसीटकर कोलकाता ले गई। शर्मिष्ठा का कसूर यह था कि पहलगाम हमले में हिंदुओं को चुन-चुन कर मारे जाने की घटना की सोशल मीडिया पर प्रशंसा कर रहे धर्मांधों को उसने कड़ाई से जवाब दिया था। ▶10 पर

20 साल की छात्रा शर्मिष्ठा को भले ही घसीट ले जाए पुलिस

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 99,680/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,07,930/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30°

न्यूनतम : 22°

भारतीय लोकतंत्र में मिसाल हैं जन-प्रतिनिधियों का दोहरापन

भ्रष्ट जज को बचाने और देशभक्त जज को मिटाने पर लगे

भारत के जन-प्रतिनिधियों का दोहरापन भारतीय लोकतंत्र के लिए अभूतपूर्व मिसाल है। इसी स्वार्थ साधना बर रह गया है। विपक्ष का असली एजेंडा सत्ता के खिलाफ हंगामा और वोट

शुभ-लाभ विमर्श

चारित्रिक प्रदूषण के कारण भारत की सियासत भीषण बदबूदार हो गई है। जनप्रतिनिधियों का यह दोहरापन दिखाता है कि राजनीतिक दलों को भ्रष्टाचार या न्यायपालिका के सुधार से कोई मतलब नहीं। बस बात-बेबात सरकार को घेरना, कोसना और अपना ओछा बैंक की घटिया राजनीति है।

भारतीय राजनीति में इन दिनों दोहरे मापदंडों का नंगा नृत्य चल रहा है। इस नंग-नृत्य के मुख्य किरदार हैं विपक्षी सांसद, जो अपनी सुविधा के हिसाब से मुद्दों को उघारते और छुपाते हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस शेखर यादव और

जस्टिस यशवंत वर्मा के मामलों में विपक्ष का रवैया विपक्षी सांसदों के गंदे चरित्र को साफ-साफ उजागर करता है। दिल्ली हाईकोर्ट के जज रहे यशवंत वर्मा के घर से नोटों का जखीरा मिलने के बावजूद विपक्षी सांसद उस भ्रष्ट जज को बचाने में लगे हैं। वे हर कोशिश कर रहे हैं कि यशवंत वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग न चलने पाए। दूसरी तरफ वही सांसद इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज शेखर यादव के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए अपना सतीत्व बेचने तक पर उतारू हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज शेखर यादव की गलती क्या है? उनकी गलती यह है कि उन्होंने सम्पूर्ण भारतवर्ण में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की आवश्यकता पर सार्वजनिक बयान दिया था। भ्रष्ट आचरण और स्पष्ट बयान... इन दो चारित्रिक विभाजक रेखाओं में से विपक्षी सांसद पूरी निर्लज्जता से भ्रष्ट आचरण के पक्ष में खड़े हैं। विडंबना है कि भ्रष्ट जज यशवंत वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार ▶10 पर

नोट वाले जज बच जाएं यूसीसी के पक्षधर जज नप जाएं

कार्टून कॉर्नर

बुधवार, 25 जून, 2025
बेंगलूरु
शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

रचनात्मक शिक्षा के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना उद्देश्य

जीतो यूथ विंग बेंगलूरु साउथ की लाइट्स कैमरा, रील्स कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो यूथ विंग बेंगलूरु साउथ ने जीतो सेंटर फॉर एक्सीलेंस के तहत एक गतिशील सात-दिवसीय कार्यशाला लाइट्स, कैमरा, रील्स का आयोजन किया, जो जीतो कार्यालय, चामराजपेट में आयोजित की गई। यह कार्यशाला 16 जून से 21 जून तक चली।

42 उत्साही प्रतिभागियों को आठ टीमों में विभाजित किया गया और उन्हें कई अंतर्दृष्टिपूर्ण खंडों और रचनात्मक चुनौतियों के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला ने उन्हें आकर्षक शॉर्ट-फॉर्म सामग्री बनाने के लिए उपकरण और तकनीक से लैस किया, प्रवृत्तियों, कैमरा तकनीक, प्रारूपों और दर्शक-केंद्रित कहानी कहने की व्यापक समझ प्रदान की। कार्यशाला की शुरुआत नवकार मंत्र के पाठ और जीतो यूथ विंग के गणमान्यों और प्रशिक्षकों द्वारा

दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जो छह दिनों के लिए एक सकारात्मक स्वर निर्धारित करती है।

जीतो यूथ विंग के चेयरमैन मेहुल श्रीश्रीमाल ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और कहा कि यह कार्यशाला विशेष रूप से युवाओं के लिए डिजाइन की गई है जो कल का भविष्य हैं। मुख्य सचिव ऋषभ चोपड़ा ने उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत किया और अपने उद्घाटन भाषण के साथ कार्यक्रम के लिए एक आमंत्रित स्वर निर्धारित किया। संयोजक निधि मेहता और हर्षा जैन सह-संयोजक ने प्रशिक्षकों का परिचय दिया।

कार्यशाला के प्रशिक्षक विक्रम भंसाली, निधि श्रीश्रीमल और गौरव गुलेचा थे, जिन्होंने प्रतिभागियों को रील बनाने के विभिन्न पहलुओं के माध्यम से निर्देशित किया। कार्यशाला की पांच-दिवसीय यात्रा रचनात्मक सीखने के अनुभवों से भरी हुई थी। प्रतिभागियों ने ध्वनि, शूटिंग और उपस्थिति पर ध्यान केंद्रित किया, बुनियादी फोन वीडियोग्राफी में महारत हासिल की और कैमरे में आत्मविश्वास हासिल किया। उन्होंने मूवमेंट, ट्रांजिशन और कहानी-संचालित शॉट्स का अभ्यास किया, जो ट्रेंड रिक्रिएशन चैलेंज में परिणत हुआ। उन्होंने अपनी रचनात्मकता को बाहरी रूप से लागू किया, प्रकाश और मूवमेंट जैसी सौंदर्य तकनीकों का उपयोग करके विभिन्न शैलियों में रील्स शूट किए। प्रतिभागियों ने मूल्य-चालित सामग्री, उत्पाद विज्ञापन और प्रशंसापत्र तैयार करना सीखा, विविध प्रारूपों का अभ्यास किया, जिसमें पॉडकास्ट-शैली के खंड शामिल थे। उन्होंने अपनी रील्स को रिटेंशन रणनीति और प्रकाशन रणनीतियों के माध्यम से वायरल बनाने पर ध्यान केंद्रित किया, अंतिम बूटकैंप यात्रा रील्स बनाई और रिल चैलेंज में एक सहयोगी रील में योगदान दिया।

कार्यक्रम एक स्नातक समारोह के साथ समाप्त हुआ, जहां प्रतिभागियों ने अपने अंतिम प्रोजेक्ट प्रदर्शित किए और प्रमाण पत्र प्राप्त किए। यूथ विंग मैनेजिंग कमेटी के सदस्य रोशनी जैन, रिद्धि मांडोत, रीथ, तक्ष जैन, शशांक खांटेड़, कनीष बलार और राजयश भी उपस्थित थे।

हमारी संस्कृति हमारे संस्कार विषय पर ज्ञानशाला सेमिनार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बीज को जैसी जमीन और वातावरण मिलता है वैसा ही वह फलवान बनता है। ठीक इसी तरह बच्चों को जैसे संस्कार मिलते हैं वैसे ही वह विकास करता है। उपरोक्त विचार डॉ. मुनि पुलकित कुमार जी ने हमारी संस्कृति हमारे संस्कार विषय पर तेरापंथ भवन में राजाजी नगर ज्ञानशाला सेमिनार को संबोधित करते हुए कहे। मुनि ने आगे कहा बीज बोना आसान है पर संस्कार रूपी खाद पानी देना भी जरूरी है। आचार्य श्री महाश्रमण जी भी ज्ञानशाला के विद्यार्थियों को विशेष प्रोत्साहन प्रदान करते हैं क्योंकि बच्चे होनहार बनकर परिवार का, समाज का और देश का गौरव बढ़ाते हैं। मुनि ने ज्ञानशाला प्रशिक्षकों को भी निर्जरा भाव से ज्ञान दान की सेवा देने के लिए साधुवाद दिया।

प्रश्नोत्तर सत्र में मुनि ने 25 बोल आदि पर बच्चों से प्रश्न पूछे जिसके उत्साह पूर्वक विद्यार्थियों ने उत्तर दिए। कंठस्थ ज्ञान प्रस्तुति सत्र में जिनीषा भंडारी, सानवी गन्ना ने शक्र स्तुति तथा लोगस्स पाठ गरिमा नाहर, प्रिया कोठारी, खुशबू जैन, कनक लोढ़ा ने प्रस्तुत किया।

तुलसी अष्टम अवधि मंथन बाफना तथा मंथन गादिया ने प्रस्तुत किया। नचिकेता आदित्य मुनि ने घर घर जागे सद् संस्कार ज्ञानशाला का यह उपहार गीत के माध्यम से प्रेरणा दी। ज्ञानशाला सेमिनार में मंगलाचरण ज्ञानशाला के बच्चों द्वारा अर्हम की वंदना फले से हुआ। ज्ञानशाला कर्नाटक आंचलिक संयोजक मानक संचेती, राजाजीनगर तेरापंथ सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी ने वक्तव्य दिया। आभार ज्ञापन वंदना कोठारी ने तथा संचालन ज्ञानशाला संयोजिका चेतना बेदमुथा ने व्यक्त किया। ज्ञानार्थी बच्चों को रोशन लाल कोठारी परिवार की तरफ से पारितोषिक वितरित किए गए। शिशु संस्कार बोध ज्ञानार्थी बच्चों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रकाश लोढ़ा, नीता गादिया, मंजू गन्ना, शांतिलाल पितलिया, चंद्रेश मांडोत, जुगराज श्रीश्रीमाल, लता गांधी आदि उपस्थित थे।

विक्रम महेर बने तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर के अध्यक्ष

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशानुसार तेरापंथ युवक परिषद, राजराजेश्वरी नगर की अष्टम वार्षिक साधारण सभा अध्यक्ष विकाश छाजेड़ की अध्यक्षता में तेरापंथ भवन राजराजेश्वरी नगर में आयोजित की गई। सामूहिक नवकार मंत्र द्वारा मंगलाचरण कर वार्षिक साधारण सभा की शुरुआत की गई। विजय गीत का संगान तुलसी संगीत सुधा के साथियों द्वारा किया गया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के सीपीस के राष्ट्रीय प्रभारी दिनेश मरोठी ने किया। तेयुप राजराजेश्वरी नगर के अध्यक्ष बिकाश छाजेड़ ने सभी का स्वागत अभिनन्दन करते हुए गत वर्ष में कार्यकर्ताओं द्वारा मिले सहयोग की सराहना की।

मंत्री सुपार्श पटावरी ने मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए सत्र 2024-25 के कार्यकाल में किए गए कार्यों का उल्लेख किया व सभी के सहयोग के लिए आभार ज्ञापित किया। कोषाध्यक्ष गौतम नाहटा ने सत्र 24-25 में हुए आय-व्यय के बारे में जानकारी साझा किया। आचार्य तुलसी डायग्नॉस्टिक सेंटर के संयोजक नरेश बांठिया ने वर्ष भर में किए गए कार्यों एवं नए एटीडीसी की जानकारी प्रदान की तथा दोनों एटीडीसी के आय व्यय की जानकारी दी। कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें तेयुप राजराजेश्वरी नगर सदस्यों द्वारा गत कार्यकाल में किये गये कार्य के लिए उन्हे उत्कृष्ट सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। वर्ष 2025-26 के अंकेक्षक के लिए सी.ए. गणपत कोठारी के नाम की स्वीकृति लेकर उन्हें नियुक्त किया गया। दूसरे सत्र में वर्तमान कमेटी को भंग कर मंच चुनाव अधिकारी मनोज डागा एवं सह चुनाव अधिकारी राजेश भंसाली को सौंप दिया गया। चुनाव अधिकारी मनोज डागा ने अध्यक्ष पद हेतु एक ही नामांकन पत्र विक्रम महेर के नाम का प्राप्त हुआ है, ये जानकारी दी और विक्रम महेर को अध्यक्ष घोषणा किया। नवमनोनीत अध्यक्ष विक्रम महेर ने सभी का आभार व्यक्त किया और युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी का एक ही लक्ष्य होना चाहिए कि संघ का काम हो, संघ का नाम हो और इसके लिए हमें एक जुट होकर काम करना है। हमे साथ मिलकर परिषद को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाना है।

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा राजराजेश्वरीनगर की साधारण सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, राजराजेश्वरीनगर, बेंगलूरु की सप्तम साधारण सभा अध्यक्ष राकेश छाजेड़ की अध्यक्षता में रविवार को प्रातः 11 बजे से तेरापंथ भवन, राजराजेश्वरी नगर में आयोजित की गई। नमस्कार महामंत्र के सामूहिक स्मरण से बैठक की शुरुआत हुई एवं संघ गीत की प्रस्तुति संगायक मनीष पगारिया ने किया। उपरांत श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन पूर्व अध्यक्ष कमल दूगड़ ने किया। मंत्री गुलाब बाँठिया ने गत वर्ष के मिनट्स का वाचन किया, जिसे सहर्ष स्वीकृत किया गया। अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने सभी सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया। अध्यक्ष ने गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए चातुर्मास संबंधित सभी जानकारियां प्रदान की तथा सभी

का पूर्ण जागरूकता से सेवा दर्शन हेतु आह्वान किया। क्षेत्र के सभी अनुदानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज डागा ने चातुर्मास काल में हर संभव सहयोग हेतु आश्वासन दिया। पूर्व अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, तेयुप अध्यक्ष बिकास छाजेड़, महिला मंडल अध्यक्षा सुमन पटावरी, विकास दुगड़ एवं अन्य सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मंत्री गुलाब ने वर्ष भर का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसे सभा द्वारा पारित किया गया। आय-व्यय का ब्यौरा कोषाध्यक्ष देवेंद्र नाहट द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिसे सदन द्वारा ओम अर्हम् की ध्वनि से पारित किया गया। अध्यक्ष ने चौमासे में भवन में चौका सेवा शुरू करने एवं गुरुदर्शन हेतु अहमदाबाद संघ लेकर जाने संबंधित सूचनाएं प्रदान की। ज्ञानशाला संयोजिका प्रिया छाजेड़ (राजराजेश्वरी नगर) तथा पूनम दक (केंगेरी) ने ज्ञानशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। सीमा जैन ने जैन विद्या की तथा विकास दुगड़ ने आगम मंथन प्रतियोगिता की रिपोर्ट प्रस्तुत की। 15 वर्षों से ज्ञानशाला में सेवा देने हेतु प्रिया छाजेड़ को संयोजिका के रूप में सेवा देने हेतु सम्मानित किया गया। नीतु बाफना को ज्ञानशाला की संयोजिका नियुक्त किया गया।

तेममं की नवमनोनीत अध्यक्षा मंजू बोथरा को सम्मानित किया गया। सभा की उपाध्यक्ष सरोज आर बैद को जैन स्कालर बनने पर सम्मानित किया गया। संचालन मंत्री गुलाब बाँठिया ने एवं सहमंत्री राजेश भंसाली ने आभार व्यक्त किया।

रक्तदान महोत्सव पखवाड़ा के अंतर्गत रक्तदान शिविरों का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मायुम बेंगलूरु ने राष्ट्रीय प्रकल्प - रक्तदान महोत्सव पखवाड़ा के अंतर्गत रविवार को शहर के तीन अलग-अलग स्थानों सत्व डिवीनिटी, सोभा एरिना और प्रेस्टीज जिंदल सिटी में एक साथ तीन सफल रक्तदान शिविरों का आयोजन किया। मा.यु.म के सदस्यों ने पूरे उत्साह व समर्पण के साथ भागीदारी निभाई, जिसके फलस्वरूप इन तीन शिविरों में कुल 165 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। शाखा अध्यक्ष गोपाल कुमार, सचिव सनी जैन एवं कोषाध्यक्ष विवेक खंडेलवाल ने इस आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सभी सदस्यों का

आभार व्यक्त किया। उन्होंने परियोजना संयोजक शुभम लोहिया को तीनों शिविरों के बीच समन्वय के लिए विशेष रूप से बधाई दी तथा शिविर प्रबंधकों वरुण अग्रवाल, विशाल धानुका, विनोद गर्ग, वैभव खंडेलवाल एवं एकता खंडेलवाल के प्रति भी आभार प्रकट किया। इसके साथ ही निवर्तमान अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू, उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल एवं गौरव शर्मा, वरिष्ठ सदस्य पंकज जालान, पवन राजलीवाल एवं सुशील सैनी, साथ ही मनीष अग्रवाल, प्रितेश बुरड़ आदि अन्य सदस्यों ने भी अपनी सक्रिय उपस्थिति एवं योगदान से इस आयोजन को सफल बनाया।

डीआरएम ने माल ढुलाई ग्राहकों के साथ एक इंटरैक्टिव बैठक आयोजित की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु डिवीजन ने माल ढुलाई सेवाओं में सुधार के उद्देश्य से, उनकी प्रतिक्रिया सुनने और परिचालन चुनौतियों को समझने के लिए माल ढुलाई ग्राहकों के साथ एक इंटरैक्टिव बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) आशुतोष कुमार सिंह ने की। उन्होंने माल ढुलाई ग्राहकों को एक भरोसेमंद लॉजिस्टिक्स पार्टनर के रूप में भारतीय रेलवे में उनके निरंतर समर्थन और विश्वास के लिए धन्यवाद दिया।

उन्होंने बेहतर नीतियों को आकार देने, संचालन में सुधार और अभिनव माल ढुलाई समाधान बनाने में हितधारकों की

प्रतिक्रिया के महत्व पर भी जोर दिया। बैठक के दौरान आशुतोष कुमार सिंह ने माल ढुलाई संचालन में डिवीजन की उपलब्धियों के बारे में बात की। वित्तीय वर्ष 2024-25 में, डिवीजन ने माल राजस्व में 327.74 करोड़ कमाए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। अकेले मई 2025 तक, इसने पहले ही 50.82 करोड़ कमा लिए थे। 16 जून 2025 को एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई, जब डिवीजन ने एक ही दिन में रिकॉर्ड 513 वैगन लोड किए- जो डिवीजन के लिए अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। देवरापल्ली गुड्स शेड में कंटेनर हैंडलिंग 2 से बढ़कर 13 रेक प्रति माह हो गई है और इससे 0.57 करोड़ की कमाई हुई है। कंटेनर ऑपरेटरों की सहायता के लिए देवंगोंथी को एक विशेष कंटेनर रेल टर्मिनल घोषित किया गया है। इस वर्ष पेट्रोलियम तेल और स्नेहक (पीओएल) की लोडिंग में भी 102 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे 8.68 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है। सेट्टीहल्ली गुड्स शेड को बेहतर बुनियादी ढांचे के साथ अपग्रेड किया गया है, जिसमें कंक्रीट सर्कुलेटिंग एरिया, चेक रेल और स्टैकिंग जोन शामिल हैं। ऑटोमोबाइल ले जाने वाली पहली एनएमजी रेक 21 मई 2025 को सेट्टीहल्ली से भेजी गई। अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया ने आधुनिकीकरण परियोजनाओं पर अपडेट साझा किए। निदावंदा, पेनुकोंडा और क्यात्संद्रा में माल शेडों में बड़े उन्नयन किए जा रहे हैं, साथ ही धर्मपुरी के लिए भी प्रस्तावों की योजना बनाई गई है। बिदादी, देवरापल्ली, होसुर और हीलालिगे में सीजीएसआर कमरे, व्यापारिक क्षेत्र और श्रमिक शौचालय वाली नई इमारतें बनाई जाएंगी। संचालन और वैगन टर्नअराउंड समय में सुधार के लिए व्हाइटफील्ड सैटेलाइट गुड्स टर्मिनल, डोड्डबल्लापुर और होसुर में भी उन्नयन हो रहा है। बैठक में टीसीआई लॉजिस्टिक्स, अदानी साइडिंग्स, कॉनकॉर, आईवीसी लॉजिस्टिक्स और अन्य ने भाग लिया। उन्होंने अपनी चिंताओं और सुझावों को साझा किया। रेलवे अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा।

जेबीएन वी कनेक्ट रेफरल समूह की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेबीएन वी कनेक्ट द्वारा चौथी कार्यकाल बैठक का आयोजन जेआईटीओ बेंगलूरु नॉर्थ कार्यालय में सफलता पूर्वक किया गया। इस बैठक में जेएलडब्ल्यू कोषाध्यक्ष एवं जे.बी.एन कन्वीनर तनुजा मेहता तथा संयुक्त सचिव सुमन रांका की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक की मुख्य वक्ता शुभम मेडिकल्स और जनरल स्टोर्स की संस्थापक लीला पितलिया रहीं, जिन्होंने वन जे.बी.एन ऐप की जानकारी प्रस्तुत की। यह ऑल-इन-वन डिजिटल प्लेटफॉर्म जे.बी.एन समुदाय के भीतर नेटवर्किंग, रेफरल और व्यवसायिक विकास को सरल और सशक्त बनाने हेतु डिजाइन किया गया है। यह ऐप सदस्यों को व्यवसाय प्रदान करने, उसे ट्रैक करने, विभिन्न अध्यायों से जुड़ने तथा सामूहिक विकास में भागीदारी हेतु सक्षम बनाता है। बैठक में दो नए सदस्यों

का स्वागत भी किया गया। साथ ही, अंजना द्वारा सोक्षयल के लाभों पर एक शैक्षणिक स्लॉट प्रस्तुत किया गया, जिससे सदस्यों को डिजिटल दुनिया की नई संभावनाओं की जानकारी मिली। कार्यक्रम का सफल संचालन रेफरल टीम द्वारा किया गया, जिसमें रेफरल हेड मीना जैन, रेफरल लीड लीला पितलिया तथा रेफरल सचिव सीए सुखदेवी जैन ने अपनी-अपनी भूमिका का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया।

बैठक के दौरान सभी उपस्थित सदस्यों को अपनी 30-सेकंड की व्यवसायिक पिच प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया, जिससे सभी को एक-दूसरे के व्यवसाय को जानने और समझने का अनूठा मंच मिला। इस सत्र को और रोचक बनाते हुए तीन विशेष डोर प्राइज प्रदान किए गए, जिसमें सर्वश्रेष्ठ 30 सेकंड की पिच के लिए दीपिका जैन, सबसे अधिक रेफरल देने के लिए सुशीला श्रीश्रीमाल, तथा सबसे अधिक व्यवसाय देने के लिए निकिता जैन को सम्मानित किया गया। बैठक का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। तत्पश्चात, सभी सदस्यों के लिए खुली नेटवर्किंग का अवसर प्रदान किया गया, जिसमें आपसी सहयोग एवं समूह के भीतर उपयोगी व्यवसायिक संबंधों को और सुदृढ़ करने की भावना अभिव्यक्त की गई।

आवास विभाग द्वारा आवंटन में कथित भ्रष्टाचार

यह राज्य प्रायोजित भ्रष्टाचार है और सीएम को देना चाहिए इस्तीफा: बी.वाई. विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आवास विभाग द्वारा आवंटन में कथित भ्रष्टाचार के बारे में कुछ कांग्रेस विधायकों द्वारा चिंता जताए जाने के संबंध में विपक्षी भाजपा ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर निशाना साधते हुए इसे 'राज्य प्रायोजित भ्रष्टाचार' बताया और उनके इस्तीफे की मांग की। यहां मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा, सिद्धरामैया को तुरंत अपना इस्तीफा दे देना चाहिए। अन्यथा राज्यपाल थावरचंद गहलोत को हस्तक्षेप करना चाहिए। उन्होंने घोषणा की कि अगर सिद्धरामैया इस्तीफा नहीं देते हैं तो भाजपा सड़कों पर उतरेगी। विजयेंद्र ने आरोप लगाया, राज्य को लूटने के लिए पूरी सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया जा रहा है। रिश्वत लेने के लिए हर विभाग में काउंटर बनाए गए हैं। पंचायत से लेकर सचिवालय तक कोई भी काम रिश्वत के बिना नहीं हो सकता। उन्होंने मुख्यमंत्री पर अपनी कुर्सी

बचाने के लिए संसाधन जुटाने के लिए अपने करीबी मंत्रियों को लक्ष्य देने का आरोप लगाया। उन्होंने वाल्मीकि एसटी विकास निगम में कथित धन के कुप्रबंधन का हवाला देते हुए पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र के इस्तीफे का कारण बताया। विजयेंद्र ने कहा कि इस मामले में आवास मंत्री बी.जेड. जमीर अहमद खान का नाम भी शामिल है। मुख्यमंत्री पर तीखा हमला करते हुए विजयेंद्र ने आर-ोप लगाया प्रशासन कमीशन माफिया के माध्यम से चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए इस पर आंखें मूंद ली हैं। उन्होंने प्रशासन पर अपनी पकड़ खो दी है। वह पूर्व मुख्यमंत्री देवराज उर्स के सबसे लंबे कार्यकाल के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए सत्ता में बने रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कर्नाटक में इस तरह के घटनाक्रम से निराश हैं और इसलिए उन्होंने तीन कांग्रेस विधायकों के भ्रष्टाचार के आरोपों का जवाब देने से परहेज किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के करीबी बी.आर. पाटिल जैसे वरिष्ठ विधायक ने कहा है कि गरीबों को रिश्वत दिए बिना घर मिलना संभव नहीं है, यह दर्शाता है कि सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक निराश हैं। इससे पहले विधायक और कांग्रेस नेता राजू कागे ने कहा था कि अलंद विधायक बी.आर. पाटिल ने कर्नाटक में कुछ सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार के आरोप सही लगाए हैं। एनडब्ल्यूकेआरटीसी के अध्यक्ष ने सोमवार को बेलगावी जिले के कागवाड़ में संवाददात-ाओं से कहा बी.आर. पाटिल ने कुछ विभागों में भ्रष्टाचार और धीमी गति से काम करने के बारे में जो कहा है, वह सही है। मैं भी अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास की धीमी गति से परेशान हूं। उन्होंने कहा काम की धीमी गति के लिए लोग हमारी आलोचना कर रहे हैं। मेरे निर्वाचन क्षेत्र के लोगों का सामना करना मुश्किल है। अगर मैं कुछ दिनों में विधायक पद से इस्तीफा दे दूं तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होगा। इससे पहले गरीबों के लिए घर स्वीकृत करवाने के लिए रिश्वत देने का गंभीर आरोप लगाने वाले सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक बी.आर. पाटिल ने शनिवार को अपने बयान को फिर से दोहराया था, जिससे राज्य सरकार को गंभीर शर्मिंदगी उठानी पड़ी। शहर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बी.आर. पाटिल ने कहा कि ऑडियो में मैंने ही बात की है। मैंने सच कहा है। जो हो रहा है, वही बताया है। हमारा मूल इरादा यह है कि हम जो जनहितैषी शासन देने के वादे के साथ सत्ता में आए हैं, उसी के अनुसार काम करें। सरकार में भ्रष्टाचार के बारे में मुझे जो कहना था, कह दिया है। मुझे नहीं पता कि मुख्यमंत्री क्या करेंगे। अगर वे मुझे बुलाएंगे, तो मैं जाकर बोलूंगा। उन्होंने मुझे अभी तक नहीं बुलाया है। मैं खुद नहीं जाऊंगा। भ्रष्टाचार सभी सरकारों में आम बात है। जो लोग सत्ता में आए थे, उन्होंने वादा किया था कि हम जनहितैषी शासन देंगे। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकाल में ऐसा नहीं होना चाहिए था। उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र की पांच-छह पंचायतों में पैसे देकर घर स्वीकृत करवाए हैं। उनके निर्वाचन क्षेत्र के लिए 2,000 घरों की मांग थी। 1,950 घरों को मंजूरी दी गई है। मेरे द्वारा दिए गए पत्रों के लिए घर नहीं दिए गए। पंचायत अध्यक्ष द्वारा दिए गए पत्रों के लिए घर दिए गए।

बेंगलूरु में गुंडों की संख्या में वृद्धि

सरकार इस तरह की हरकतों को बर्दाश्त नहीं करेगी: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृहमंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने मैलासांद्रा, अनेकल में एक महिला के साथ बदमाशों द्वारा की गई अभद्रता के मामले को गंभीरता से लिया है और चेतावनी दी है कि सरकार इस तरह की हरकतों को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पुलिस विभाग ऐसी घटनाओं के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए है। आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। समाज में इस तरह की हरकतों को गंभीर माना जाता है। मैंने मीडिया रिपोर्ट में देखा है कि आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ के मामले में पुलिस विफल रही है। मुझे नहीं पता कि उनका क्या मतलब था, मैं इसकी जांच करूंगा और बाद में जवाब दूंगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री अनंत कुमार हेगड़े और उनके समर्थकों द्वारा एक परिवार पर किए गए हमले की गहन जांच की जरूरत है।

सलमान और उनके परिवार ने शिकायत की है कि हाईवे पर आते समय उन पर हमला किया गया। अनंत कुमार हेगड़े ने हमला नहीं किया। ड्राइवर और बंदूकधारी ने हमला किया। पुलिस

ने उन्हें समझाया है कि वे जांच करेंगे कि अनंत कुमार हेगड़े ने हमला करवाया या नहीं। उन्होंने कहा कि वे इंतजार करेंगे और देखेंगे कि जांच में क्या तत्व सामने आते हैं। यह गलत समझा गया है कि मैंने कहा कि सरकारी कामों के लिए पैसे नहीं हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने 4.9 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया है। उन्होंने कहा कि किसी भी चीज के लिए पैसे की कमी नहीं है।

सिंचाई के लिए 22 हजार करोड़ रुपये और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 50 करोड़ रुपये की कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया गया है। मैंने अपने भाषण में यह सब बताया है। जब कोई मंच पर बोलता था, तो मैं मजाक में जवाब देता था। मैं आधिकारिक तौर पर बोल रहा हूं कि हमारी सरकार में कोई वित्तीय समस्या नहीं है। मैंने स्पष्ट कर दिया है कि कोई वित्तीय संकट नहीं है। काम का मतलब है एक विस्तृत योजना तैयार की जानी चाहिए। इससे देरी हो सकती है, पैसे जारी होने में देरी हो सकती है। इसके अलावा, मैं स्पष्ट रूप से दोहराऊंगा कि हमारी सरकार में कोई वित्तीय समस्या नहीं है। अगर मेरे बयान को गलत समझा गया है, तो मैं इसे फिर से दोहराऊंगा। मैंने कुछ विधायकों के बयानों पर ध्यान दिया है। राजू कागे ने कहा कि परियोजना के लिए 25 करोड़ रुपये जारी नहीं किए गए हैं। इसका कारण परियोजना तैयार करने में देरी है, न कि धन की कमी। जब मन परेशान होता है, तो कुछ शब्द मन में आते हैं। राजू कागे ने भी इसी तरह की बात कही है। उन्होंने कहा कि इसे ठीक किया जा सकता है।

कांग्रेस और भ्रष्टाचार एक ही सिक्के के दो पहलू

कांग्रेस में भ्रष्टाचार को देखने के लिए हमें स्कैन करने की जरूरत नहीं: सीटी रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के तात्कालिक राष्ट्रीय महासचिव और विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के बिना कांग्रेस नहीं है, कांग्रेस के बिना भ्रष्टाचार नहीं है। कांग्रेस और भ्रष्टाचार एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। शहर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जैसे हथेली पर लगे घाव को देखने के लिए आईना देखने की जरूरत नहीं होती, वैसे ही कांग्रेस में भ्रष्टाचार को देखने के लिए हमें स्कैन करने की जरूरत नहीं है, यह आंखों से दिखाई देता है। कांग्रेस विधायक बी.आर. पाटिल के बयान के अलावा सब कुछ आंखों से दिखाई देता है। मो-हनदास पई ने बयान दिया है। उन्होंने अपने अनुभव के आधार पर बेंगलूरु में बिल्डरों की मुश्किलें बताईं। आज अगर कोई योजना मंजूर करानी है तो पैसे देने पड़ते हैं और अगर जमीन बदलनी है तो एक एकड़ जमीन के लिए 25 लाख रुपये देने पड़ते हैं। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर हर चीज में

रिश्वत लेने का आरोप लगाया। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में रिश्वत देने पर ही अनुदान मिलता है। यह तो एडवांस है, बिल बनवाने के लिए अलग, एनओसी बनवाने के लिए अलग और काम करवाने के लिए रिश्वत दी जाती है। भ्रष्टाचार किसी भी विभाग में नहीं छूटा है। वे खून चूस रहे हैं, जोंक की तरह खून चूसती है। लेकिन वे चूसना जारी रखते हैं। कई कांग्रेस विधायकों द्वारा यह कहे जाने के बारे में कि वे हमारे क्षेत्र में पत्थर नहीं बिछा सकते, नाली नहीं बना सकते, उन्होंने कहा कि यह ज्यादातर विधायकों की आंतरिक पीड़ा है। कुछ लोग खुलकर कहते हैं, कुछ लोग खुलकर नहीं कहते, यह उनकी आंतरिक पीड़ा है। ज्यादातर विधायक ऐसे ही हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष के विधायकों की यही परिपाटी है, लेकिन सोचिए विपक्ष के विधायकों का क्या होगा। सत्ता पक्ष के विधायक ही इससे पीड़ित हैं। विपक्ष के विधायक भी पीड़ित हैं। लेकिन उनकी पीड़ा कहने का कोई फायदा नहीं है। यह गोरखा पर बरसने वाली बारिश की तरह है- यह सर्वज्ञता की तरह है। इस पर मुख्यमंत्री कहते हैं कि वे बी.आर. पाटिल को बुलाकर बोलेंगे, एच.के. पाटिल को बुलाकर बोलेंगे, राजू कागे को बुलाकर बोलेंगे। यानी उन्होंने कहा कि वे सभी प्रेम से निराश हैं। यह भ्रष्टाचार का सवाल है, गरीबों को मिलने वाले घर को उन्होंने लूट लिया है। उन सभी को बुलाकर बोलने से भ्रष्टाचार नहीं छुपेगा। अगर आप ईमानदार हैं, अगर गरीबों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए, तो आपको अपने गृह मंत्री जमीर अहमद का इस्तीफा ले लेना चाहिए और स्वतंत्र न्यायाधीशों की न्यायिक समिति बनाकर जांच करानी चाहिए।

राजस्व विभाग के अधिकारियों की जानकारी एक दूसरे से मेल नहीं खा रही: मंत्री

राजस्व मुद्दों की प्रगति की समीक्षा

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने इस बात पर असंतोष व्यक्त किया है कि राजस्व विभाग की प्रगति के बारे में अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी एक दूसरे से मेल नहीं खाती है। शहर के केंद्रीय पुस्तकालय में आयोजित विभाग की प्रगति समीक्षा बैठक में सभी तालुक राजस्व अधिकारियों से जानकारी प्राप्त करने के बाद बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह सराहनीय है कि रिपोर्ट के अनुसार जिले में 522 गैर-दस्तावेज बस्तियों को राजस्व गांवों के रूप में पहचाना गया है। हालांकि, उन्होंने अधिकारियों को सभी परित्यक्त झोपड़ियों और टांडों की पहचान करने और आम किसानों द्वारा बसाए गए गैर-दस्तावेज बस्तियों को राजस्व गांवों में बदलने का प्रस्ताव प्रस्तुत करने

का निर्देश दिया। राजस्व विभाग में चाहे जितना भी काम हो, यह अभी भी पर्याप्त नहीं है। आम लोगों को राजस्व सुविधाएं प्रदान करने में अधिकारियों में इच्छाशक्ति की स्पष्ट कमी है। उन्होंने कहा कि अगर अधिकारी आम लोगों के काम समय पर पूरा करते हैं, तो उनके पास विभाग के बारे में अच्छी राय होगी। जिला कलेक्टर के डिजिटल हस्ताक्षर के दुरुपयोग के बारे में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि विभाग में इस तरह की धोखाधड़ी करने वाले अधिकारी/कर्मचारी को हटाया जाना चाहिए। धोखाधड़ी करने वालों की जांच की जानी चाहिए और उन्हें पद से बर्खास्त किया जाना चाहिए। जिले में भूमि लंबित होने के संबंध में प्रगति की समीक्षा करने वाले मंत्री ने कहा कि भूमि तंत्र आरा में अब तक प्राप्त कुल 28629 आवेदनों में से 21045 आवेदनों को खारिज कर दिया गया है। जिले के अन्य तालुकों की तुलना में, कुनिगल तालुक में भूमि लंबित आवेदनों की संख्या सबसे अधिक है। मंत्री ने तहसीलदार रूड्डी से 777 लंबित आवेदनों के निपटान में देरी के कारण के बारे में पूछा। निर्देश दिया कि सभी पात्र आवेदनों की प्रामाणिकता की जाँच की जानी चाहिए और समय पर उनका निपटान किया जाना चाहिए। जिला कलेक्टर शुभा कल्याण ने कहा कि राजस्व गांवों के रूप में पहचाने गए 522 गांवों के निवासियों को 7653 शीर्षक विलेख वितरित करने के लिए अंतिम अधिसूचना जारी की गई है। पहले से चिन्हित उप-गांवों/राजस्व गांवों के अलावा, 683 नए गैर-दस्तावेजित आव-ासीय क्षेत्रों को राजस्व गांवों में परिवर्तित करने के लिए चिन्हित किया गया है। उन्होंने बताया कि बागर हुकुम के लिए 6(2) के तहत प्राप्त 1,47,478 आवेदनों में से केवल 5,089 आवेदन ही पात्र थे। जनवरी से अब तक जिले में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है, बोलियों में कोई प्रगति नहीं हुई है, जनता, मुख्यमंत्री और विधानसभा को क्या जवाब दिया जाए? अधिकारियों को मौखिक रूप से फटकार लगाने वाले मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा राज्य में हुकुम आवेदनों का 3 महीने के भीतर निपटान करने का निर्देश दिए हुए 1 महीना हो गया है। उन्होंने निर्देश दिया कि हुकुम आवेदनों का निपटान शेष दो महीनों के भीतर पूरा किया जाना चाहिए। भू सुरक्षा योजना के तहत पुराने दस्तावेजों को स्कैन करने के काम में, अब तक शिरा तालुक को छोड़कर जिले में 83,59,764 पृष्ठों की फाइलें और बहीखाते कंप्यूटरीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अनावश्यक दस्तावेजों को स्कैन करने के कारण राजस्व प्रगति में देरी हो रही है तथा पुराने दस्ता-वेजों का कम्प्यूटरीकरण अगले छह माह में पूरा करने का आग्रह किया। मंत्री ने भूमि बीट, भूमि अभिलेख न्यायालय प्रकरण, भूमि रूपांतरण, पोडी मुक्त अभियान, खाता, ई-ऑफिस क्रियान्वयन सहित अन्य राजस्व मुद्दों की प्रगति की समीक्षा की।

विधायक पाटिल ने मंत्री जमीर अहमद खान पर सीधे तौर पर आरोप नहीं लगाया: बसवराज रायरेड्डी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार बसवराज रायरेड्डी ने कहा कि विधायक बी.आर. पाटिल ने मंत्री जमीर अहमद खान पर सीधे तौर पर आरोप नहीं लगाया है। अगर किसी मंत्री के कार्यालय में रिश्वत मांगी जाती है, तो इसकी जांच होनी चाहिए। लेकिन इस कारण से जमीर का इस्तीफा मांगना सही नहीं है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार व्यवस्था का हिस्सा है। ऐसा नहीं कहा जा सकता कि यहां कुछ नहीं हुआ है। हम विधायकों की परेशानी समझते हैं। विधायकों में थोड़ा असंतोष और नाराजगी है। लेकिन यह गंभीर रूप में नहीं है। वरिष्ठ नेता बी.आर. पाटिल ने मंत्री पर आरोप नहीं लगाया है। उन्होंने यह नहीं कहा है कि मंत्री जमीर अहमद खान भ्रष्ट हैं या उन्होंने रिश्वत ली है। राजीव गांधी आवास निगम में विधायकों द्वारा दिए गए पत्रों के लिए मकान स्वीकृत नहीं किए गए हैं।

विधायकों को मकान देने का अधिकार नहीं है। कानून में संशोधन कर यह अधिकार ग्राम पंचायतों को सौंप दिया गया है। इसलिए निचले स्तर पर कुछ हो रहा है। यह गलत धारणा है कि विधायक पत्र देंगे तो मकान दे देंगे। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि बी.आर. पाटिल को इस मामले में कोई जानकारी नहीं है। ग्राम पंचायत ग्राम सभा करके सर्वेक्षण के माध्यम से मकान आवंटित करती है। विधायकों की अध्यक्षता वाली आश्रय समितियां समाप्त कर दी गई हैं। इसलिए कोई नियंत्रण नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर पैसे देकर मकान आवंटित करने के मामले में कोई विशेष शिकायत की जाती है तो जांच कराई जाएगी। सिद्धरामैया की सरकार ने तबादलों में पारदर्शिता लाई है। आबकारी, खान एवं भूविज्ञान विभाग, वाणिज्यिक कर और पंजीकरण विभागों में काउंसलिंग के जरिए तबादलों की अनुमति दी गई है। विधायकों और मंत्रियों के पत्रों के आधार पर तबादलों की व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। इसके जरिए तबादलों में भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है। उन्होंने कहा कि काउंसलिंग व्यवस्था की घोषणा बजट में ही की गई है। भ्रष्टाचार शुरू से ही चल रहा है। इसे खत्म किया जाएगा। बी.आर. पाटिल को विशेष संदर्भ के साथ शिकायत दर्ज करानी चाहिए। इसके बाद जांच कर भ्रष्ट अधिकारियों को निलंबित करने का मौका है।

मैंने मुख्यमंत्री से भी अपील की है कि इस मामले में जो हुआ है, उस पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि ऐसी चीजों को रोकने के लिए विधायकों, मंत्रियों और लोगों का सहयोग जरूरी है। मंत्री जमीर अहमद खान को इस तरह के मुद्दे पर इस्तीफा देने की जरूरत नहीं है। वह बहुत दयालु और उदार व्यक्ति हैं।

वह गरीबों की मदद करने वाले पहले व्यक्ति हैं। वह बहुत दयालु हैं। हालांकि मेरे और उनके बीच ज्यादा घनिष्ठता नहीं है, लेकिन मैं उन्हें अच्छी तरह जानता हूं। बेलूर गोपालकृष्ण ने जो बयान दिया है कि जमीर को इस्तीफा दे देना चाहिए, वह सही नहीं है। बसवराज रायरेड्डी ने जोर देकर कहा कि जमीर को कैबिनेट में बने रहना चाहिए। मैंने कागवाड़ निर्वाचन क्षेत्र के विधायक राजू कागे के बयान पर गौर किया है। पिछले 2 वर्षों से वित्तीय समस्या थी। यह केवल गारंटी योजनाओं के कारण नहीं है। पिछली भाजपा सरकार ने बिना किसी कारण के परियोजनाओं को मंजूरी दी और हजारों करोड़ रुपये बकाया छोड़ दिए। हमारे पास इसे चुकाने के लिए पर्याप्त है। अब स्थिति में सुधार हुआ है और जुलाई से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को 50 करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगले साल से और अधिक अनुदान देने के अवसर मिलेंगे। सिद्धरामैया अगले 3 साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे। उन्हें कोई नहीं हिला सकता। सभी विधायक सिद्धरामैया के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा कि विधायकों के बयानों को सरकार या सिद्धरामैया के खिलाफ विद्रोह नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें नहीं पता कि किस मायने में गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा कि सिद्धरामैया के पास पैसा नहीं है।

सीएम सिद्धरामैया ने राष्ट्रपति से मुलाकात कर राजभवन-सरकार विवाद के बारे में बताया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और राजभवन और सरकार के बीच टकराव के बारे में बताया। सुबह 11.20 बजे राष्ट्रपति भवन जाकर राष्ट्रपति से मुलाकात करने वाले सिद्धरामैया ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा विधानमंडल में पारित और राजभवन भेजे गए अधिकांश विधेयक खस्ताहाल हो रहे हैं। कुछ और विधेयक राष्ट्रपति भवन पहुंच चुके हैं। उन्होंने अनुरोध किया कि उन पर तुरंत हस्ताक्षर किए जाएं। निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार संशोधन अधिनियम-2015, कर्नाटक खनिज अधिकार और खनिज-संबंधित भूमि संशोधन अधिनियम-2024, कर्नाटक पंजीकरण संशोधन विधेयक-2024, कर्नाटक नोटरी संशोधन विधेयक-2025, कर्नाटक सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता संशोधन विधेयक-2025, कर्नाटक हिंदू श्रमिक संगठन और धार्मिक बंदोबस्ती संशोधन विधेयक-2024 राष्ट्रपति की

मंजूरी के लिए लंबित हैं और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने इन पर चर्चा की है। राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी केटीपीटी विधेयक का उद्देश्य मुस्लिम समुदाय और पिछड़े वर्गों को ठेकों में आरक्षण प्रदान करना है। विधानसभा और विधान परिषद द्वारा अनुमोदित कर्नाटक सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता संशोधन विधेयक राज्यपाल के हस्ताक्षर के बिना ही राष्ट्रपति के पास भेज दिया गया है। भाजपा ने हिंदू समुदाय के साथ गलत व्यवहार करने का आरोप लगाया था और राज्यपाल पर विधेयक पर कार्रवाई न करने का दबाव बनाया था। आखिरकार यह विधेयक राष्ट्रपति भवन पहुंच गया है। सिद्धरामैया सरकार का यह महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है और राजनीतिक गणनाओं के कारण काफी चर्चा का विषय रहा है। बाल निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा संशोधन विधेयक, जिसमें जोर दिया गया है कि प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा या कन्नड़ में प्रदान की जानी चाहिए। यह विधेयक 2015 से ही चर्चा में है। सिद्धरामैया ने अपने पहले कार्यकाल में इस विधेयक को तैयार किया था। भाषा माध्यम विवाद काफी बहस का विषय रहा था। इस प्रकार यह विधेयक 10 वर्षों से राष्ट्रपति भवन में चर्चा में है। कन्नड़ भाषा माध्यम के पक्ष और विपक्ष में गहन चर्चा हुई। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार के दंड संहिता अध्यादेश 1944, पंजीकरण अधिनियम, कर्नाटक खनिज अधिकार और खनिज से संबंधित भूमि के स्वामित्व संशोधन अधिनियम पर भी केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण मांगा है। हाल ही में तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल के बीच एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि संघीय व्यवस्था का सम्मान किया जाना चाहिए। इसमें किसी तरह का भेदभाव नहीं करने का सुझाव दिया गया है। सिद्धरामैया ने इसे राष्ट्रपति के ध्यान में लाया है।

अधिकारियों को श्रेय दिया जा रहा, विधायकों की अनदेखी की जा रही: विधायक राजू कागे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कागवाड़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजू कागे ने एक बार फिर दोहराया कि अधिकारियों को श्रेय दिया जा रहा है। विधायकों की अनदेखी की जा रही है, सीएम, डीसीएम और मंत्रियों से अपील करने पर भी कोई लाभ नहीं मिल रहा है। इसलिए मैं किस उद्देश्य से विधायक रहूं, मैंने इस्तीफा देने का सोच लिया है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वे अपने विधानसभा क्षेत्र ऐनापुर टाउन पंचायत में सीसी रोड की गुडली पूजा में गए थे। वहां एक और सड़क मंजूर हुए एक साल हो गया है। कोई काम नहीं हुआ। जब उन्होंने ठेकेदार से पूछा तो उसने कहा कि पैसे नहीं हैं। मुख्यमंत्री के 25 करोड़ रुपये के विशेष अनुदान में से सड़क निर्माण के लिए 12 करोड़ रुपये तय किए गए। वहां भी अधिकारियों ने विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा कि वे जेली रोड के लिए पैसे नहीं देंगे, लेकिन मटलिंग अस्पताल बनाया जाना चाहिए। नियम कहता है कि विधायकों द्वारा प्रस्तावित सामुदायिक घरों को बिना किसी शर्त के मंजूर किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इसका आदेश भी दिया है। 1 अप्रैल 2024 को ग्रामीण क्षेत्रों में 13 करोड़ रुपये की लागत से 72 सामुदायिक भवन बनाने का प्रस्ताव पेश किया गया था। अभी तक इसके लिए कोई कार्य कार्ड नहीं दिया गया है। उन्होंने जोरदार सवाल किया कि क्या हमारे विधायक का कार्यकाल समाप्त होने के बाद कार्य आदेश दिया जाएगा। बसवेश्वर एल्टा सिंचाई को 200 करोड़ रुपये की आवश्यकता है। ठेकेदारों को 100 करोड़ रुपये जारी करने की जरूरत है। मैंने इस मुद्दे पर

मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री से सौ बार पूछा है। कोई फायदा नहीं हुआ। अधिकारी वेतन पर कार्यालय में बैठते हैं। वे निर्वाचन क्षेत्रों में काम नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह से बर्बाद हो गई है। ऐसी गंदी व्यवस्था में विधायक क्या करें? मैंने कहा था कि इस्तीफा देना बेहतर होगा। उस पर मेरे निर्वाचन क्षेत्र के लोगों ने जवाब दिया और कहा कि आपको इस्तीफा देने की जरूरत नहीं है। हम 10 हजार लोगों के साथ आएंगे। चलो विधानसभा के सामने जाकर विरोध करते हैं। लेकिन लोगों को आने की जरूरत नहीं है, मैं सक्षम हूं। मैं समस्या का समाधान करूंगा और उन्हें आश्वस्त करूंगा। प्रशासनिक व्यवस्था को और तेज किया जाना चाहिए। विधायकों के साथ ही आम लोगों के काम भी तेजी से होने चाहिए। निजी स्कूलों में अग्नि सुरक्षा उपकरण लगाने का सुझाव दिया गया है। एक-दो साल काम पूरा होने के बाद भी एनओसी नहीं दी जा रही है। राजू कागे ने मांग की कि ऐसा प्रशासन लागू किया जाना चाहिए, जहां कोई भी काम तीन से चार दिन में पूरा हो सके। जिला मंत्री विधायकों के साथ चपरासी जैसा व्यवहार कर रहे हैं। आप कोई आवेदन देते हैं, तो उन्हें यह शिष्टाचार नहीं है कि वे उसे पढ़कर बताएं कि उस पर काम होगा या नहीं। वे किसी और से बात करते हैं, कागज हाथ में लेकर अपने घर चले जाते हैं। हमें उनके पीछे सर-सर कहकर जाना चाहिए। क्या हमारा कोई सम्मान नहीं है? मैंने ग्राम पंचायत सदस्य, अध्यक्ष और विधायक के रूप में काम किया है। मैंने 8 चुनाव लड़े हैं और 5 जीते हैं। मेरे पिता देवेगौड़ा के करीबी मित्र थे। हम गांव में भिखारी को भी सम्मान देते हैं। कई लोग कह रहे हैं कि अगर मुख्यमंत्री या उपमुख्यमंत्री से शिकायत करनी है तो खुलकर नहीं बोलना चाहिए। राजस्व विभाग के सचिव राजेंद्र कटारिया ने मेरा अपमान किया। मैंने विधानसभा में उनके खिलाफ शिकायत की थी। इस पर चर्चा भी हुई। 60 विधायकों ने मुख्यमंत्री को उक्त अधिकारी का तबादला करने के लिए पत्र लिखा था। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। यहां सवाल उठता है कि अधिकारी मुखिया है या विधायक। क्या हमारा कोई मान-सम्मान नहीं है।

सत्ता से चिपके बिना इस्तीफा दें सीएम सिद्धरामैया: नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि विपक्षी दल यह नहीं कह रहे हैं कि राज्य की कांग्रेस सरकार लूटपाट में लिप्त है, बल्कि कांग्रेस के विधायक ऐसा कह रहे हैं। लेकिन सरकार इसका जवाब नहीं दे पा रही है। यहां भाजपा कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सीएम कह रहे हैं कि मैं फोन करके बात करूंगा, मैं मिलूंगा और बात करूंगा। उन्होंने आपत्ति जताई कि मुख्यमंत्री ने ऐसा लचर जवाब देना शुरू कर दिया है।

अब लचर जवाब देना संभव नहीं है। कांग्रेसी भी हैं जो सीमा से अधिक भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं कर सकते। विधायक बी.आर. पाटिल के बाद गोपालकृष्ण ने भी कहा कि वे एक भी नाली या सड़क नहीं बना पा रहे हैं। उन्होंने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित

किया कि बेलूर गोपालकृष्ण ने कहा था कि मंत्रियों को इस्तीफा दे देना चाहिए। राजू कागे ने कहा कि उन्हें फंड नहीं मिल रहा है। एक-एक करके वे किसी न किसी तरह से सरकार के खिलाफ होने लगे हैं।

सरकार के पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री को इस बात को समझते हुए तुरंत इस्तीफा देकर चले जाना चाहिए। आप अक्षम हैं, आप सिर्फ सत्ता से चिपके हुए हैं, आप इस बिगड़ी हुई व्यवस्था को ठीक नहीं कर सकते, इतने लोग आपसे इस्तीफा देने के लिए कह रहे हैं, फिर भी आप इस्तीफा नहीं दे रहे हैं। देवराज उर्स साढ़े सात साल तक मुख्यमंत्री रहे। आप उससे एक दिन भी आगे रहने की जिद कर रहे हैं। उन्होंने आलोचना की कि आप देवराज उर्स के समय की धूल के बराबर भी नहीं हैं। देवराज उर्स लगातार साढ़े सात साल तक मुख्यमंत्री रहे। जब आपको मौका मिला, तो आपने ठीक से काम नहीं किया, लोगों ने तिरस्कृत किया और अपने ही चामुंडेश्वरी निर्वाचन क्षेत्र में हार गए।

प्रेक्षाप्रणेता आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी की जन्म जयंती पर भक्ति संध्या आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रेक्षाप्रणेता आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी की 106वीं जन्म जयंती के पावन अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद्, विजयनगर द्वारा भव्य भक्ति संध्या - यादें महाप्रज्ञ जी की का भव्य आयोजन एमसी लेआउट में रोशनलाल, दिनेश, राकेश पोखरणा के निवास स्थान प्रेमरोशन में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी संयमलता जी के पावन सान्निध्य एवं मंगलपाठ से हुआ। साध्वी ने अपने उद्बोधन में आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी के तप, ज्ञान और करुणा से भरे जीवन

पर प्रकाश डालते हुए उनकी प्रेरणाओं को आत्मसात करने का आह्वान किया।

साथ ही सम्पूर्ण पोखरणा परिवार की संघ भक्ति एवं गुरु भक्ति की प्रशंसा की। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपडा ने सभी का स्वागत करते हुए गुरुदेव महाप्रज्ञ जी के जन्मोत्सव पर अपनी भावनाए व्यक्त की। कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायक ऋषि दुगड़ ने संगीतमय प्रस्तुति दी। साथ में विजय स्वर संगम टीम की प्रस्तुति रही। निधी चावत, नमन चावत, प्रकाश गाँधी, राकेश दूधोड़िया, सम्पत चावत, प्रेम भंसाली, महेंद्र टेबा, टी पी एफ राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत, उपासक अरविन्द मांडोत ने अपने उदगार व्यक्त किये। सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में आयोजित इस भक्ति संध्या ने सभी को अध्यात्म और आत्मिक शांति से भर दिया।

उडुपी के स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी

अहमदाबाद शहर साइबर शाखा पुलिस ने आरोपी को पकड़ा

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी शहर के स्कूल को बम की धमकी वाला ईमेल भेजने वाले आरोपी को अहमदाबाद सिटी साइबर क्राइम ब्रांच पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। चेन्नई स्थित इलेक्ट्रिकल इंजीनियर और आईटी फर्म में सीनियर कंसल्टेंट रेने जोशील्डा नामक महिला ने ये धमकी भरे ईमेल भेजने के लिए फर्जी ईमेल आईडी और फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल का इस्तेमाल किया।

उसे महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, तमिलनाडु, दिल्ली, केरल, बिहार, तेलंगाना, पंजाब, मध्य प्रदेश और हरियाणा राज्यों में ये ईमेल भेजते हुए पकड़ा गया।

इन संगठनों में कुल 21 धमकी भरे ईमेल ट्रैक किए गए। आरोपी फर्जी ईमेल आईडी बनाकर, वीपीएन, वर्चुअल नंबर और डार्क वेब टूल्स का इस्तेमाल करके बम की धमकी वाले ईमेल भेजकर डराने और दहशत पैदा कर रही थी। जिनेवा लिबरल स्कूल, सरखेज में प्राप्त एक धमकी भरे ईमेल के संबंध में विष्णुभाई चमनभाई खाखड़िया द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के जवाब में, साइबर क्राइम ब्रांच की टीमें जांच में जुटी।

साइबर अपराध शाखा ने मानवीय खुफिया और साइबर उपकरणों सहित गहन तकनीकी विश्लेषण किया, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें चेन्नई, तमिलनाडु में रहने वाली आरोपी रेने जोशील्डा तक पहुँचाया गया। ठोस सबूत इकट्ठा करने के बाद, एक टीम को चेन्नई भेजा गया, जहाँ उन्होंने आरोपी को सफलतापूर्वक पकड़ लिया। कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी गई है। गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए, उडुपी एसपी हरिराम शंकर ने कहा हम अहमदाबाद पुलिस को जांच के लिए आरोपी को हमें सौंपने के लिए पत्र लिखेंगे। अहमदाबाद पुलिस द्वारा जांच पूरी होने के बाद हम उम्मीद करते हैं कि वह हमें सौंप दी जाएगी।

तीन भव्य रथों के साथ पहली बार निकाली जाएगी रथ यात्रा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर में शुक्रवार को श्री जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र, माँ सुभद्रा और आयुध सुदर्शन के तीन भव्य रथों के साथ पहली बार रथ यात्रा निकाली जाएगी, जो बिक्कनहल्ली मेन रोड, बिक्कनहल्ली, सरजापुरा अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के पास स्थित है। यह महत्वपूर्ण अवसर शहर की एकता और समावेशिता की भावना का जश्न मनाता है। बिक्कनहल्ली, सरजापुरा में स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर सांप्रदायिक सद्भाव और समर्पण का उदाहरण है। मंदिर की यात्रा 2022 में शुरू हुई थी, जब स्थानीय कन्नड़ और अन्य समुदायों के साथ ओडिया भक्तों ने शहर के 2 लाख ओडिया निवासियों के लिए एक पवित्र स्थान की कल्पना की थी। चूंकि मंदिर अपनी पहली रथ यात्रा मनाने की तैयारी कर रहा है, इसलिए समिति ने पुरी के प्रतिष्ठित उत्सव के आकर्षक माहौल को फिर से बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है।

मंदिर समिति ने बड़ी भीड़ को समायोजित करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की हैं, जिसमें पुलिस की अनुमति प्राप्त करना और चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था करना शामिल है। मंदिर सद्भाव का प्रतीक बन गया है, जो ओडिया, कन्नड़, बंगाली और अन्य समुदायों के बीच की खाई को पाट रहा है।

सोशल मीडिया पर चल रही अटकलों के खिलाफ चेतावनी

दोषी पाए जाने पर किसी को बख्शा नहीं जाएगा : पुलिस आयुक्त

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पुलिस आयुक्त सुधीर कुमार रेड्डी ने हाल की घटनाओं को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही अटकलों के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि सुहास शेट्टी और अशरफ हत्या मामलों की जांच वैज्ञानिक तरीकों और सत्यापित साक्ष्यों का उपयोग करके की जा रही है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे उसकी पहचान कुछ भी हो। आयुक्त ने कहा सोशल मीडिया पर व्यापक अटकलें लगाई जा रही हैं, जिसमें लोग सुझाव दे रहे हैं कि किसे गिरफ्तार किया जाना चाहिए या किसे रिहा किया जाना चाहिए। कुछ लोगों ने दावा किया है कि सुहास शेट्टी और अशरफ

मामलों में दो महिलाएं और कुछ खास लोग शामिल थे। जांच प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा सुहास शेट्टी मामले को एनआईए को सौंपे जाने से पहले, हमारी टीमों ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य वैज्ञानिक साक्ष्यों का उपयोग करके हर संभव कोण की गहन जांच की। सुहास शेट्टी और अशरफ दोनों मामलों में, हमने कुडुपु घटनास्थल पर मौजूद सभी 126 व्यक्तियों की पहचान की है और उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया है। सोशल मीडिया पर लगाए गए आरोपों पर कि मुख्य आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया है, रेड्डी ने कहा हां, संबंधित व्यक्ति घटनास्थल पर मौजूद था। हालांकि, इस बात का कोई सबूत नहीं है कि उसने अशरफ को उकसाया या उस पर हमला किया। सोशल मीडिया पर जो कुछ भी प्रसारित किया जा रहा है, उसके अलावा इन दावों का समर्थन करने के लिए कोई गवाह सामने नहीं आया है। उन्होंने लोगों से जांच में सहायता के लिए विश्वसनीय जानकारी देने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा हमारे कार्यालय और जांच अधिकारी अगले दो दिनों में उपलब्ध रहेंगे। वैध सबूतों के साथ कोई भी व्यक्ति आगे आ सकता है और हम उसके अनुसार कार्रवाई करेंगे। रेड्डी ने कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस विभाग की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। हम हर नागरिक की सुरक्षा और भलाई के लिए जिम्मेदार हैं। अगर कोई मुद्दा उठता है, तो हम न्याय सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई करेंगे। उन्होंने आगे चेतावनी दी कि अभद्र भाषा और नफरत फैलाने वाली पोस्ट बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा किसी को भी नफरत फैलाने वाली भाषा या भड़काऊ सामग्री फैलाने की स्वतंत्रता नहीं है। चाहे उनकी स्थिति कुछ भी हो, ऐसे कृत्यों में लिप्त पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नफरत को बढ़ावा देने का अधिकार नहीं देती है। कानून अपना काम करेगा और दोषी पाए जाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सांप्रदायिक मामलों को संभालने के लिए कानूनी अधिकारी नियुक्त किए गए एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, राज्य सरकार ने कर्नाटक उच्च न्यायालय में मेंगलूरु शहर पुलिस आयुक्तालय क्षेत्राधिकार से सांप्रदायिक-संबंधित मामलों का प्रभावी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए चार कानूनी अधिकारियों की नियुक्ति की है।

मानसून के कारण डेंगू का खतरा बढ़ा

स्वास्थ्य विभाग ने घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने का शुरू किया अभियान

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ में लगातार हो रही मानसूनी बारिश के कारण, मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन (एमसीसी) की सीमा में डेंगू के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, जिसके कारण जिला स्वास्थ्य विभाग को तत्काल कार्रवाई करनी पड़ी है। अधिकारियों ने अब निगरानी बढ़ा दी है और बीमारी के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए घर-घर जाकर जागरूकता और रोकथाम अभियान शुरू किया है। मानसून की गति बढ़ने के साथ डेंगू के मामले बढ़ रहे हैं। इस साल जनवरी से अब तक दक्षिण कन्नड़ जिले में डेंगू के 70 मामले दर्ज किए गए हैं। मेंगलूरु शहरी और ग्रामीण क्षेत्र क्रमशः 15 और 16 मामलों के साथ सूची में सबसे ऊपर हैं। संक्रमण की रिपोर्ट करने वाले अन्य तालुकों में बेल्टांगडी (19 मामले), बंटवाल (10), कडाबा (5), मुल्की (3) और सुलिया (2) शामिल हैं। उल्लेखनीय रूप से, पुत्तूर में अब तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। मासिक मामलों के रुझान चिंताजनक रूप से ऊपर की ओर बढ़ते हैं। जनवरी में केवल 5 मामले दर्ज किए गए, इसके बाद फरवरी में 4, मार्च में 7 और अप्रैल में 6 मामले दर्ज किए गए। हालांकि, मई में चक्रवात के कारण हुई बारिश के बाद, संख्या बढ़कर 22 हो गई और जून

में अब तक 26 मामले सामने आ चुके हैं। हालांकि पिछले साल जून के अंत तक दर्ज किए गए 184 मामलों की तुलना में यह कम है, लेकिन इस साल लगातार हो रही वृद्धि ने चिंता पैदा कर दी है। स्वास्थ्य विभाग ने एमसीसी की सीमा के भीतर चार पीएचसी (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र) क्षेत्रों को डेंगू हॉटस्पॉट के रूप में पहचाना है, जिसमें बिजई, लेडीहिल, शक्तिनगर और कसाबा बेंगरे शामिल है। इन क्षेत्रों पर अब विशेष निगरानी रखी जा रही है, जहां आशा कार्यकर्ता, स्वास्थ्य निरीक्षक, सामुदायिक अधिकारी और स्थानीय स्वास्थ्य कर्मचारी रोजाना घर-घर जाकर जांच कर रहे हैं। इसके अलावा, 25 वेनलॉक पैरामेडिकल छात्रों को 100-दिवसीय डेंगू रोकथाम अभियान पर तैनात किया गया है, जो घरों में जाकर जागरूकता फैला रहे हैं और मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट करने में मदद कर रहे हैं। जिले के ग्रामीण इलाकों में रबर और सुपारी के बागान छिपे हुए प्रजनन हॉटस्पॉट के रूप में उभरे हैं। हाल ही में किए गए निरीक्षणों में रबर टैपिंग कप और गिरी हुई सुपारी की चादरों में पानी जमा होने का पता चला, जो मच्छरों के लार्वा के विकास के लिए आदर्श है। जिला स्वास्थ्य कार्यालय ने सभी ग्राम पंचायतों को परिपत्र भेजा है, जिसमें उन्हें लार्वा स्रोत में कमी लाने और मच्छरों के आवासों को खत्म करने के लिए ग्राम-स्तरीय निरीक्षण का समर्थन करने का निर्देश दिया गया है। डेंगू एडीज एजिप्टी मच्छर द्वारा फैलता है, जो दिन के उजाले के दौरान सक्रिय रहता है। यह अपने पैरों पर अलग-अलग काले और सफेद धारियों से आसानी से पहचाना जा सकता है, जिससे इसे टाइगर मच्छर उपनाम मिला है। डेंगू के लिए कोई विशिष्ट एंटीवायरल उपचार नहीं है। डॉक्टर लक्षणों का इलाज करते हैं और जटिलताओं की निगरानी करते हैं। जिला वेक्टर-जनित रोग नियंत्रण अधिकारी डॉ. जैसिंथा डिसूजा ने चेतावनी देते हुए कहा पर्याप्त आराम और तरल पदार्थ का सेवन महत्वपूर्ण है। यदि शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज किया जाता है, तो डेंगू जानलेवा हो सकता है।

विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में मध्य क्षेत्रीय परिषद की भूमिका अहम: अमित शाह

लखनऊ, 24 जून (एजेंसियां)।
केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य को हासिल करने में मध्य क्षेत्रीय परिषद के राज्यों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

श्री शाह ने यहां मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुये कहा कि मध्य क्षेत्रीय परिषद ही एकमात्र ऐसी क्षेत्रीय परिषद है जहां दो सदस्य राज्यों के बीच किसी प्रकार की कोई समस्या या विवाद नहीं है और यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भाग

लिया। बैठक में सदस्य राज्यों के वरिष्ठ मंत्री, केन्द्रीय गृह सचिव, अंतर-राज्य परिषद सचिवालय के सचिव, सदस्य राज्यों के मुख्य सचिव और राज्यों तथा केन्द्रीय मंत्रालयों एवं विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि जहाँ 2004-14 तक जोनल कौंसिल के सिर्फ 11 मीटिंग्स और स्टैंडिंग कमिटीज ऑफ़ जोनल कौंसिल्स के सिर्फ 14 मीटिंग्स हुए थे, वहीं 2014-25 में जोनल काउंसिल के 28 मीटिंग्स और स्टैंडिंग कमिटीज ऑफ़ जोनल कौंसिल्स के 33 मीटिंग्स हुए हैं, जो कि कुल 2 गुना वृद्धि है।

साथ ही, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अब तक इन बैठकों में 1287 मुद्दों का निराकरण किया गया है, जो कि अपने आप में ऐतिहासिक भी है और उत्साह बढ़ाने वाला भी है।

बैठक में गृह मंत्री ने सदस्य राज्यों की ग्राम पंचायतों की आय बढ़ाने और इसके लिए नियम बनाने को भी कहा। उन्होंने कहा कि पंचायतों की आय बढ़ने से ही भारत की त्रिस्तरीय लोकतांत्रिक पंचायती राज व्यवस्था और अधिक कारगर होगी।

बैठक में राष्ट्रीय महत्व के व्यापक विषयों सहित कुल 19 मुद्दों पर चर्चा हुई। इनमें महिलाओं और बच्चों के खिलाफ दुष्कर्म के मामलों की त्वरित जांच और इनके शीघ्र निपटान के लिए फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालयों का कार्यान्वयन, प्रत्येक गांव के नियत दायरे में ब्रिक-एंड-मोर्टार बैंकिंग सुविधा और आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली का कार्यान्वयन जैसे विभिन्न मुद्दे शामिल रहे। बैठक में गृह मंत्री ने कहा कि क्षेत्रीय परिषद के सभी राज्य बच्चों में कुपोषण दूर करने, ड्रॉप-आउट रेश्यो को जीरो करने और सहकारिता को सुदृढ़ बनाना सुनिश्चित करें।

ईपीएफओ ने ऑटो सेटलमेंट की सीमा पांच लाख की

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)।
कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने अंशधारकों के लिए भविष्य निधि जमा से 'ऑटो सैटलमेंट' के माध्यम से अग्रिम राशि निकालने की सीमा एक लाख रुपए से बढ़ाकर पांच लाख रुपए कर दी है।

ईपीएफओ के सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि कोविड काल के दौरान एक लाख रुपए तक के अग्रिम दावे के लिए ऑटो सेटलमेंट की सुविधा शुरू की गई थी जिसे अब पांच लाख रुपए तक बढ़ा दिया गया है। इससे लाखों अंशधारकों को लाभ होगा। ईपीएफओ ने सबसे पहले कोविड-19 महामारी के दौरान सदस्यों के लिए वित्तीय सहायता के लिए यह सुविधा आरंभ की थी। बाद में इसे बीमारी, शिक्षा, विवाह और आवास जैसी आवश्यकता के लिए बढ़ा दिया गया है। हाल में ईपीएफओ ने अपनी सेवाओं को तेज़, पारदर्शी और जन अनुकूल बनाने के लिए कई सुधार किए हैं। इनमें अपने ग्राहक को जानो, त्रुटि सुधार की प्रक्रिया को सरल बनाना आदि शामिल है। इसके अलावा अंशधारक को अपने प्रोफाइल सुधार के लिए नियोक्ता और ईपीएफओ पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। सूत्रों अनुसार यह प्रक्रिया बिना किसी मानव संलिप्तता के तेज़ी और पारदर्शिता के साथ दावा निपटाती है।

वित्त वर्ष 2024-25 में ईपीएफओ ने ऑटो सेटलमेंट के ज़रिए रिकॉर्ड 2.34 करोड़ अग्रिम दावे निपटाये हैं जो कि पिछले वर्ष 2023-24 के 89.52 लाख दावों की तुलना में 161 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2023-24 में जहां 31 प्रतिशत अग्रिम दावे ऑटो सेटलमेंट से निपटाये गये थे। वित्त वर्ष 2024-25 में यह आंकड़ा बढ़कर 59 प्रतिशत हो गया।

आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 के शुरुआती ढाई महीनों में ही ईपीएफओ ने 76.52 लाख दावे ऑटो सेटलमेंट से निपटाए हैं, जो अब तक के सभी अग्रिम दावे का 70 प्रतिशत हैं।

सीडीएस को तीनों सेनाओं को संयुक्त आदेश देने का अधिकार मिला

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)।
सरकार ने युद्ध और विभिन्न अभियानों के समय तीनों सेनाओं के बीच तालमेल बढ़ाने तथा उनकी क्षमताओं का अधिकतम इस्तेमाल करने के उद्देश्य से प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) को तीनों सेनाओं को संयुक्त आदेश जारी करने का अधिकार दिया है।

रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण और कार्यशैली में बदलाव लाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए सीडीएस को तीनों सेनाओं के लिए संयुक्त निर्देश और संयुक्त आदेश जारी करने के लिए अधिकृत कर दिया है। इससे पहले तीनों के प्रमुख युद्ध या आकस्मित स्थिति तथा अभियानों में अलग-अलग आदेश जारी करते थे।

'संयुक्त निर्देशों एवं संयुक्त आदेशों के अनुमोदन और प्रकाशन के संदर्भ में पहला संयुक्त आदेश आज ही जारी किया गया है। यह प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, कई स्तर पर आदेशों की पुनरावृत्ति को समाप्त करने और अंतर-सैन्य सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देता है। यह पहल तीनों सेनाओं में बेहतर पारदर्शिता, समन्वय और प्रशासनिक दक्षता की नींव रखती है। यह एकजुटता एवं एकीकरण के एक नए युग की शुरुआत की भी प्रतीक है, जो राष्ट्र की सेवा में कार्यरत सशस्त्र बलों के सामंजस्य को और सशक्त बनाती है।

मूंग और उड़द की मूल्य समर्थन योजना पर होगी खरीद

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)।
केंद्र सरकार ने किसानों को राहत देने के लिए मूंग और उड़द की खरीद मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत करने की घोषणा की है।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को यहां एक बैठक में मध्य प्रदेश में मूंग और उड़द तथा उत्तर प्रदेश में उड़द को मूल्य समर्थन योजना (पी.एस.एस) के अंतर्गत खरीदने के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी। उन्होंने खरीद से संबंधित व्यवस्थाओं को लेकर राज्य के कृषि मंत्रियों के साथ चर्चा की और नेफेड, एन.सी.सी.एफ. और राज्य के संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मध्य प्रदेश के लिए राज्य

सरकार से प्राप्त प्रस्ताव पर मंत्रालय के विचार करने तथा केंद्रीय मंत्री और राज्य सरकार और अन्यों के साथ बैठक के उपरांत पी.एस.एस. के अंतर्गत राज्य में ग्रीष्मकालीन मूंग तथा ग्रीष्मकालीन उड़द खरीद करने की मंजूरी प्रदान की गई है। उत्तरप्रदेश में पी.एस.एस. के अंतर्गत राज्य में ग्रीष्मकालीन उड़द खरीद करने की मंजूरी प्रदान की गई है।

श्री चौहान ने कहा कि मूंग और उड़द की खरीद के फैसले से केंद्र सरकार को वित्तीय भार वहन करना पड़ेगा, लेकिन इसके बावजूद सरकार किसान हित में किसानों तक लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि खरीद का सही तरीका सुनिश्चित करना आवश्यक है। किसानों से सीधे खरीद से ही बिचौलियों की सक्रियता कम होगी और लाभ सही मायनों में किसान तक पहुंच पाएगा।

उन्होंने अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि आधुनिकतम और कारगर प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के साथ किसानों के पंजीकरण की उचित व्यवस्था की जानी चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर खरीद केंद्रों की संख्या में भी इजाफा करना चाहिए और उचित तथा पारदर्शी व्यवस्था के साथ खरीद सुनिश्चित होनी चाहिए। श्री चौहान ने भंडारण में अनियमितताओं की शिकायत को लेकर भी चिंता व्यक्त की और अधिकारियों और कृषि मंत्रियों को इस दिशा में ठोस कदम उठाने के प्रयास करने को कहा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसानों के हित में हरसंभव काम करेगी।

कांग्रेस ने जताई अमेरिकी यात्रा सलाह पर कड़ी आपत्ति

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)।
कांग्रेस ने भारत के संबंध में अमेरिकी यात्रा परामर्श को लेकर केंद्र सरकार की चुप्पी पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा है कि इस मामले को अमेरिका के समक्ष उठाना चाहिए।

कांग्रेस की प्रवक्ता और डिजिटल एवं सोशल मीडिया प्लेटफार्म की अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अमेरिका ने भारत में यात्रा करने वाले अमेरिकी नागरिकों के लिए एक परामर्श जारी किया है जो बेहद आपत्तिजनक है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इस पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की हैं जिसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।

अमेरिका ने पिछले सप्ताह अपने नागरिकों को एक परामर्श जारी किया है जिसमें भारत को लेकर सावधानी बरतने को कहा गया है।

यात्रा की दौरान महिलाओं को अकेले नहीं रहने को भी कहा गया है। सलाह में अमेरिकी सरकार के कर्मचारियों से भारत की यात्रा करने से पहले पूर्व अनुमति लेने के कहा गया है।

सुश्री श्रीनेत ने इस घटनाक्रम पर केंद्र सरकार की चुप्पी पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि इसके देश के लिए दूरगामी परिणाम होंगे। उन्होंने केंद्र सरकार से इस मामले को अमेरिकी सरकार के समक्ष उठाने को कहा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जैसे देश के लिए ऐसी कोई सलाह नहीं दी गयी है जो आतंकवादियों को संरक्षण देता है लेकिन दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत के लिए ऐसी सलाह है। उन्होंने कहा कि यह मोदी सरकार की एक और कूटनीतिक विफलता है।

उन्होंने कहा कि इस परामर्श से न केवल वैश्विक मंच पर भारत की छवि और प्रतिष्ठा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, बल्कि देश में पर्यटन और निवेश को भी नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि यह विदेश नीति की गंभीर विफलता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से देश के सामने मौजूद महिला सुरक्षा समेत कुछ गंभीर मुद्दों पर ध्यान देने जरूरत है।

1 जुलाई से ट्रेन का सफर होगा महंगा!

किराया बढ़ाने की तैयारी में भारतीय रेलवे

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)।
भारतीय रेलवे ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कई वर्षों में पहली बार यात्री ट्रेन के किराए में बढ़ोतरी करने की तैयारी कर ली है। संशोधित दरें 1 जुलाई से लागू होंगी। रिपोर्ट के अनुसार, गैर-एसी मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों को प्रति किलोमीटर 1 पैसे की दर से किराया बढ़ाना होगा। मंगलवार को रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि देशभर में रोजाना

करीब 13,000 गैर-एसी मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में टिकट की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी होगी। एसी श्रेणी के यात्रियों के लिए किराए में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी।

रेलवे अधिकारी ने आश्वासन दिया कि नए किराया ढांचे से यात्रियों के बजट पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। उपनगरीय ट्रेन के किराए और मासिक सीजन टिकट की कीमतें अपरिवर्तित रहेंगी, जिससे काम पर आने-जाने वाले दैनिक यात्रियों को राहत मिलेगी। इसके अलावा, साधारण द्वितीय श्रेणी में 500 किलोमीटर तक की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए किराए में कोई वृद्धि नहीं होगी।

हालांकि, सामान्य द्वितीय श्रेणी में 500 किलोमीटर से अधिक की यात्रा के लिए, किराए में प्रति किलोमीटर केवल आधा पैसा ही बढ़ेगा। उदाहरण के लिए, 600 किलोमीटर की यात्रा में केवल 50 पैसे की वृद्धि होगी, जिसे बहुत मामूली माना जाता है।

इससे पहले जून 2025 में भारतीय रेलवे ने एक महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की थी। 1 जुलाई 2025 से तत्काल टिकट बुक करने के लिए आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य होगा। रेल मंत्रालय ने 10 जून 2025 को एक निर्देश जारी किया, जिसमें कहा गया कि इस उपाय का उद्देश्य तत्काल योजना का लाभ आम जनता तक पहुँचाना और एजेंटों द्वारा दुरुपयोग को रोकना है। भारतीय रेलवे की अधिसूचना के अनुसार, 1 जुलाई 2025 से तत्काल टिकट केवल उन्हीं यात्रियों को उपलब्ध होंगे जिन्होंने आधार सत्यापन पूरा कर लिया है। बुकिंग केवल आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट या ऐप के माध्यम से की जा सकती है।

भ्रष्टाचार उजागर करने वाले पत्रकार को थाने में टॉर्चर

पटना, 24 जून (एजेंसियां)
बिहार में पुलिस तंत्र की कार्यशैली एक बार फिर कठघरे में है। मधुबनी जिले के हरलाखी थाना क्षेत्र के फुलहर गांव निवासी पत्रकार हरि शम्भू की गिरफ्तारी और थाने में उनके साथ कथित अमानवीय व्यवहार के खिलाफ अब पटना उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई है। पत्रकार ने कुछ सप्ताह पूर्व रिश्वत लेते हुए थाना के एक अधिकारी का वीडियो सार्वजनिक किया था, जिसके बाद यह पूरा मामला सामने आया।

20 जून की रात करीब 8 बजे हरलाखी थानाध्यक्ष अनूप कुमार, अपर थानाध्यक्ष आदित्य कुमार समेत 20 पुलिसकर्मियों की टीम ने पत्रकार हरि शम्भू को उनके घर से बिना किसी पूर्व सूचना, प्राथमिकी या वारंट के हिरासत में ले लिया। परिजनों ने आरोप लगाया कि इस दौरान पुलिस ने पत्रकार की मां के साथ भी दुर्व्यवहार किया।

पत्रकार को करीब 22 घंटे तक थाने में रखा गया, जहां उनके साथ शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने मोबाइल फोन जब्त कर बंदूक की नोक पर जबरन उसका डेटा फॉर्मेट कराया, ताकि रिश्वत से संबंधित डिजिटल सबूत मिटाए जा सकें।

थाने से रिहा होने के बाद पत्रकार की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें मधुबनी सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। मेडिकल रिपोर्ट में शरीर पर चोट के निशान, सूजन और मानसिक तनाव की पुष्टि की गई है। घटना के बाद पुलिस महानिदेशक विनय कुमार को शिकायत सौंपी गई, जिसके आधार पर एसआई प्रमोद कुमार और चौकीदार अजय कुमार को निलंबित कर दिया गया।

धन की कोई कमी नहीं है, नौकरशाही का लीक से हटकर न सोचना चिंता का विषय: गडकरी

पुणे (महाराष्ट्र): 24 जून (एजेंसियां)
केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि परियोजनाओं के लिए धन की कोई कमी नहीं है लेकिन नौकरशाही में लचीलेपन की कमी और लीक से हटकर न सोचना चिंता का विषय है।

गडकरी ने सोमवार को पुणे में एक कार्यक्रम में कहा कि पूर्व नौकरशाह विजय केलकर ने लचीला रुख अपनाया और वे अपवाद हैं।

इस समारोह में केलकर को पुण्यभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उन्होंने कहा, '' हमारे पास धन की कमी नहीं है। मैं हमेशा एक लाख करोड़, 50,000 करोड़ या दो लाख करोड़ रुपये की

परियोजनाओं की बात करता हूं। आम तौर पर पत्रकार बड़ी घोषणाओं के मामले में राजनेताओं पर भरोसा नहीं करते। मैं उनसे कहता हूं कि मैं जो कहता हूं उसे रिकॉर्ड करें और अगर काम पूरा नहीं होता है तो 'ब्रेकिंग न्यूज' चलाएं।

मंत्री ने यह भी कहा कि चिंता धन की उपलब्धता की बजाय काम की धीमी गति को लेकर है।

उन्होंने कहा, ग्रामीण इलाकों में जब मवेशी चरने जाते हैं तो वे एक ही पंक्ति में चलते हैं। वे इतने अनुशासित होते हैं कि कभी भी क्रम नहीं तोड़ते। मुझे कभी-कभी नौकरशाही के बारे में भी यही महसूस होता है। यहां लीक से हटकर विचार अपनाना पूरी तरह मना है। हालांकि केलकर सर ने नीति-निर्माण में लचीलेपन को स्वीकार किया।

गडकरी ने कहा कि उन्होंने केलकर से उस समय मुलाकात की थी जब वह वित्त आयोग के चेयरमैन थे और उन्हें बताया था कि 3.85 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली 406 परियोजनाएं रुकी हुई हैं और बैंकों के सामने तीन लाख करोड़ रुपये की गैर-निष्पादित आस्तियां होने का खतरा है।

मंत्री ने कहा, उन्होंने मुझसे पूछा कि इसका कारण क्या है। मैंने उनसे कहा कि इसका एकमात्र कारण नौकरशाही है। हमने कुछ परियोजनाओं को समाप्त करके और कुछ में सुधार करके समस्या का समाधान किया।

परियोजनाएं फिर से शुरू हुईं और बैंकों को तीन लाख करोड़ रुपये की गैर-निष्पादित आस्तियों से बचाया गया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, केलकर ने हर विभाग में उत्कृष्ट कार्य किया, लेकिन वित्त सचिव के रूप में उन्होंने जो नीतियां तैयार कीं, उनका भारत के भविष्य पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ा।

गडकरी ने बताया कि 2009 में जब (भारत के पूर्व राष्ट्रपति) प्रणब मुखर्जी केंद्रीय वित्त मंत्री थे, तब केलकर कई चुनौतियों का सामना करते हुए माल एवं सेवा कर (जीएसटी) पर आम सहमति बनाने की कोशिश कर रहे थे और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसा किया जाना चाहिए क्योंकि यह देश के हित में था।

इस अवसर पर केलकर ने कहा कि राजनेता ही सामाजिक और आर्थिक सुधारों को बढ़ावा देते हैं।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वे ही असली नीति निर्माता हैं क्योंकि वे ही निर्णय लेते हैं।

बालू माफिया नेताओं की खुली दादागीरी

भाजपा विधायक ने एसडीएम पर चलाया थप्पड़

बिना नंबर के ओवरलोड ट्रक सीज करने पर नेता बौखलाया

बांदा, 24 जून (एजेंसियां)। बांदा में मौरंग (बालू) लदे ओवरलोड ट्रक छुड़ाने पहुंचे भाजपा विधायक प्रकाश द्विवेदी ने एसडीएम अमित शुक्ला पर थप्पड़ जड़ दिया। विधायक ने पुलिस कर्मियों से भी धक्का-मुक्की और हाथापाई की। विधायक और उसके साथियों ने खुरहंड पुलिस चौकी पहुंचकर वहां खड़े कराए गए ट्रकों को छोड़ने के लिए हंगामा किया।

इस मामले में एसडीएम के वाहन चालक ने चार नामजद और 25-30 अज्ञात के खिलाफ 10 धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है। हालांकि रिपोर्ट में विधायक का नाम शामिल नहीं है। विधायक ने पूरे प्रकरण से जिलाधिकारी को अवगत कराया है। गिरवां के खुरहंड स्टेशन के पास निर्माणाधीन शंकरजी के मंदिर के बाहर मौरंग उतार रहे दो ट्रकों को एसडीएम नरैनी अमित शुक्ला और सीओ नरैनी कृष्णकांत त्रिपाठी ने कागज न मिलने पर रविवार की रात करीब साढ़े 10 बजे सीज कर दिया। दोनों ट्रकों को पुलिस चौकी खुरहंड में खड़ा करा दिया गया।

इसकी जानकारी सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी को हुई तो उन्होंने एसडीएम को फोन किया। फोन न उठाने पर रात करीब साढ़े 11 बजे तीन-चार गाड़ियों के काफिले के साथ एसडीएम की लोकेशन लेकर वह पैगंबरपुर-जरर मार्ग पर पहुंच गए। वहां विधायक और उनके साथियों की एसडीएम अमित शुक्ला की तीखी झड़प हो गई। चर्चा है कि विधायक के साथियों ने एसडीएम को थप्पड़ मार दिए।

इसके बाद विधायक काफिले के साथ खुरहंड पुलिस चौकी पहुंचे। वहां तैनात चौकी इंचार्ज यज्ञ नारायण भार्गव से पकड़े गए ट्रकों की चाबियां मांगी। चौकी इंचार्ज ने एसडीएम द्वारा सीज करने का हवाला देकर चाबी देने से इंकार कर दिया। आरोप है कि विधायक ने चौकी इंचार्ज और सिपाहियों को फटकार लगाई। धक्का-मुक्की भी की।

घटनाक्रम के बाद एसडीएम अमित शुक्ला सोमवार को अपने आवास से बाहर नहीं निकले। उनके दोनों मोबाइल भी बंद थे। मीडिया कर्मियों ने उनसे बात करने की कोशिश की तो उन्होंने मिलने से मना कर दिया। इस मामले में एसडीएम के ड्राइवर कामता प्रसाद मिश्रा ने गिरवां थाने में तहरीर दी। बताया कि एसडीएम नरैनी अमित शुक्ला के साथ अवैध खनन, ओवरलोडिंग की जांच कर रहे थे। खुरहंड रोड से ओवरलोड मौरंग भरे दो ट्रकों को सीज कर खुरहंड चौकी में खड़ा कराया था। रात करीब 11:45 बजे एसडीएम के साथ पैगबंरपुर-जरर रोड पर मौजूद थे।

तभी छह गाड़ियों से इटरा खुरहंड निवासी ललित गुप्ता, आलोक सिंह, छोटकू द्विवेदी, बड़कू द्विवेदी 25-30 साथियों के साथ आए और एसडीएम की गाड़ी के सामने गाड़ियां लगाकर अभद्रता करते हुए गाड़ी को लाठी-डंडों से ठोकते पलटाने का प्रयास किया। उसने मना किया तो कालर पकड़कर जमीन पर पटक दिया, ड्राइवर के सिर पर जैक की रॉड मारी। तहरीर में ड्राइवर ने विधायक का नाम शामिल नहीं किया है।

सपा से निष्कासित बागी विधायक मनोज पांडेय जल्द देंगे इस्तीफा

लखनऊ, 24 जून (एजेंसियां)। सपा से निष्कासित किए गए बागी विधायक मनोज पांडेय जल्द ही विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा दे सकते हैं। इसके लिए रणनीति पहले से ही तय है। भाजपा नेतृत्व से भी उन्हें आश्वासन मिल चुका है। उल्लेखनीय है कि समाजवादी पार्टी ने सोमवार को तीन विधायकों को पार्टी से निकाल दिया था। इनमें मनोज कुमार पांडेय शामिल हैं। पांडेय वर्तमान में रायबरेली की ऊंचाहार सीट से विधायक हैं।

दोबारा चुनाव जीतने की स्थिति में वे सरकार में अहम जिम्मेदारी पा सकते हैं। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने या गैरहाजिर रहने वाले आठ विधायकों में से सिर्फ मनोज पांडेय ने ही अभी तक भाजपा की सदस्यता ली है। उन्होंने अपना सफर स्थानीय निकाय चुनाव से शुरू किया था। वे चार बार के विधायक हैं। वर्ष 2004-07 और 2012-17 की सपा सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रहे थे। सपा में भी उनके पास अहम जिम्मेदारियां थीं। वे सपा के राष्ट्रीय सचिव और प्रदेश उपाध्यक्ष रह चुके हैं। जिस समय उन्होंने बगावत करके राज्यसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में वोट किया था, तब भी वे विधानसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक थे।

पांडेय सपा के निष्कासन के बाद दल-बदल कानून से मुक्त हो गए हैं। उनके नजदीकी बताते हैं कि इसके बावजूद वे विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देंगे, ताकि उपचुनाव में भाजपा से टिकट पाकर फिर से सदन में पहुंच सकें। बताते हैं कि इसके लिए उन्हें भाजपा नेतृत्व से आश्वासन भी मिल चुका है। भाजपा के अंदर उच्चस्तर पर बनी रणनीति के तहत ही इस दिशा में आगे बढ़ा जा रहा है। यह इसलिए भी जरूरी है कि मनोज पांडेय सपा के टिकट पर चुनाव जीते हैं और भाजपा नेतृत्व नहीं चाहता कि इस स्थिति में उन्हें कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने से गलत संदेश जाए।

इससे पहले कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान के मामले में भी ऐसा ही किया गया था। वे 2022 में सपा के टिकट पर घोसी से विधायक चुने गए थे, इसलिए उन्होंने भी मंत्री बनाए जाने का आश्वासन मिलने पर विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, उपचुनाव में वे हार गए। पार्टी ने उन्हें विधान परिषद भेजकर मंत्री बनाया।

ऑन ड्यूटी आर्मी लिखे ट्रक से तीन करोड़ का गांजा बरामद

मऊ, 24 जून (एजेंसियां)। मऊ पुलिस एवं एसटीएफ की टीम ने तीन करोड़ का 12.50 क्विंटल गांजा बरामद किया है। साथ ही एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है। संयुक्त टीम ने तालिमुदीन इंटर कॉलेज के पास एक ट्रक से 3.12 करोड़ रुपए कीमत का 12.50 क्विंटल गांजा पकड़ा।

एसटीएफ को सूचना मिली थी कि एक ट्रक को आर्मी के ट्रक का रूप देकर गांजा की तस्करी की जा रही है।

मऊ पुलिस के साथ मिलकर एसटीएफ ने तालीमुद्दीन इंटर कॉलेज के पास उस ट्रक को पकड़ लिया। पुलिस ने वाहन से सुल्तानपुर जनपद के बेथरा कादरी थाना के गंगापुर भुलिया निवासी जर्नादन पांडेय को गिरफ्तार किया। तस्कर ने गांजे की खेप को छिपाने के लिए सेना के पदाधिकारी के नाम पर घरेलू सामान पर्ची चस्पा किया था।

इतना ही नहीं पुलिस को चकमा देने के लिए ट्रक में गांजा का स्टॉक रखने के बाद उसके ऊपर से घरेलू सामान रखा गया था। संयुक्त टीम की पूछताछ में गांजा तस्कर व ट्रक चालक ने बताया कि बलिया जनपद के सुखपुरा निवासी छोटू ने असम में अलबरा नामक एक व्यक्ति से गांजा ट्रक में लोड कराया और लखनऊ में मुलाकात होने की बात कही। बताया कि असम से लखनऊ गांजा पहुंचाने पर प्रति चक्कर 70 हजार रुपए देने की बात की थी।

विकास पर खर्च में यूपी देश में नंबर वन

26 राज्यों के पूंजीगत व्यय में हिस्सेदारी 16 फीसदी से ज्यादा

लखनऊ, 24 जून (एजेंसियां)। विकास और औद्योगिक गतिविधियों में खर्च के मामले में यूपी देश में नंबर वन है। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के मुताबिक 26 राज्यों के पूंजीगत व्यय में यूपी की हिस्सेदारी 16 फीसदी से ज्यादा है। इसमें शराब और तंबाकू से राजस्व का योगदान लगभग 21 फीसदी है।

विकास और बुनियादी ढांचे में सबसे ज्यादा खर्च यूपी में हो रहा है। इसकी वजह तेज औद्योगिक विकास है। इस मामले में उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के मुताबिक, 26 राज्यों का पूंजीगत व्यय वित्तवर्ष 2024-25 में 8.7 खरब रुपए से बढ़कर वित्तवर्ष 2025-26 में 10.2 खरब रुपए हो जाएगा। इसमें केवल पांच राज्यों की हिस्सेदारी 50 फीसदी है। खास बात ये है कि इन पांच राज्यों में भी अकेले यूपी का योगदान 16.3 फीसदी है, जो देश में किसी भी राज्य से सबसे ज्यादा है।

ये इस बात का संकेत है कि बुनियादी विकास में खर्च करने के मामले में गुजरात दूसरे स्थान (9.4 फीसदी), महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर (8.3 प्रतिशत), मध्य प्रदेश चौथे स्थान पर (8.1 प्रतिशत) और कर्नाटक पांचवें स्थान पर (6.7 प्रतिशत) है।

वित्त वर्ष 2024-25 में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 16.9 प्रतिशत, महाराष्ट्र (10.9 प्रतिशत), गुजरात (8.1 प्रतिशत), मध्य प्रदेश (7.5 प्रतिशत) और ओडिशा की 6.4 प्रतिशत थी। साफ है कि आने वाले वर्ष में भी इन्हीं पांच राज्यों में विकास की दौड़ में प्रतिस्पर्धा रहेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान वित्त वर्ष में 26 राज्यों की कुल प्राप्तियां 69.4 खरब रुपए का अनुमान है। ये धनराशि पिछले वित्त वर्ष से 10.6 प्रतिशत ज्यादा है। राजस्व प्राप्तियों में 12.3 प्रतिशत की वृद्धि और पूंजीगत प्राप्तियों में 6.6 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान बैंक ने लगाया है।

इसमें भी एक बार फिर उत्तर प्रदेश के 13.3 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ शीर्ष पर बने रहने की उम्मीद है। दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र (11.3 प्रतिशत), और मध्य प्रदेश, कर्नाटक और राजस्थान 5.9 प्रतिशत के साथ काबिज हैं हैं। तमिलनाडु इस बार शीर्ष पांच में शामिल नहीं है।

बैंक आफ बड़ौदा की रिपोर्ट में कहा गया है कि सभी राज्य आंतरिक करों पर बहुत अधिक निर्भर रहेंगे और जीएसटी स्वयं के कर राजस्व का सबसे बड़ा हिस्सा होगा। राज्यों को जीएसटी, बिक्री कर, उत्पाद शुल्क और स्टाम्प शुल्क सहित अन्य करों से 89 प्रतिशत आय का अनुमान है।

इसमें सबसे बड़ा हिस्सा जीएसटी (44.2 प्रतिशत) का होगा। नागालैंड (67.3 प्रतिशत), दिल्ली (59.7 प्रतिशत) और बिहार (57.1 प्रतिशत) जीएसटी पर सबसे अधिक निर्भर हैं, जबकि मध्य प्रदेश (38.6 प्रतिशत), आंध्र प्रदेश (37.4 प्रतिशत) और अरुणाचल प्रदेश (19.7 प्रतिशत) की निर्भरता कम है। शराब और तम्बाकू पर लगने वाला राज्य उत्पाद शुल्क का योगदान 13.9 फीसदी होने का अनुमान जताया गया है। इस श्रेणी में शीर्ष तीन राज्य सिक्किम (27.3 प्रतिशत), आंध्र प्रदेश (24.9 प्रतिशत) और उत्तर प्रदेश (21.4 प्रतिशत) हैं।

अब आलू से बनेगा आटा, दुनियाभर में होगा निर्यात

आगरा, 24 जून (एजेंसियां)। फूड एक्सपो एंड कॉन्क्लेव में केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने कहा कि अब आलू से आटा बनेगा। दुनियाभर में इसका निर्यात बढ़ाया जाएगा। सब्जियों का राजा अब विश्व पटल पर छाएगा। आलू का आटा बनेगा।

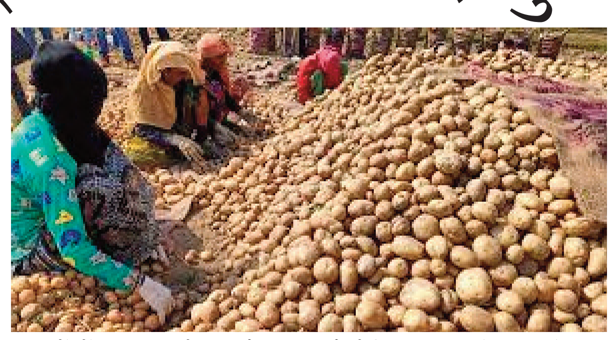

दुनियाभर में इसका निर्यात बढ़ेगा। यह संभव हो रहा है केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआई) के वैज्ञानिकों की मेहनत से। आलू का आटा बनाने के अलावा मोटे अनाज की ग्लूटेन रहित ब्रेड से लेकर जेम, जैली सहित एक दर्जन उत्पादों में नवाचार हो रहा है।

रावी इवेंट्स, चैंबर ऑफ फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री एसोसिएशन और एमएसएमई के सहयोग से आयोजित फूड एक्सपो एंड कॉन्क्लेव 2025 के दूसरे दिन सोमवार को तकनीकी सत्रों का दौर चला। केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआई) के वैज्ञानिकों ने फूड टेक्नोलॉजी के बारे में बताया। मैसूर से आई खाद्य वैज्ञानिक डॉ. विजयलक्ष्मी एस ने बताया कि उत्तर प्रदेश में एक दर्जन नवाचार पर काम शुरू किया है, जिसमें आलू का आटा खास है। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण के लिए तकनीकी जानकारियां दीं।

खाद्य वैज्ञानिक डॉ. खुशबू शर्मा ने बताया कि कैसे कम से कम प्रसंस्करण के माध्यम से खाद्य पदार्थों की प्राकृतिक संरचना, पोषण और स्वाद को बनाए रखा जाए।

उन्हें लंबी अवधि तक सुरक्षित रखा जाए। उन्होंने मोटे अनाज पर आधारित रेडी-टू-कुक और रेडी-टू-ईट उत्पादों पर जोर दिया। डॉ. विजयलक्ष्मी ने बताया कि सीएफटीआरआई अब तक 300 से अधिक खाद्य प्रोसेसिंग तकनीकों का स्थानांतरण कर चुका है।

चौथे सत्र में फेडरेशन ऑफ एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन के आलोक श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय खाद्य पदार्थों की मांग पूरी दुनिया में तेजी से बढ़ी है। 200 से अधिक देशों में भारतीय मसाले, सब्जियां आदि निर्यात हो रहा है। लेकिन, फिर भी निर्यात का ये प्रतिशत 2 प्रतिशत का आंकड़ा भी पार नहीं कर पा रहा है। उन्होंने कहा कि अफ्रीकी देश, यूरोप, साउथ एशिया के देशों में भारतीय खाद्य पदार्थों की बहुत मांग है। यदि खाद्य उद्यमी निर्यात को प्राथमिकता दें, तो विश्व की हर थाली में भारतीय भोजन की महक उठेगी।

राज्यसभा चुनाव में हुई सात क्रास वोटिंग, कार्रवाई सिर्फ तीन पर

लखनऊ, 24 जून (एजेंसियां)। राज्यसभा चुनाव में सात क्रास वोटिंग हुई थी और एक विधायक गैरहाजिर रहे थे। लेकिन, कार्रवाई सिर्फ तीन बागी विधायकों पर क्यों की गई? इसको लेकर समाजवादी पार्टी में सवाल उठ रहे हैं। सवाल उठ रहे हैं कि समाजवादी पार्टी ने केवल तीन विधायकों को ही पार्टी से क्यों निकाला? जबकि, राज्यसभा चुनाव में कुल सात विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की थी और एक विधायक गैरहाजिर रही थीं। वहीं, बरेली के सपा विधायक शहजिल इस्लाम का वोट रिजेक्ट होने पर भी सवाल उठे थे।

सपा नेतृत्व का कहना है कि निकाले गए तीन विधायक मनोज पांडेय, राकेश प्रताप सिंह और अभय सिंह सपा के खिलाफ खुल कर अभियान चला रहे थे। ये भाजपा के पक्ष में खुले तौर पर सक्रिय थे। अन्य पांच विधायकों के मामले में वैसी स्थिति नहीं है। इनमें से कुछ तो अपने एकदम निजी हितों के चलते सत्ताधारी दल के करीब हैं। इन विधायकों के व्यवहार को सपा नेतृत्व ने भी अच्छा बताया है।

सपा के एक वरिष्ठ नेता बताते हैं कि जिन बागी विधायकों को निष्कासित नहीं किया गया है, उनमें से कुछ तो पार्टी नेतृत्व के साथ सम्पर्क में हैं। समय आने पर उनकी घर वापसी भी हो सकती है। सपा के मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी कहते हैं कि पार्टी ने काफी सोच-समझकर तीन बागी विधायकों को ही निष्कासित करने का फैसला किया है। इसकी सूचना विधानसभा अध्यक्ष को भेजे जाने के बाबत फिलहाल वे कुछ बता पाने की स्थिति में नहीं है।

विलीन रियासतों के कालखंड के धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार होगा

लखनऊ, 24 जून (एजेंसियां)। यूपी में विलीन हो चुकी रियासतों के कालखंड के धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। इसके लिए धर्मार्थ कार्य विभाग ने नियमावली बनाई है। जिलों से प्रस्ताव मांगे हैं। इस कमेटी में पुरातत्व विशेषज्ञ व मंदिर आर्किटेक्ट भी शामिल होंगे। आजादी के बाद प्रदेश में स्वतंत्र रियासतें सरकार में विलीन हो गईं। उस समय सार्वजनिक प्रयोग में धार्मिक स्थल भी राज्य सरकार के अधीन हो गए थे। प्रदेश सरकार ने विलीन हुई रियासतों के धार्मिक स्थलों के रखरखाव, उनके संरक्षण व सुदृढ़ीकरण का निर्णय लिया है। इसके लिए धर्मार्थ कार्य विभाग ने विस्तृत नियमावली बनाई है। साथ ही जिलों से इसके लिए प्रस्ताव मांगा है। धर्मार्थ कार्य विभाग ने कहा है कि योजना के तहत उन मंदिरों के जीर्णोद्धार को वरीयता दी जाएगी, जहां अधिक श्रद्धालु व पर्यटक आते हो। वे ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक व पौराणिक महत्व के हो। डीएम द्वारा जीर्णोद्धार की संस्तुति करने से पहले संबंधित मंदिर का स्थलीय निरीक्षण व सर्वे किया जाएगा। यह देखा जाएगा कि उसकी भूमि पर राज्य सरकार का स्वामित्व है। इसके लिए धर्मार्थ कार्य निदेशालय द्वारा तकनीकी समिति का गठन कर धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार संबंधित प्रस्तावों का परीक्षण किया जाएगा। इस समिति में पुरातत्वविद, मंदिर वास्तु विशेषज्ञ को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाएगा।

योगी सरकार ने बदला सामूहिक विवाह योजना का नियम

डीएम के सामने वर-वधू की लगेगी बायोमेट्रिक हाजिरी

लखनऊ, 24 जून (एजेंसियां)। यूपी सरकार ने सामूहिक विवाह योजना में हो रहे फर्जीवाड़े को रोकने के लिए वर और वधू के लिए बायोमेट्रिक अटेंडेंस अनिवार्य कर दी गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की बेटियों के विवाह के लिए सामूहिक विवाह योजना की निगरानी सख्त करने के निर्देश दिए हैं। कन्या के आधार सत्यापन में लापरवाही पर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। इसके साथ ही विवाह स्थल पर वर-वधू दोनों की बायोमीट्रिक उपस्थिति अनिवार्य होगी, ताकि फर्जीवाड़ा रोका जा सके। विवाह में दी जाने वाली उपहार सामग्री, जलपान और भोजन आदि के मानक तैयार कर उनका कड़ाई से पालन करवाया जाएगा।

एक ही स्थान पर 100 या उससे अधिक जोड़ों की शादियों

की स्थिति में संबंधित जिलाधिकारी स्वयं मौजूद रहेंगे। समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि सरकार का उद्देश्य है कि योजना का लाभ पात्र परिवार आसानी से ले सकें। इसके लिए कई स्तर पर बदलाव किए जा रहे हैं। योजना में लाभार्थियों को दिए जाने वाले उपहारों की गुणवत्ता और आपूर्ति में पारदर्शिता के लिए अब फर्मों के चयन की प्रक्रिया निदेशालय स्तर से की जाएगी, ताकि जिला स्तर पर किसी तरह की अनियमितता न हो।

समारोह में मंडलीय उपनिदेशकों और जिला समाज कल्याण अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। एक जिले के अधिकारी दूसरे जिले में ऑब्जर्वर के रूप में नामित कर भेजे जाएंगे। समारोह में किसी भी अनियमितता की स्थिति में ये अधिकारी सीधे निदेशालय या मंडलीय उपनिदेशक को रिपोर्ट करेंगे। योजना के प्रभारी उप निदेशक, समाज कल्याण आरपी सिंह ने बताया कि इस वर्ष लगभग एक लाख जोड़ों का विवाह करवाए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

संपादकीय

सजग रहें

चीन ने बृहस्पतिवार को इतिहास में पहली बार पाकिस्तान और बांग्लादेश के विदेश सचिवों की त्रिपक्षीय बैठक की मेजबानी की है जिसकी जानकारी दुनिया को शनिवार को हुई। स्पष्ट एवं स्वाभाविक रूप से यह घटनाक्रम भारत की दृष्टि से रणनीतिक एवं कूटनीतिक रूप से भारत के राष्ट्रीय हितों के लिए चुनौती है। चुनौती तो यह अमेरिकी हितों के लिए भी है किन्तु दिलचस्प इसलिए है कि जिस वक्त अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मुनीर के साथ लंच कर रहे थे ठीक उसी वक्त पाकिस्तान चीन के नेतृत्व में बांग्लादेश के साथ त्रिगुट मजबूत कर रहा था। दरअसल तीनों देशों ने यह बैठक ऐसे वक्त की है जब भारत के रिश्ते तीनों से तनावपूर्ण हैं। चीन के युन्नान प्रांत के कुन मिंग शहर में संपन्न हुई इस बैठक में चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेइरोंग, बांग्लादेश के कार्यवाहक विदेश सचिव सहुल आलम सिद्दीकी और पाकिस्तान की विदेश सचिव अमना बलोच वीडियो लिंक के माध्यम से शामिल हुईं। चीनी विदेश मंत्रालय के अनुसार इस बैठक में तीनों देशों ने व्यापार एवं निवेश, स्वास्थ्य और शिक्षा, समुद्री मामलों और क्षेत्रीय संपर्क के साथ-साथ बहुपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताईं। बैठक के दौरान यह भी तय किया गया कि एक कार्यसमूह बनाया जाएगा जो इस बैठक में बनी सहमतियों को लागू करने पर काम करेगा। चीनी विदेश मंत्रालय के बयान में यह भी कहा गया है कि यह त्रिपक्षीय सहयोग किसी तीसरे देश के खिलाफ नहीं है और सच्चे बहुपक्षवाद और खुले क्षेत्रीयवाद को बढ़ावा देता है। चीन का विदेश मंत्रालय कुछ भी कहे, किन्तु वास्तविकता यह है कि वह अपने लिए समुद्री मार्ग को निर्बाध करने में ही जुटा है। यदि चीन के लिए पाकिस्तान के ग्वादर और बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह तक पहुंच मिल जाती है और श्रीलंका का हंबनतोता बंदरगाह तो उसने पहले ही पट्टे पर ले लिया है, तो भला भारत को घेरने के लिए उसे और क्या चाहिए! चटगांव बंदरगाह पर पाकिस्तान के दो जहाज नवम्बर 2024 से आ चुके हैं। इसका मतलब है कि चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश चाहते हैं कि भारत की पहुंच बंगाल की खाड़ी में कमजोर पड़ जाए। भारत चीन और पाकिस्तान से अलग-अलग तरीके से कूटनीतिक एवं रणनीतिक संघर्ष करता ही रहा किन्तु पिछले वर्ष अगस्त 2024 जबसे शेख हसीना ने बांग्लादेश छोड़ा है और मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस ने बांग्लादेश की सत्ता संभाली है, तभी से नईं-नईं खुराफात करने में लगे हैं। युनूस ने पहले तो चीन जाकर भारत के पूवरेत्तर राज्यों को निशाना बनाने और बंगाल की खाड़ी में व्यापार करने के लिए पेइचिंग को आमंत्रित किया अब पाकिस्तान और चीन के साथ मिल कर भारत को सिरदर्द देने का सपना देख रहा है। भारत अभी तो चीन के साथ अपनी सीमा को लेकर वार्ता प्रक्रिया में लगा हुआ है किन्तु पाकिस्तान के साथ भारत किसी भी तरह की वार्ता करने की मनःस्थिति में है ही नहीं। रही बात बांग्लादेश की तो समय आ गया है, भारत को युनूस विरोधी सेना प्रामुख जनरल वाकर- उज-जमान से संवाद शुरू करना चाहिए। इससे तीन बातें होंगी पहली यह कि मुख्य सलाहकार युनूस परेशान होंगे तथा सेना के प्राति संदेह करके आत्मघाती फैसले करेंगे और दूसरा यह होगा कि पाकिस्तान का सैन्य तंत्र और चीन को लगेगा कि भारत में आज भी बांग्लादेश अपने हित की संभावनाएं तलाश रहा है। तीसरी बात होगी कि बांग्लादेश में जो जनता भारत से संबंधों की समर्थक है, वह युनूस की खिलाफत खुलकर कर सकेगी। बांग्लादेश को लेकर भारत की चिताओं का सबसे बड़ा कारण यह है कि उसकी अर्थव्यवस्था जो अगस्त 2025 से पहले सुदृढ़ थी अब वह लगातार गिरावट की ओर अग्रासर है। शेख हसीना के कार्यकाल में बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था और राजनीतिक स्थिति दोनों स्थिर एवं सुदृढ़ थी किन्तु 2024-2025 में यानि उनके जाने के बाद मंदी का सामना कर रही है। एशियाई विकास बैंक के अनुसार वित्त वर्ष 2025 में जीडीपी वृद्धि दर घटकर 3.9 प्रातिशत रहने का अनुमान है, जो 2024 में 4.2 प्रातिशत थी। विश्व बैंक के अनुसार 3.3 प्रातिशत तक की वृद्धि का अनुमान है।

> चीन के युन्नान प्रांत के कुन मिंग शहर में संपन्न हुई इस बैठक में चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेइरोंग, बांग्लादेश के कार्यवाहक विदेश सचिव सहुल आलम सिद्दीकी और पाकिस्तान की विदेश सचिव अमना बलोच वीडियो लिंक के माध्यम से शामिल हुई। चीनी विदेश मंत्रालय के अनुसार इस बैठक में तीनों देशों ने व्यापार एवं निवेश, स्वास्थ्य और शिक्षा, समुद्री मामलों और क्षेत्रीय संपर्क के साथ-साथ बहुपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। बैठक के दौरान यह भी तय किया गया कि एक कार्यसमूह बनाया जाएगा जो इस बैठक में बनी सहमतियों को लागू करने पर काम करेगा। चीनी विदेश मंत्रालय के बयान में यह भी कहा गया है कि यह त्रिपक्षीय सहयोग किसी तीसरे देश के खिलाफ नहीं है और सच्चे बहुपक्षवाद और खुले क्षेत्रीयवाद को बढ़ावा देता है।

संदर्भः इजराइल-ईरान युद्ध और परमाणु टकराव

अमेरिकी वर्चस्ववाद के शिकार डोनाल्ड ट्रंप

प्रमोद भार्गव

> परमाणु शक्ति संपन्न पश्चिमी देशों को आशंका है कि ईरान परमाणु बम बना लेने के निकट है। यही आशंका इजरायल की है। हालांकि अभी तक इजरायल घोषित रूप में परमाणु शक्ति संपन्न देश नहीं है, लेकिन अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों का उसके सिर पर वरदहस्त है। अतएव इजरायल अपनी संपूर्ण शक्ति से ईरान पर हमला कर रहा है। ऐसी भी जानकारी आ रही है कि की उसने ईरान के परमाणु केंद्र नतांज पर भी हमला बोल दिया है। कई ईरानी वैज्ञानिक भी हताहत हो चुके हैं। ट्रंप धमकी के लहजे में कह रहे हैं कि हम इस जंग का समापन 'असली अंत' के रूप में देखना चाहते हैं, जो केवल संघर्ष विराम में नहीं है। यह असली अंत ईरान को परमाणु समझौते के लिए बाध्य करने के साथ परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह खत्म करने में निहित लग रहा है।

इजरायल के कंधे पर बंदूक रखकर डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी वर्चस्ववाद की महिमा को स्थापित करने में लगे हैं। उनका यही बर्ताव पहली बार राष्ट्रपति बनने के बाद ईरान के परिप्रेक्ष्य में रहा था। परमाणु शक्ति संपन्न पश्चिमी देशों को आशंका है कि ईरान परमाणु बम बना लेने के निकट है। यही आशंका इजरायल की है। हालांकि अभी तक इजरायल घोषित रूप में परमाणु शक्ति संपन्न देश नहीं है, लेकिन अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों का उसके सिर पर वरदहस्त है। अतएव इजरायल अपनी संपूर्ण शक्ति से ईरान पर हमला कर रहा है। ऐसी भी जानकारी आ रही है कि की उसने ईरान के परमाणु केंद्र नतांज पर भी हमला बोल दिया है। कई ईरानी वैज्ञानिक भी हताहत हो चुके हैं। ट्रंप धमकी के लहजे में कह रहे हैं कि हम इस जंग का समापन 'असली अंत' के रूप में देखना चाहते हैं, जो केवल संघर्ष विराम में नहीं है। यह असली अंत ईरान को परमाणु समझौते के लिए बाध्य करने के साथ परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह खत्म करने में निहित लग रहा है। या फिर ईरान के 86 वर्शीय सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को सत्ता के षीर्श पद से पदच्युत कर उन्हीं के वंष के किसी व्यक्ति को नेता बनाना है। इसी परिप्रेक्ष्य में यूएस ने दो लड़ाकू जहाज ईरान के निकट भेज दिए हैं। यूके ने भी इजरायल की मदद के लिए लड़ाकू विमान तैनात किए हैं। फ्रांस भी ईरान की मदद करने को तत्पर है। साफ है, ईरान के अस्तित्व पर चहुंओर से खतरा मंडरा रहा है। ट्रंप 2018 में उस ऐतिहासिक परमाणु समझौते से अलग हो गए थे, जिसे बराक ओबामा ने अंजाम तक पहुंचाया था। हालांकि यह संभावना ट्रंरप के राश्ट्रपति बनने के बाद से ही बन गई थी। ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान इस समझौते का खूब मखौल भी उड़ाया था। ट्रंप को हमेशा यह संदेह बना रहा है कि ईरान समझौते की शर्तों का उल्लंघन कर रहा है। यह आशंका इसलिए पुख्ता दिखाई दे रही थी, क्योंकि ईरान लगातार गैर परमाणु बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण कर रहा था। वर्तमान के युद्ध में ईरान इन्हीं मिसाइलों से इजरायल की राजधानी तेल अवीव और अन्य नगरों में भीषण हमले कर रहा है, इससे इजरायल को भारी नुकसान हुआ है। उस समय ओबामा ने ट्रंप के निर्णय को बड़ी भूल बताया था। दरअसल ओबामा को भरोसा था कि समझौते के बाद ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम में कटौती की थी, लेकिन ट्रंप अंध-राश्ट्रवाद और अमेरिकी वर्चस्व को लेकर इतने पूर्वाग्रही हैं कि उन्हें न तो अमेरिकी विदेष नीति की फिक्र है और न ही विष्व षांति के प्रति उनकी कोई प्रतिबद्धता दिखाई देती है। इसीलिए यह आषंका जताई जा रही है कि ईरान ट्रंप के दबाव में नहीं आता है तो विष्व षक्तियों के संतुलन बिगड़ सकता है? ईरान पर लगे प्रतिबंध हटने के साथ ही विष्वस्तरीय कूटनीति में नए दौर की षुरूआत होने लगी थी। ईरान, अमेरिका, यूरोपीय संघ और छह बड़ी परमाणु षक्तियों के बीच हुए समझौते ने एक नया अध्याय

खोला था। इसे 'संयुक्त व्यापक कार्रवाई योजना' नाम दिया गया था। इसकी षर्तों के पालन में ईरान ने अपना विवादित परमाणु कार्यक्रम बंद करने की घोशणा की थी। बदले में इन देषों ने ईरान पर लगाए गए व्यावसायिक प्रतिबंध हटाने का विष्वास जताया था। प्रतिबंधों के बाद से ईरान अलग-थलग पड़ गया था। इसी दौर में ईरान और इराक के बीच युद्ध भी चला, जिससे वह बर्बाद होता चला गया। यही वह दौर रहा जब ईरान में कट्टरपंथी नेतृत्व में उभार आया और उसने परमाणु हथियार निर्माण की मुहिम षुरू कर दी थी। हालांकि ईरान इस मुहिम को असैन्य ऊर्जा व स्वास्थ्य जरूरतों की पूर्ति के लिए जरूरी बताता रहा था, लेकिन उस पर विश्वास नहीं किया गया। प्रतिबंध लगाने वाले राश्ट्रों के पर्यवेक्षक समय-समय पर ईरान के परमाणु कार्यक्रम का निरीक्षण करते रहे थे, लेकिन उन्हें वहां संदिग्ध स्थिति का कभी सामना नहीं करना पड़ा। अंत में आषंकाओं से भरे इस अध्याय का पटाक्षेप तब हुआ जब अंतरराश्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने निगरानी के बाद यह कहा कि ईरान ऐसे किसी परमाणु कार्यक्रम का विकास नहीं कर रहा है, जिससे दुनिया का विनाष संभव हो। ओबामा ने इस समझौते में अहम भूमिका निभाई थी। किंतु ट्रंप को पहली बार राष्ट्रपति बनने के बाद लगा कि इस समझौते में अमेरिका कुछ ज्यादा झुका है। बावजूद उसके कोई हित नहीं सध रहे हैं। ट्रंप की मंशा थी कि ईरान प्रतिबंधों से पूरी तरह बर्बाद हो जाए और अमेरिका के आगे घुटने टेक दे। लेकिन ऐसे परिणाम नहीं निकले। पश्चिमी एषियाई की राजनीति में ईरान की तात्कालिक हसन रूहानी सरकार का वर्चस्व कायम रहा। उसने रूस, चीन और भारत के साथ मजबूत द्विपक्षीय संबंध बनाए, जो ट्रंप को कभी रास नहीं आए। ट्रंप की वजह से ही कोरिया प्रायद्वीप में अमेरिका की जगहंसाई हुई। दरअसल अमेरिका अपनी षक्ति की नींव पर ही कोई संधि करने का आदि रहा है। साफ है कि अमेरिका ईरान से करार तोड़कर ऐसे प्रतिबंधों की मंषा पाले था कि ईरान उसकी ताकत के आगे नतमस्तक तो हो ही और यदि भविश्य में समझौता हो तो पूरी तरह एकपक्षीय हो। यह निर्णय इस्लाम और ईसाईयत में टकराव का कारण भी बन सकता है। इस समझौते की प्रमुख शर्तें थी कि अब ईरान 300 किलोग्राम से ज्यादा यूरेनियम अपने पास नहीं रख सकेगा। ईरान अपनी परमाणु सेन्ट्रीफ्यूज प्रयोगशालाओं में दो तिहाई यूरेनियम का 3.67 फीसदी भाग ही रख सकेगा। यह षर्त इसलिए लगाई गई थी, जिससे ईरान परमाणु बम नहीं बना पाए। दरअसल यूरेनियम की प्राकृतिक अवस्था में 20 से 27 प्रतिशत ऐसे बदलाव करने होते हैं, जो यूरेनियम को खतरनाक परमाणु हथियार में तब्दील कर देते हैं। ईरान ने यूरेनियम में परिवर्तन की यह तकनीक बहुत पहले हासिल कर ली थी। इस षंका के चलते उसे न्यूनतम मात्रा में यूरेनियम रखने की अनुमति समझौते में दी गई थी, जिससे वह आसानी से परमाणु बम नहीं बना पाए। सबसे अहम षर्तों में अंतरराश्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के निरीक्षकों को परमाणु सेन्ट्रीफ्यूजन के भंडार, यूरेनियम खनन एवं उत्पादन की निगरानी का भी अधिकार दे दिया गया था। यह षर्त तोड़ने पर ईरान पर 65 दिनों के भीतर फिर से प्रतिबंध लगाने की षर्त भी प्रारूप में दर्ज की गई थी। ईरान को उसे मिसाइल खरीदने की भी छूट नहीं दी गई थी। ईरान के सैन्य ठिकाने भी संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में थे। साफ है ईरान ने आर्थिक बदहाली के चलते इन षर्तों को मानने को बाध्य हुआ था। प्रतिबंध की षर्तों से मुक्त होने के बाद ईरान तेल और गैस बेचने लग गया था। भारत ने भी ईरान से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीदना षुरू कर दिया था। भारत के लिए ईरान से तेल खरीदना इसलिए लाभदायी रहता है, क्योंकि भारत के तेल षोधक संयंत्र ईरान से आयातित कच्चे तेल को परिषोधित करने के लिहाज से ही तैयार किए गए हैं। गोया, ईरान के तेल की गुणवत्ता श्रेश्ठ नहीं होने के बावजूद भारत के लिए यह लाभदायी रहता है। भारत ईरान से रुपए में तेल खरीदता है, इसलिए यह तेल डॉलर या पौंड में खरीदे जाने की तुलना में सस्ता पड़ता है। ईरानी विदेष मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा है कि इजरायल ईरान पर जब तक परमाणु हमले बंद नहीं करता है तब तक परमाणु वार्ता स्थगित रहेगी। क्योंकि ऐसी परिस्थितियों में उस पक्ष से बातचीत व्यर्थ है, जो आक्रमणकारी का सबसे बड़ा समर्थक है। दूसरी तरफ ईरान ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, इजरायल को मदद करते हैं तो वह इन देषों के हितों को नुकसान पहुंचाएगा। दरअसल अमेरिका के पष्चिम एषिया क्षेत्र के ईराक में विषेश बलों के बड़े षिविरों के अड्डे हैं। खाड़ी में अनेक सैन्य अड्डे हैं। ईरान के समर्थक सषक्त आतंकी गुट हमास और हिजबुल्ला भले ही कमजोर हो गए हों, लेकिन ईराक में इनके समर्थक मिलिषिया अभी भी मजबत है। अमेरिका को ऐसी आषंका पूर्व में ही हो गई थी, इसलिए उसने अनेक सुरक्षाबलों को वापिस बुला लिया है। बहरहाल मध्यपूर्व में बढ़ता यह तनाव कहां पहुंचेगा फिलहाल कुछ निष्चित नहीं कहा जा सकता है। क्योंकि जो अमेरिका खुद के वर्चस्व के लिए युद्ध की जमीन को रक्त से सींच रहा है, अमेरिका बड़बोले ट्रंप के राश्ट्रपति बनने के बाद न तो रूस और यूक्रेन के युद्ध को रोक सका है और न ही इजरायल और फिलिपींस के बीच युद्ध विराम कर पाया है। लिहाजा ट्रंप का यह अहंकार अस्थिर होती दुनिया में वैष्विक संघर्श को बढ़ावा देने का काम कर रहा है।

देश दुनिया से

पड़ोसी देशों से बेहतर रिश्ते बनाने की हो कोशिश

दुश्मन को बिना लड़े हरा देना, कौशल की पराकाष्ठा है' –प्रसिद्ध चीनी जनरल सन त्सु ने यह सूक्ति 500 ईसा पूर्व दी थी; जो आज भी सटीक है। चीनी अपने पुरातन सैन्य रणनीतिकारों के अच्छे शिष्य रहे हैं, जैसा कि भारतीय उपमहाद्वीप और हिंद महासागर को लेकर उनकी भू-राजनीतिक रणनीति 'स्ट्रिंग ऑफ़ पर्ल्स' में परिलक्षित है, जहां से होकर वैश्विक जहाजरानी का बड़ा हिस्सा गुजरता है। उन्होंने ग्वादर (पाकिस्तान), हम्बन्तोता (श्रीलंका), क्यौकप्यू (म्यांमार) और जिबूती में बंदरगाह विकसित किए। इसे जब उनकी बेल्ट एंड रोड पहल से जोड़कर देखें तो इस क्षेत्र पर बनता उनका वर्चस्व और चीनी व्यापार एवं सैन्य ताकत प्रदर्शित करती क्षमता साफ दिखती है। साल 1978 से 2005 तक उनकी इकोनॉमी 9 फीसदी दर से बढ़ी, जिसने उन्हें एक गरीब देश से विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में बदल दिया। इसी वक्त, उसने एक दीर्घकालिक भू-राजनीतिक रणनीति भी चलानी शुरू की। इन बंदरगाहों और अन्य बुनियादी ढांचे को बनाने में दशकों लग गए। आज, उपमहाद्वीप के राजनीतिक मानचित्र को देखते हुए, खुद को जिस तेजी से अलग-थलग माहौल में पा रहे हैं, उससे हम आंखें मूंद नहीं सकते। पाकिस्तान से लगती उत्तर-पश्चिमी सीमा शत्रुतापूर्ण है; उत्तर-पूर्वी परिदृश्य में चीन का दबदबा है, शत्रुतापूर्ण बांग्लादेश, तटस्थ नेपाल, नटखट म्यांमार और कमजोर भूटान है। दक्षिण में, श्रीलंका खुद को चीनी प्रभाव में धंसता पा रहा है। सालों चले तमिल-सिंहली संघर्ष के बाद दिशा भटकी भारतीय शांति स्थापना मुहिम ने बहुत हद तक आपसी भरोसा तोड़ा। इस रिश्ते को सुधारने को अगले दशकों में खास

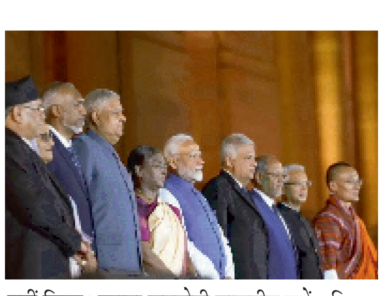

नहीं किया। पुराना सहयोगी मालदीव हमें मुश्किल सहन करता है। दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ कोई सार्थक व्यापार समझौता नहीं, तो हम खड़े कहां हैं? दुनिया हिंसा के भंवर में फंसी है और कई अन्य ज्वलंत बिंदु हैं, जो हमें हिंसा की ओर धकेल सकते हैं। तीन साल पहले, जब यूक्रेन-रूस युद्ध छिड़ा था, तो हमारे प्रधानमंत्री ने हिंसा खत्म करने का आह्वान किया था: 'यह युग युद्ध का नहीं है' जिसकी प्रतिध्वनि दुनियाभर में गूंजी। हालांकि, तब से दुनिया विनाशकारी परिणाम के भंवर की ओर खिंचती प्रतीत हो रही है। मध्य-पूर्व और यूक्रेन में तबाही पर बात करने से पहले देखें कि मौजूदा परिदृश्य में हम किस स्थिति में हैं। सच है कि हमने लगभग कभी युद्ध नहीं चाहा, लेकिन जब कभी इसने हमारे दरवाजे पर दस्तक दी तो हम हमेशा आगे बढ़े और अपना बचाव किया। हालांकि, अहम यह कि युद्ध को अपनी सीमाओं से दूर रखा जाए, इससे पहले कि यह हमें नुकसान पहुंचाए। इसके लिए, अपने पास मजबूत रक्षा बल के साथ-साथ कुशल कूटनीति होनी जरूरी है। सबसे पहले अपने पड़ोस और अपने आसपास के दोस्तों के साथ खास सक्रिय रहना चाहिए। लेकिन, लगता है आसपास के क्षेत्र में हमारा कोई दोस्त नहीं रहा। यह रातोंरात बनी स्थिति नहीं, बल्कि हमारे द्वारा किसी भी सार्थक प्रयास की अनुपस्थिति में, चीन द्वारा की गई श्रमसाध्य नीतिगत पहलों का परिणाम है। जबकि हमने आत्म-त्याग में जीना चुना। चीन ने चतुराई से अपना खेल खेला और इन देशों को उनकी जरूरत अनुसार समय-समय पर वित्तीय मदद, बुनियादी ढांचा निर्माण और अन्य भौतिक मदद प्रदान करके दिल जीत लिया। अब उसके पास हमारी सीमाओं और सीमावर्ती राज्यों में परेशानी खड़े करने की क्षमता है, चाहे वह पूर्वोत्तर हो या उत्तर-पश्चिम। रणनीतिक लक्ष्यों के साथ सक्रिय राजनयिक मिशन रखने से इस परिदृश्य से बचा जा सकता था। कश्मीर में, जहां पाकिस्तानी एजेंसियों ने खून-खराबे करवाने की फिराक में हमारी ज़मीन को दागदार किया, हमने मजबूती दिखाई, और हमारे राजनीतिक नेतृत्व एवं सशस्त्र बल प्रतिक्रिया देने में दृढ़ और निर्णायक रहे। सक्रिय प्रतिकर्म का नतीजा रहा कि चार दिन बाद, दुश्मन शांति की दुहाई डालता दिखा, और हमने उदारता से उनकी याचना स्वीकार कर ली, हालांकि एक वर्ग अधिक कठोर कार्रवाई करने के पक्ष में था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने युद्धविराम का श्रेय लिया, लेकिन हमारे प्रधानमंत्री ने उन्हें स्पष्ट कहा कि भारत को कभी किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता मंजूर नहीं। अमेरिका, उसके राष्ट्रपति और सैन्य नेतृत्व ने आतंकवाद को काबू करने में तथाकथित मदद के लिए पाकिस्तान की प्रशंसा की है। और गत बुधवार ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पाक सेना प्रमुख की मेज़बानी की। हाल ही में सीमा पारीय झड़पों में, चीनी निश्चित रूप से पाकिस्तानियों के साथ थे, रूसियों ने भी हमारे प्रति विगत के समर्थन जैसा उत्साह नहीं दिखाया और अमेरिकी लहज़ा अपमानजनक रहा।

आप का नजरिया

कबीलाई जंग

आखिरकार ना-नुकर के प्रपंच के बाद अमेरिका ने घातक बी-2 स्टील्थ बॉम्बर्स से हमला करके ईरान की तीन न्यूक्लियर साइट तबाह करने का दावा किया है। लगता है कि ईरान का परमाणु सपना हमले के साथ ही बिखर गया है। हाल में उसके कई परमाणु वैज्ञानिक इस्राइली हमलों में मारे गए थे। एक सप्ताह पूर्व इस्राइल ने ईरान के सैन्य स्थलों, भारी जल रिएक्टर तथा नागरिक ठिकानों पर भी हमले किए हैं। इस्राइल दावा करता रहा है कि ईरान उसके अस्तित्व को मिटाना चाहता है और परमाणु बम बनाने के करीब है। वहीं अमेरिका के शीर्ष रक्षा सूत्र ईरान के पास परमाणु बम की मौजूदगी से इनकार करते हैं। हालांकि, पिछले दिनों ईरान ने परमाणु मामले पर अंतर्राष्ट्रीय बातचीत का क्रम शुरू किया था, लेकिन पहले इस्राइली और फिर अमेरिकी हमलों ने अब ऐसी किसी संभावना को खारिज कर दिया है। उल्लेखनीय है कि ईरान परमाणु अप्रसार संधि का हिस्सा नहीं है। बहरहाल, इस्राइली हमलों के जवाब में ईरान ने तेल अवीव व अन्य शहरों पर जमकर मिसाइलें बरसाई हैं। हालांकि, इस्राइल की वायुरक्षा प्रणाली ने अधिकांश को विफल कर दिया है। इस्राइल के कुछ रक्षा प्रतिष्ठान, स्कूल व अस्पताल ईरान के हमलों की जद में आए हैं। चिंताजनक बात यह है कि लगातार कबीलाई होता संघर्ष दो मुल्कों तक सीमित रहने के बजाय विस्तार लेने की स्थिति में पहुंच गया है। रूस व चीन की चिंताओं के बीच यह युद्ध दुनिया को दो खेमों में बांट सकता है। ऐसा भी नहीं है कि ईरान में सब कुछ ठीक है। निरंकुश सर्वोच्च ईरानी नेता अली खामेनेई धार्मिक कट्टरता और स्वतंत्र-प्रगतिशील सोच के दमन के लिये भी जाने जाते हैं। ईरान की बड़ी आबादी खामेनेई के खिलाफ खड़ी रही है। लेकिन इस संघर्ष का बड़ा खतरा विश्व के नये ध्रुवीकरण के रूप में सामने आ सकता है। कहा जाता रहा है कि ईरान के परमाणु व मिसाइल कार्यक्रम में रूस की बड़ी भूमिका रही है। लेकिन एक बड़ा संकट यह भी है कच्चे तेल के बड़े स्रोत मध्यपूर्व में इन हमलों के चलते पूरी दुनिया में पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में भारी उछाल आ गया है। इस संघर्ष के मूल में कच्चे तेल की कूटनीति भी रही है। मध्यपूर्व की अशांति से तेल उत्पादक महाशक्तियों को भारी मुनाफा होता है। कच्चे तेल के दामों में भारी तेजी के कारण कोरोना संकट के बाद पटरी पर लौट रही दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को एक बार फिर से झटका लग सकता है। बड़ा संकट यह भी है कि इस टकराव का असर उस होरमुज की खाड़ी पर भी हो सकता है जहां से वैश्विक स्तर पर 21 फीसदी कच्चे तेल की सप्लाई होती है। बहरहाल, इस्राइल व ईरान के संघर्ष और उसमें अमेरिका के कूदने से पूरा मध्यपूर्व अनिश्चितता के भंवर में फंसता नजर आ रहा है। ऑपरेशन राइजिंग लायन शुरू करने से पहले भी इस्राइल हमास, हिजबुल्लाह व हूती विद्रोहियों से लड़ रहा था, इस नये मोर्चा खोलने से इस्राइली जनता की मुश्किलें भी और बढ़ गई हैं।

> इस्राइल दावा करता रहा है कि ईरान उसके अस्तित्व को मिटाना चाहता है और परमाणु बम बनाने के करीब है। वहीं अमेरिका के शीर्ष रक्षा सूत्र ईरान के पास परमाणु बम की मौजूदगी से इनकार करते हैं। हालांकि, पिछले दिनों ईरान ने परमाणु मामले पर अंतर्राष्ट्रीय बातचीत का क्रम शुरू किया था, लेकिन पहले इस्राइली और फिर अमेरिकी हमलों ने अब ऐसी किसी संभावना को खारिज कर दिया है। उल्लेखनीय है कि ईरान परमाणु अप्रसार संधि का हिस्सा नहीं है। बहरहाल, इस्राइली हमलों के जवाब में ईरान ने तेल अवीव व अन्य शहरों पर जमकर मिसाइलें बरसाई हैं। हालांकि, इस्राइल की वायुरक्षा प्रणाली ने अधिकांश को विफल कर दिया है। इस्राइल के कुछ रक्षा प्रतिष्ठान, स्कूल व अस्पताल ईरान के हमलों की जद में आए हैं। चिंताजनक बात यह है कि लगातार कबीलाई होता संघर्ष दो मुल्कों तक सीमित रहने के बजाय विस्तार लेने की स्थिति में पहुंच गया है। रूस व चीन की चिंताओं के बीच यह युद्ध दुनिया को दो खेमों में बांट सकता है। ऐसा भी नहीं है कि ईरान में सब कुछ ठीक है।

कुछ अलग

इजरायल को बैकपुट पर ढकेला

ईंरान इजरायल युद्ध के सातवें दिन ईंरान द्वारा इजरायल पर दागे गये क्लस्टर मिसाइल बम अत्याधिक घातक साबित हुए। ईंरान के इस हमले ने इजरायल के नागरिकों का मनोबल बुरी तरह से तोड़ दिया है। क्लस्टर बमें जिन्हें गुच्छ युद्ध सामग्री भी कहा जाता है, क्लस्टर बम दुनिया के सबसे घातक और विवादास्पद हथियारों में से एक हैं। ये बम अपनी व्यापक विनाशकारी क्षमता और दीर्घकालिक प्रभावों के कारण युद्ध क्षेत्र में तबाही मचाने के लिए ड़िजाइन किए गए हैं। युद्ध के दौरान ईंरान द्वारा इजरायल पर इसके उपयोग ने इस मिसाइल के प्रति लोगों का वैश्विक ध्यान केन्द्रित कर दिया है। क्लस्टर बम एक प्रकार का विस्फोटक हथियार है जो हवा में या जमीन से छोड़ा जाता है। यह एक बड़े खोल (वैनिस्टर) के रूप में होता है, जिसमें सैकड़ों छोटे-छोटे विस्फोटक उपकरण, जिन्हें सबम्युनिशन या बॉमलेट्स कहते हैं, भरे होते हैं। ये बॉमलेट्स विभिन्न प्रकार के हो सकते हैं, जैसे कि टैंक-रोधी, कमा-विरोधी, या आग लगाने वाले। इनका मुख्य उद्देश्य एक बड़े क्षेत्र में फैलकर अधिकतम नुकसान पहुंचाना है।

दृष्टि कोण

क्या पुरस्कार अब प्रकाशन-राजनीति का मोहरा बन गए हैं?

साहित्य समाज का दर्पण होता है।" यह वाक्य हमने न जाने कितनी बार पढ़ा और सुना है। परंतु आज साहित्य के दर्पण पर परतें चढ़ चुकी हैं— राजनीतिक, प्रकाशकीय और प्रतिष्ठान-प्रेरित परतें। प्रश्न यह नहीं है कि कौन किससे छप रहा है। प्रश्न यह है कि क्या हिंदी साहित्य का पुरस्कार अब केवल उन्हीं लेखकों को मिलेगा जो वाणी प्रकाशन या राजकमल प्रकाशन से प्रकाशित होंगे? एक समय था जब किसी लेखक को पुरस्कार मिलने पर पूरे साहित्यिक समाज में उत्सव जैसा माहौल होता था। आज स्थिति यह है कि जैसे ही किसी लेखक को प्रतिष्ठित पुरस्कार मिलता है, सबसे पहला सवाल यह पूछा जाता है—"कहाँ से छपे हैं?" अगर जवाब वाणी या राजकमल है, तो चर्चा बदल जाती है—"चलो, सेटिंग होगी...!" यह कटाक्ष नहीं, आज के साहित्यिक वातावरण का यथार्थ है। क्योंकि अब पुरस्कार प्रतिभा का नहीं, प्रकाशन और पहुंच का प्रमाण बनते जा रहे हैं। वाणी और राजकमल जैसे संस्थान निस्संदेह हिंदी के प्रमुख स्तम्भ हैं। उन्होंने उत्कृष्ट लेखकों को छापा है और साहित्य की सेवा की है। लेकिन अब समस्या यह नहीं है कि वे छाप रहे हैं, समस्या यह है कि बाकी किसी को छापना, सुनना और पुरस्कृत करना साहित्यिक प्रतिष्ठानों को "जोखिम" जैसा लगता है। जिस तरह फिल्मों में केवल बड़े बैनर की फिल्में ही राष्ट्रीय पुरस्कार पाती हैं, उसी तरह अब साहित्य में भी "ब्रांडेड प्रकाशन" ही पुरस्कारों का टिकट बन चुके हैं। हिंदी साहित्य के छोटे लेखक, ग्रामीण पृष्ठभूमि के रचनाकार, स्वतंत्र प्रकाशनों से जुड़ी प्रतिभाएँ —सब धीरे-धीरे इस "पुरस्कार तंत्र" से बाहर हो चुके हैं। उनके पास न तो साहित्यिक लॉबियों से संपर्क हैं, न दिल्ली-मुंबई जैसे केन्द्रों में मौजूदगी, और न ही ब्रांडेड कवर पृष्ठ। तो फिर पुरस्कार किसके हिस्से आएंगे? जवाब स्पष्ट है: उन्हीं के

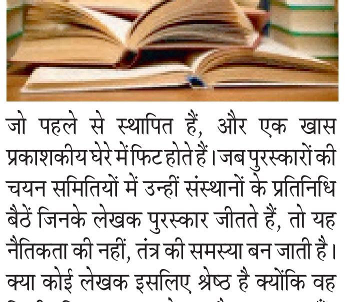

जो पहले से स्थापित हैं, और एक खास प्रकाशकीय घेरे में फिट होते हैं। जब पुरस्कारों की चयन समितियों में उन्हीं संस्थानों के प्रतिनिधि बैठें जिनके लेखक पुरस्कार जीतते हैं, तो यह नैतिकता की नहीं, तंत्र की समस्या बन जाती है। क्या कोई लेखक इसलिए श्रेष्ठ है क्योंकि वह किसी प्रसिद्ध प्रकाशन से छपा है? क्या एक गाँव की लड़की की कहानी इसलिए उपेक्षित है क्योंकि वह "स्व-वित्तपोषित" किताब में छपी है? क्या साहित्य केवल महानगरों में लिखा जा रहा है? यह सवाल मात्र भावुकता नहीं, साहित्य के लोकतंत्र की माँग है। अब साहित्यिक पुरस्कार भी वैसी ही 'लॉबिंग' का हिस्सा बन चुके हैं जैसे राजनीति या सिनेमा में होता है। कोई वरिष्ठ आलोचक पुरस्कार समिति में बैठता है और उसी साल उसका शिष्य पुरस्कार पाता है। कोई लेखक चर्चित होता है क्योंकि उसके प्रकाशक ने किताब के विमोचन में 'नामचीन लोगों' को बुला लिया। समीक्षाएँ छपती हैं—पर लेखन नहीं पढ़ा जाता, सिर्फ "प्रकाशक का नाम" देख लिया जाता है। हिंदी में आज कई स्वतंत्र, ईमानदार, मेहनती प्रकाशक सक्रिय हैं। वे बिना किसी शोर-शराबे के अच्छे लेखकों को प्रकाशित कर रहे हैं, नए विषय ला रहे हैं, जोखिम ले रहे हैं। लेकिन उन्हें पुरस्कारों की सूची में शायद ही जगह मिले। क्या इसलिए कि उनके पास प्रचार का पैसा नहीं है? आज कई लेखक इस पुरस्कार-तंत्र से परेशान होकर कहते हैं—"हमें पुरस्कार नहीं चाहिए, हमें पाठक चाहिए।" यह बदलाव एक क्रांतिकारी सोच है। क्योंकि एक समय ऐसा आएगा जब पाठक पूछेगा—"क्या यह लेखक अच्छा है, या बस पुरस्कार मिला हुआ है?" बिलकुल नहीं। वाणी, राजकमल या अन्य बड़े प्रकाशकों से छपना एक उपलब्धि हो सकती है, लेकिन वह एकमात्र रास्ता नहीं होना चाहिए। समस्या तब होती है जब पुरस्कार देने वाले संस्थान यह मान बैठते हैं कि अच्छा साहित्य वहीं छपता है। इस मानसिकता को बदलना होगा, क्योंकि एक समाज का साहित्य उसकी विविधता, भूगोल, बोली और संघर्षों का समुच्चय होता है — न कि केवल दिल्ली की प्रेस या कॉफी टेबल रीडिंग। आज का नवलेखक यह देख रहा है कि अगर उसकी किताब किसी "ब्रांडेड" प्रकाशक से नहीं छपी, तो उसके पुरस्कार पाने की संभावना लगभग समाप्त है। यह मानसिक अवसाद और हतोत्साहन की स्थिति है।

शेख हसीना और दो करीबियों पर पहली जुलाई को तय होंगे आरोप

ढाका, 24 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके दो शीर्ष सहयोगियों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 (आईसीटी-1) में आरोप नहीं तय हो सके। आईसीटी-1 ने कहा कि अब आरोप एक जुलाई को तय किए जाएंगे। शेख हसीना के अलावा पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून के खिलाफ आरोप तय किए जाएंगे। खबर के अनुसार आईसीटी-1 के जस्टिस मोहम्मद गोलाम मुर्तुजा मोजुमदार की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय न्यायाधिकरण पीठ ने आदेश पारित किया कि भगोड़े आरोपितों असदुज्जमां और हसीना के लिए भी बचाव पक्ष के वकील नियुक्त किए जाएंगे। अभियोजन पक्ष ने पहली जून को तीनों के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, यातना और घातक हथियारों के इस्तेमाल के अलावा अन्य आरोप लगाते हुए औपचारिक आरोप लगाए थे। न्यायाधिकरण ने पहली जून को ही आरोपों पर संज्ञान लेते हुए की तारीख मुर्करर की थी। अभियोजन पक्ष ने पहली जून को पीठ को बताया था कि शेख हसीना पांच अगस्त से भारत में हैं। असादुज्जमां भी वहीं छुपा हुआ है। पूर्व पुलिस प्रमुख मामून हिरासत में हैं। अभियोजन पक्ष ने उन्हें पीठ के समक्ष पेश किया। तीनों पर मानवता के विरुद्ध अपराध के पांच आरोप लगाए गए हैं।

पहला आरोप: निहत्थे छात्र प्रदर्शनकारियों पर कानून प्रवर्तन और अवामी लीग के कार्यकर्ताओं के खिलाफ हिंसा रोकने में विफल रहना। हिंसा करने वालों की सहायता करना। हत्या के लिए उकसाना। प्रदर्शनकारियों को यातना देना।

दूसरा आरोप: प्रदर्शनकारी विद्यार्थियों को दबाने के लिए घातक हथियारों (हेलीकॉप्टर और ड्रोन सहित) का उपयोग करने का आदेश देना।

तीसरा आरोप: अबू सईद की 16 जुलाई को साजिशन हत्या करवाना।

चौथा आरोप: पांच अगस्त को ढाका के चंखरपुल में छह निहत्थे प्रदर्शनकारियों की हत्या करवाना।

पांचवां आरोप: पांच प्रदर्शनकारियों की गोली मारकर हत्या करवाना। इसके बाद पांचों के शव को जलाने और एक अन्य प्रदर्शनकारी को जिंदा जलाने की कोशिश करना।

इसके अलावा आईसीटी-1 ने हसीना और 10 अन्य के खिलाफ कुछ लोगों को जबरन गायब किए जाने के मामले में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने की समय सीमा 24 अगस्त तक बढ़ा दी।

न्यूज ब्रीफ

कतर जाने वाली उड़ानों के रद्द होने से यात्रियों को काठमांडू एयरपोर्ट पर गुजारनी पड़ी रात

काठमांडू। कतर में अमेरिकी बेस पर ईरान के हमले के बाद कतर द्वारा अपना एयरस्पेस बंद किए जाने के कारण बीती रात को काठमांडू से दोहा जाने वाली सभी उड़ानों को रद्द कर दिया गया। इसके कारण कतर जाने वाले यात्रियों को पूरी रात एयरपोर्ट पर ही गुजारनी पड़ी। काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल से दोहा की तरफ उड़ान भरने को तैयार कतर एयर, जजीरा एयर, नेपाल एयरलाइंस सहित कुछ अन्य विमानों की उड़ान नहीं हो पाने के कारण इन विमानों से यात्रा करने वाले लोगों को रात भर एयरपोर्ट पर ही गुजारनी पड़ी। एयरपोर्ट के प्रवक्ता तेज बहादुर पौडेल ने बताया कि रात 9 बजे नेपाल एयरलाइंस विमान से दोहा जाने वाले यात्रियों को बिठा दिया गया था लेकिन एयरस्पेस बंद होने की जानकारी मिलने के बाद सभी यात्रियों को नीचे उतार दिया गया। पौडेल ने बताया कि नेपाल से दोहा के लिए उड़ान भर चुके एक विमान को ओमान की राजधानी मस्कट की तरफ डायवर्ट किया गया था। यात्रियों ने डिपार्चर लाउंज में गुजारी रात दोहा जाने वाली सभी विमानों की उड़ान रद्द होने के कारण यात्रियों को पूरी रात विमानस्थल पर ही गुजारनी पड़ी। रातभर एयरपोर्ट के डिपार्चर लाउंज के बाहर सोने को मजबूर इन यात्रियों की शिकायत रही कि उनके बारे में न तो एयरलाइंस कंपनी के तरफ से और ना ही एयरपोर्ट अथॉरिटी की तरफ से उनके रुकने की कोई व्यवस्था की गई। यात्रियों का आरोप है कि फ्लाइट के पूरी तरह से कैंसिल होने की जानकारी भी कई घंटे बाद दी गई।

नेपाल में पांच व्यक्तियों में कोविड-19 ओमिक्रोन के नए वेरिएंट की पुष्टि

काठमांडू। नेपाल के पांच लोगों में कोविड 19 के ओमिक्रोन के नए वेरिएंट की पुष्टि हुई है। यह लोग पिछले दिनों भारत से लौटे हैं। नेपाल के स्वास्थ्य विभाग के महामारी विज्ञान और रोग नियंत्रण प्रभाग (ईडीसीडी) के अनुसार, भारत भेजे गए सैंपल में से पांच व्यक्तियों में कोविड-19 के ओमीक्रोन स्ट्रेन के एक नए वेरिएंट की पुष्टि हुई है। ईडीसीडी के प्रमुख डॉ. चंद्रबल झा ने बताया कि नए वेरिएंट की पहचान भारत की राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रयोगशाला में किए गए जीन अनुक्रमण परीक्षणों के माध्यम से की गई। उन्होंने बताया कि 5 जून से 12 जून के बीच कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए 14 व्यक्तियों से एकत्र किए गए नमूनों पर परीक्षण के लिए भेजा गया था। नए वेरियंट को अत्यधिक संक्रामक माना जाता है। ईडीसीडी के आंकड़ों के अनुसार, मई 2025 के मध्य से अब तक नेपाल में कोविड-19 के कुल 167 मामलों की पुष्टि हुई है।

मध्य पूर्व में हवाई क्षेत्र बंद, दुबई और दोहा जा रही कम से कम 26 वाणिज्यिक उड़ानें डायवर्ट

दोहा/दुबई। मध्य पूर्व में सुरक्षा कारणों से हवाई क्षेत्र बंद होने के चलते सोमवार को दुबई (यूएई) और दोहा (कतर) की ओर जा रही कम से कम 26 वाणिज्यिक उड़ानों का मार्ग बदलना पड़ा। विमानन विश्लेषण कंपनी सिरियम के अनुसार, डायवर्ट की गई उड़ानों में से 22 उड़ानें दोहा जा रही थीं, जबकि शेष चार दुबई की ओर थीं। इनमें से कुछ विमानों ने वैकल्पिक हवाई अड्डों पर लैंड किया, जबकि अन्य को अपने प्रस्थान स्थल पर लौटना पड़ा। सिरियम ने यह भी जानकारी दी कि दोहा की ओर डायवर्ट की गई उड़ानों में से 12 उड़ानों का संचालन कतर एयरवेज द्वारा किया जा रहा था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उत्तरी अमेरिका से 39 उड़ानें और यूरोप से 210 उड़ानें सोमवार को मध्य पूर्व के लिए रवाना होने वाली थीं। हालांकि, यदि हवाई क्षेत्र शीघ्र नहीं खोला गया, तो इन उड़ानों के रद्द होने का खतरा बना हुआ है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब ईरान और अमेरिका के बीच सैन्य तनाव के चलते क्षेत्रीय सुरक्षा हालात बिगड़ गए हैं। कतर स्थित अल-उदीद अमेरिकी सैन्य अड्डे पर ईरान द्वारा मिसाइल हमले के बाद कई देशों ने एहतियात के तौर पर अपने हवाई मार्ग बंद या सीमित कर दिए हैं।

ईरान और इजरायल के बीच हुआ युद्ध विराम डोनाल्ड ट्रंप बोले-उल्लंघन मत करना

तेहरान-तेल अवीव,24 जून। ईरान और इजरायल के बीच युद्ध विराम की घोषणा हो चुकी है। इसकी जानकारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दी। ट्रंप ने ट्रुथ पर दोनों देशों के युद्ध विराम की घोषणा कर लिखा, युद्ध विराम अब प्रभावी है। कृपया इसका उल्लंघन न करें। वहीं, ईरान ने युद्ध विराम लागू होने से ठीक पहले इजरायल पर एक के बाद एक 15 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी। ट्रंप ने जैसे ही युद्ध विराम की बात कही, ईरान ने इजरायल पर 6 बार हमले किए।

ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, तेहरान-इजरायल के बीच संघर्ष विराम सुबह 7:30 बजे लागू हुआ, उससे कुछ मिनट पहले ईरान ने इजरायल के भीतर मिसाइल हमलों का अंतिम दौर शुरू किया। इजरायल द्वारा ईरान की 6 मिसाइलों की पुष्टि करने बाद तेहरान ने कहा कि अब युद्ध विराम का समय शुरू हो गया है।

इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने इजराइल को अंतिम क्षण तक दंडित करने के लिए अपने सशस्त्र बलों को धन्यवाद दिया।रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार सुबह ईरान की ओर से 6 बार में 10 से 15 बैलिस्टिक मिसाइल दागी गई है, जिसमें से अधिकांश को रोक दिया गया। एक मिसाइल बीर्शेबा शहर में एक अपार्टमेंट पर गिरी, जिससे अपार्टमेंट क्षतिग्रस्त हो गया और हमले में 4 लोगों की मौत हो गई। मलबे से बाद में एक महिला का शव निकाला गया है। हमले में 6 लोग घायल हुए हैं। इजरायल ने सभी शहरों में सायरन बजा दिए हैं।

एक तरफ युद्ध विराम से पहले ईरान इजरायल पर लगातार मिसाइल हमले कर रहा था, वहीं दूसरी ओर ट्रंप युद्ध रोकने का श्रेय ले रहे थे। उन्होंने हमलों के दौरान ट्रुथ पर लिखा, हम अपने महान बी-2 पायलटों और उस ऑपरेशन से जुड़े सभी लोगों की प्रतिभा और साहस के बिना आज का सौदा नहीं कर पाते। निश्चित और बहुत विडंबनापूर्ण तरीके से, देर शाम को उस बेहतरीन हमले ने सभी को एक साथ ला दिया, और सौदा हो गया!!! युद्ध विराम लागू होने के अंतिम समय में ईरान के घातक मिसाइल हमलों के बाद इजरायल का कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, इससे जवाबी हमले की आशंका है।

ईरान के हमले पर सऊदी अरब का कड़ा विरोध, कतर के समर्थन में उतरा

रियाद/दोहा। सऊदी अरब ने कतर में स्थित अल-उदीद सैन्य अड्डे पर ईरान द्वारा किए गए मिसाइल हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। सऊदी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि यह हमला अंतरराष्ट्रीय कानून और सद्भावपूर्ण पड़ोसी संबंधों के सिद्धांतों का घोर उल्लंघन है। बयान में कहा गया, राज्य ईरान के इस प्रतिशोधात्मक हमले की कड़ी निंदा करता है और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन मानता है। यह हमला क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है। सऊदी अरब ने यह भी स्पष्ट किया कि वह कतर के साथ पूर्ण एकजुटता के साथ खड़ा है और भाईचारे की भावना के तहत कतर द्वारा उठाए जाने वाले हर कदम में उसका पूर्ण समर्थन करेगा। सऊदी अरब का यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान ने अमेरिकी परमाणु ठिकानों पर हमले के जवाब में कतर स्थित अमेरिकी बेस पर मिसाइलें दागीं थीं, जिन्हें कतर की वायु रक्षा प्रणाली ने रोक लिया था। हालांकि हमले में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन इससे खाड़ी क्षेत्र में तनाव काफी बढ़ गया है।

तारीख पर तारीख : आज लॉन्च होगा शुभांशु शुक्ला वाला मिशन

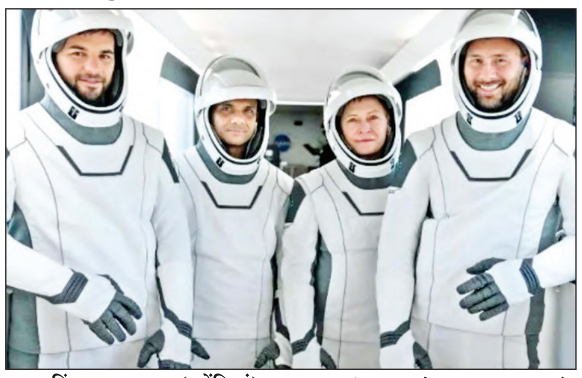

वाशिंगटन, 24 जून (एजेंसियां)। तारीख पर तारीख के बाद एक्सिओम स्पेस मिशन एक बार फिर उड़ान भरने को तैयार है। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का इंतजार अब खत्म होने वाला है। अब नई तारीख 25 जून दी गई है। इससे पहले 22,19,11,10 और 8 जून की तारीखें मिशन लॉन्चिंग की दी जा चुकी हैं।नासा, एक्सिओम स्पेस और स्पेसएक्स आखिरकार बहुप्रतीक्षित एक्सिओम मिशन 4 को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन यानी अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजने के लिए तैयार हैं। नासा ने एक्सिओम मिशन 4 पर नया अपडेट दिया और कहा कि अब यह मिशन बुधवार 25 जून की सुबह लॉन्च होगा।

एक्सिऑम-4 कमर्शियल मिशन का नेतृत्व कमांडर पैगी व्हिटसन कर रही हैं, जिसमें शुभांशु शुक्ला मिशन पायलट हैं और हंगरी के अंतरिक्ष यात्री टिबोर कपू और पोलैंड के स्लावोज उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की मिशन विशेषज्ञ हैं।

इस मिशन के तहत प्रक्षेपण मूलत: 29 मई को होना था लेकिन फाल्कन-9 रॉकेट के बूस्टर में तरल ऑक्सीजन के रिसाव और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के पुराने रूसी मॉड्यूल में भी रिसाव होने का पता चलने के बाद पहले इसे आठ जून, फिर 10 जून और फिर 11 जून के लिए टाल दिया गया। दरअसल, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मंगलवार को घोषणा की कि भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) लेजाने वाले एक्सिओम-4 मिशन के लिए प्रक्षेपण अब 25 जून को होगा।

अब तक पांच बार इसे टाला जा चुका है। अब छठी उड़ान की तारीख आ गई है। नासा के एक बयान में कहा गया, 'नासा, एक्सिओम स्पेस और स्पेसएक्स ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए चौथे निजी अंतरिक्ष यात्री मिशन 'एक्सिओम मिशन 4 के प्रक्षेपण के लिए बुधवार 25 जून को तड़के का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके बाद प्रक्षेपण की योजना फिर 19 जून के लिए टाल दी गई और फिर नासा द्वारा रूसी मॉड्यूल में मरम्मत कार्यों के बाद कक्षीय प्रयोगशाला के संचालन का आकलन करने के लिए प्रक्षेपण की तिथि 22 जून तय की गई।

जेफ बेजोस और लॉरेन सांचेज की प्री-वेडिंग में पाजामा पार्टी, शादी 27 जून को

अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस इस हफ्ते पत्रकार लॉरेन सांचेज से शादी करने जा रहे हैं। शादी से पहले होने वाली प्री-वेडिंग पार्टियों की तैयारी चल रही है। इनमें तीन अलग-अलग थीम वाली पार्टियां शामिल हैं। इसका मतलब यह है कि दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शुमार जेफ बेजोस और लॉरेन सांचेज की शादी का जश्न कई दिनों तक चलेगा। पजामा पार्टी से लेकर फोम पार्टी तक। सब कुछ शाही अंदाज में होगा।जेफ और लॉरेन की शादी 27 जून को होने वाली है। यह शादी इटली के खूबसूरत शहर वेनिस में होगी। इससे पहले एक पजामा पार्टी होगी। एक जानकार ने बताया, मेहमानों को कई तरह के कपड़े और सामान लाना होगा, क्योंकि अलग-अलग थीम के कार्यक्रम होंगे। हाल ही में लॉरेन के बेटे इवान के 19वें जन्मदिन पर बेजोस ने अपने सुपरयॉट पर एक फोम पार्टी करवाई। तस्वीरों में दोनों यूरोप के तट के पास झाग में नाचते हुए दिखे।शादी में ओप्रा विंफ्रे, बारबरा स्ट्राइसैंड, इवांका ट्रम्प, ओरलैंडो ब्लूम जैसे बड़े सितारे शामिल होंगे। इनके लिए कॉकटेल पार्टी, रिहर्सल डिनर और रिसेप्शन जैसे कार्यक्रम होंगे।

रूसी हमले में यूक्रेन में 13 नागरिकों की मौत जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों से मदद मांगी

कीव, 24 जून (एजेंसियां)। यूक्रेन में रूस के ड्रोन, मिसाइल और तोपखाने से हुए हमलों में कम से कम 13 नागरिकों की मौत हो गई और लगभग 100 लोग घायल हुए हैं। यह जानकारी यूक्रेनी अधिकारियों ने मंगलवार को दी। इन हमलों के बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों से और सैन्य मदद की मांग की है। वह मंगलवार को नीदरलैंड्स के हेग शहर में नाटो शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे नेताओं से मिलेंगे। उनका मकसद यूक्रेन की सुरक्षा के लिए भविष्य की सहायता सुनिश्चित करना है।मंगलवार दोपहर रूस ने यूक्रेन के ड्निप्रो शहर पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। जिसमें सात नागरिकों की मौत हुई और 70 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। वहीं पास के समर शहर में भी हमला हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हुई और नौ लोग घायल हुए।

ड्निप्रो के मेयर बोरिस फिलाटोव ने बताया कि इस हमले में 19 स्कूल, 10 किंडरगार्टन, एक संगीत विद्यालय, एक सामाजिक सेवा कार्यालय और आठ मेडिकल सेंटर क्षतिग्रस्त हो गए।वहीं दक्षिणी खेरसॉन इलाके में चार नागरिक मारे गए और 11 घायल हुए। जबकि उत्तर-पूर्वी सूमी क्षेत्र में ड्रोन हमले में एक बच्चे समेत तीन नागरिक मारे गए। जबकि घायलों में दो 17 साल की लड़कियां और एक 12 साल का लड़का भी शामिल हैं।रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उन्होंने रातभर में 20 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए, जिनमें से 14 ड्रोन कुरस्क इलाके में और दो ड्रोन मॉस्को क्षेत्र में थे। एक ड्रोन मॉस्को के एक टावर ब्लॉक से टकराया, जिससे 17वीं मंजिल पर आग लग गई। इस दौरान एक 34 वर्षीय व्यक्ति को हाथ और पैर में छर्रे लगे। दो अन्य ड्रोन मॉस्को पहुंचने से पहले ही गिरा दिए गए। इन खतरों के चलते मॉस्को के दो बड़े एयरपोर्ट- वनुकोवो और शेरेमेतेवो- पर हवाई यातायात को कुछ समय के लिए रोका गया।राष्ट्रपति जेलेंस्की की चिंता इस बात को लेकर भी है कि बाइडन प्रशासन की तरफ से दी गई सैन्य सहायता जल्द ही खत्म हो सकती है, और यह स्पष्ट नहीं है कि डोनाल्ड ट्रंप के फिर से राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका मदद देगा या नहीं।

ईरान के परमाणु हथियार नष्ट करने का संकल्प ले चुके इजराइल के पास हैं 200 बम

वाशिंगटन, 23 जून (एजेंसियां)।

किसी से छिपी नहीं है कि दशकों से इजरायल को पश्चिम एशिया का एकमात्र ऐसा देश माना जाता रहा है, जिसके पास परमाणु हथियार हैं, भले ही उसके नेताओं ने इन हथियारों की मौजूदगी की पुष्टि या खंडन करने से इनकार कर दिया हो। इसी इजरायल का कहना है कि वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करने के प्रति दृढ़ है, क्योंकि गुप्त रूप से परमाणु हथियार तैयार करने में जुटा उसका कट्टर दुश्मन उसके अस्तित्व के लिए खतरा है।

इजरायल उन पांच देशों में से एक है, जो वैश्विक परमाणु अप्रसार संधि का हिस्सा नहीं हैं।

इससे उसे निरस्त्रीकरण करने या यहां तक कि निरीक्षकों को उसके देश में मौजूद परमाणु केंद्रों की जांच करने की अनुमति देने से जुड़े अंतरराष्ट्रीय दबाव से राहत मिलती है।

वर्ष 1986 में इजरायल की अस्पष्टता की नीति को बड़ा झटका लगा, जब परमाणु केंद्र पर मौजूद एक पूर्व तकनीशियन मोर्दकै वानुनू ने डिमोना की गतिविधियों को उजागर किया। तस्वीरें और विवरण उपलब्ध कराए। वानुनू को देशद्रोह के आरोप में 18 साल जेल में रखा गया और उसे विदेशियों से मिलने या देश छोड़ने की अनुमति नहीं दी गई। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इजरायल के पास 80 से 200 परमाणु हथियार हैं।ईरान और अन्य जगहों पर आलोचकों ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर सख्त नजर रखने के लिए पश्चिमी देशों पर पाखंड का आरोप लगाया है, जबकि इजरायल के संदिग्ध शस्त्रागार को खुली छूट दी जा रही है। इजरायल ने 1958 में देश के पहले नेता प्रधानमंत्री डेविड बेन गुरियन के नेतृत्व में सुदूर रेगिस्तानी शहर डिमोना में अपना नेगेव परमाणु अनुसंधान केंद्र खोला। उनका मानना था कि पड़ोस में शत्रु देशों से घिरे छोटे से नवोदित देश को सुरक्षा के अतिरिक्त उपाय के रूप में परमाणु निरोध की आवश्यकता है। कुछ इतिहासकारों का कहना है कि इनका इस्तेमाल केवल आपातकालीन स्थिति में, अंतिम उपाय के रूप में किया जाना था।

विशेषज्ञों का कहना है कि इजरायल की अस्पष्टता ने उसे ईरान और अन्य दुश्मनों के खिलाफ अपनी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में सक्षम बनाया है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इजरायल ने यह क्षमता क्षेत्रीय स्तर पर परमाणु हथियारों की दौड़ को बढ़ावा दिए बिना या एहतियाती हमलों (संभावित हमले से बचने के लिए किये गए हमले) को आमंत्रित किए बगैर हासिल की है।एक लेख के अनुसार, इस परमाणु केंद्र के खुलने के बाद इजरायल ने डिमोना में काम को एक दशक तक छिपाए रखा और अमेरिका के अधिकारियों से कहा कि यह एक कपड़ा कारखाना है।'फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स' के परमाणु सूचना परियोजना के निदेशक हैंस एम। क्रिस्टेंसन और इसी संगठन के शोधकर्ता मैट कोर्डा द्वारा सह-लिखित इस लेख के अनुसार, डिमोना में उत्पादित प्लूटोनियम पर निर्भर रहते हुए इजराइल के पास 1970 के दशक के प्रारंभ से ही परमाणु हथियार दागने की क्षमता है।

अमेरिका और ईयू के साथ जल्द ही व्यापार समझौते संपन्न होने की उम्मीद: वित्त मंत्री

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत तेजी से आगे बढ़ रही है, जल्द ही इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

वित्त मंत्री ने राजधानी नई दिल्ली में एक्जिम बैंक ट्रेड कॉन्क्लेव 2025 के दौरान विकसित भारत के लिए निर्यातोन्मुख विकास विषय पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत ने पहले ही संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और चार देशों के यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) ब्लॉक के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर कर लिए हैं, जबकि ब्रिटेन के साथ बातचीत पूरी हो चुकी है।

इंडिया एक्जिम बैंक के व्यापार सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अब अधिक मुक्त व्यापार समझौते करने पर जोर दिया जा रहा है। सीतारमण ने कह कि अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ बातचीत वास्तव में बेहद तेजी से जारी है और जल्द ही निष्कर्ष पर पहुंच जाएगी। वर्ष 2030 तक 2,000 अरब अमेरिकी डॉलर के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने के लिए निर्यात को बढ़ावा देने के सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

वित्त मंत्री ने देश के निर्यात का उल्लेख करते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में वस्तुओं एवं सेवाओं का कुल निर्यात 825 अरब अमेरिकी डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में छह फीसदी की वृद्धि है। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2013-14 के 466 अरब अमेरिकी डॉलर से एक महत्वपूर्ण छलांग है। जहां वैश्विक निर्यात में केवल चार फीसदी की वृद्धि हुई है। वहीं, भारत के निर्यातक व्यापार मोर्चे पर वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद तेजी से आगे बढ़ने और 6.3 फीसदी की वृद्धि को पार करने में सफल रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्रियों को देना होगा 1,225 रुपए तक यूडीएफ

मुंबई। भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण (एईआरए) ने निर्माणाधीन नवी मुंबई हवाई अड्डे पर 1,225 रुपये तक का उपयोगकर्ता विकास शुल्क (यूडीएफ) लगाने की अनुमति दे दी है। इस हवाई अड्डे का विकास नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (एनएमआईएएल) द्वारा किया जा रहा है। इस वर्ष के अंत में चालू होने वाले इस हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाले यात्रियों को घरेलू उड़ानों के लिए 620 रुपये और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 1,225 रुपये उपयोगकर्ता विकास शुल्क (यूडीएफ) के रूप में देने होंगे। एईआरए के 42 पृष्ठ के आदेश के अनुसार, हवाई अड्डे पर उतरने वाले यात्रियों के लिए घरेलू और विदेशी उड़ानों के लिए यूडीएफ क्रमशः 270 रुपये और 525 रुपये होगा। यूडीएफ शुल्क को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए तदर्थ आधार पर अनुमोदित किया गया है। एईआरए ने कहा कि 31 मार्च 2026 तक या नियमित शुल्क के अंतिम निर्धारण तक अंतरिम उपाय के रूप में तदर्थ यूडीएफ लगाने की अनुमति देने का निर्णय लिया गया है।

एक्मे सोलर की राजस्थान में 300 मेगावाट की सीकर परियोजना चालू

नई दिल्ली। एक्मे सोलर होल्डिंग ने राजस्थान में सीकर सौर परियोजना में 60 मेगावाट की अतिरिक्त क्षमता जोड़ते हुए अपनी 300 मेगावाट की इस परियोजना शुरु कर दी है। कंपनी ने मंगलवार को घोषणा की कि इस तिमाही के शुरू में कंपनी ने परियोजना की कुल 300 मेगावाट क्षमता में से 240 मेगावाट को आंशिक रूप से चालू कर दिया। इस उपलब्धि के साथ एक्मे सोलर की कुल परिचालन क्षमता बढ़कर 2,890 मेगावाट हो गई है। बयान के अनुसार एक्मे सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड ने अतिरिक्त 60 मेगावाट क्षमता चालू करने के बाद राजस्थान में एक्मे सीकर सौर परियोजना में अपनी 300 मेगावाट की पूरी अक्षय ऊर्जा क्षमता चालू कर दी है। भारत के सबसे अधिक सौर विकिरण क्षेत्रों में से एक राजस्थान के बीकानेर में 1300 एकड़ में फैली यह परियोजना 220 केवी पर बीकानेर-2 सबस्टेशन से जुड़ी है। इससे प्रतिवर्ष करीब 78 करोड़ यूनिट (एमयू) नवीकरणीय ऊर्जा उत्पन्न होने की उम्मीद है।

आदानी डिफेंस बनी सेना की आंख और ढाल

मुंबई। गौतम अदाणी ने ऑपरेशन सिन्दूर में अदाणी डिफेंस की भूमिका पर गर्व जताते हुए कहा कि हमारी

ड्रोन टेक्नोलॉजी भारतीय सेना की आंखें और आक्रमण की तलवार बनी। यह बयान उन्होंने मंगलवार को अदाणी समूह की 33वीं वार्षिक आम सभा में दिया। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिन्दूर ने हमें याद दिलाया कि शांति मुफ्त नहीं मिलती। यह हमारे सैनिकों की बहादुरी और कर्तव्यनिष्ठा से अर्जित होती है। ऑपरेशन सिन्दूर' में अहम भूमिका पर बोले गौतम अदाणी, अदाणी समूह की 33वीं वार्षिक आम सभा, मुंबई एयरपोर्ट ने अपोलो समूह से जुटाए 750 मिलियन डॉलर जब देश को ज़रूरत होती है, हम वहीं खड़े होते हैं। हमारी एंटी-ड्रोन प्रणाली ने सैनिकों और नागरिकों दोनों की रक्षा की। गौरतलब है कि यह सैन्य अभियान 7 मई को कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद शुरू किया गया था। मुंबई एयरपोर्ट ने जुटाए 750 मिलियन डॉलर मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएल), जो अदाणी समूह के अधीन है, ने न्यूयॉर्क स्थित एपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट के नेतृत्व में निवेशकों के एक समूह से 750 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। इस राशि का उपयोग पुराने कर्ज चुकाने और एयरपोर्ट के विस्तार कार्यों के लिए किया जाएगा। अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स के सीईओ अरुण बंसल ने कहा, इस फंडिंग से हमें ऑपरेशनल लचीलापन मिलेगा और हम यात्रियों को और बेहतर अनुभव देने की दिशा में तेजी से काम कर सकेंगे। मुंबई एयरपोर्ट अब अगले पांच वर्षों में करीब 10,000 करोड़ का निवेश करेगा, जिससे इसकी वार्षिक क्षमता 54.8 मिलियन से बढ़कर 229 मिलियन यात्रियों तक पहुंच जाएगी। इसके अलावा, अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स ने इसी महीने बार्कलेज, फर्स्ट अबू धाबी बैंक और स्टैंडर्ड चार्टर्ड जैसे अंतरराष्ट्रीय बैंकों से भी 750 मिलियन डॉलर जुटाए थे, जिसमें से 400 मिलियन कर्ज चुकाने और बाकी देशभर के छह एयरपोर्ट्स के विकास में उपयोग किया जाएगा।

एसएंडपी ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर किया 6.5 फीसदी

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.5 फीसदी कर दिया है।

रेटिंग्स एजेंसी ने मंगलवार को जारी एशिया प्रशांत आर्थिक परिदृश्य में सामान्य मानसून, कच्चे तेल की कम कीमतों और मौद्रिक नरमी को ध्यान में रखते हुए विकास दर के अनुमान में ये इजाफा किया है। हालांकि, एसएंडपी ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खतरे की भी आशंका जताई है। एसएंडपी ने पिछले महीने वैश्विक अनिश्चितताओं और अमेरिकी टैरिफ झटकों का हवाला देते हुए चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 20 आधार अंकों (0.20 फीसदी) घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया था।

एजेंसी ने जारी अपने ताजा अनुमान में कहा कि अगर पश्चिम एशिया में संघर्ष लंबा खिंचा तो इससे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं जिसका एशिया प्रशांत महासागर क्षेत्र के आर्थिक विकास पर असर होगा। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों को पूरा करने के लिए 90 फीसदी आयात पर निर्भर है और अपनी प्राकृतिक गैस का लगभग आधा हिस्सा विदेशों से खरीदता है। एसएंडपी ने कहा कि घरेलू मांग में लचीलापन, भारत जैसी वस्तुओं के निर्यात से कम जुड़ी अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक मंदी को सीमित करने में विशेष रूप से प्रासंगिक है।

एसएंडपी ने कहा कि हमें लगता है कि 31 मार्च 2026 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहेगी। इस पूर्वानुमान में सामान्य मानसून, कच्चे तेल की कम कीमतें, आयकर में छूट और मौद्रिक सहजता को शामिल किया गया है। भारत के लिए एसएंडपी का विकास दर का ताजा अनुमान रिजर्व बैंक आफ इंडिया द्वारा इस महीने की शुरुआत में जताए गए 6.5 फीसदी के अनुमान के अनुरूप है।

यूपीआई से फेल ट्रांजेक्शन पर मिलेगा तुरंत रिफंड, 15 जुलाई से लागू होगा नया नियम

मुंबई। यूपीआई 15 जुलाई से नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) नया चार्जबैक नियम लागू करने जा रहा है, जिसके तहत अगर किसी लेनदेन में पैसा खाते से कट गया लेकिन भुगतान नहीं हुआ, तो ग्राहक को तुरंत रिफंड मिल जाएगा। अब इसके लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। अगर यूपीआई ट्रांजेक्शन फेल होता है लेकिन खाते से पैसा कट जाता है, तो यूजर को तुरंत पैसा वापस मिल जाएगा। वहीं यूजर बैंक से पैसा वापस मांग सकेगा, जिससे गलत ट्रांसफर के मामलों में तेजी से समाधान मिलेगा। अब बैंक एनपीसीआई की पूर्व अनुमति के बिना भी कुछ अस्वीकृत चार्जबैक को फिर से उठाने के लिए स्वतंत्र होंगे। एनपीसीआई की नई व्यवस्था के तहत पुराने मामलों की भी दोबारा जांच की जा सकेगी। जिन ग्राहकों के चार्जबैक दावे पहले खारिज हो चुके हैं, उन्हें भी समाधान की उम्मीद मिलेगी।

भारत से 10 अरब डॉलर के उत्पाद मंगाने आपूर्तिकर्ताओं के साथ काम जारी: वॉलमार्ट सीईओ

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)।

वॉलमार्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (वैश्विक) डग मैकमिलन ने मंगलवार को कहा कि उनकी कंपनी अपने वैश्विक परिचालन के लिए भारत से 10 अरब डॉलर का सामान मंगाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए भारत में आपूर्तिकर्ताओं के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि वॉलमार्ट ने पिछले कुछ वर्षों में भारत से अपनी खरीद बढ़ा दी है और वह इस प्रगति से उत्साहित है।

पिछले कुछ वर्षों में आप देख सकते हैं कि स्थिति कैसे बदल रही है और यह वास्तव में व्यापक और अधिक दिलचस्प होती जा रही है। बेंटनविले मुख्यालय वाली खुदरा दिग्गज कंपनी ने 2027 तक भारत से 10 अरब अमेरिका डालर के उत्पाद मंगाने का लक्ष्य रखा है जिसका उद्देश्य परिधान, खाद्य, खिलौने और अन्य श्रेणियों में निर्यात को बढ़ावा देना है।

उन्होंने कहा कि शुरुआत में हम यहां से सीमित श्रेणियों के उत्पाद ले रहे थे, लेकिन अब हम इसका विस्तार करने के लिए उत्सुक हैं। सीईओ ने कहा कि इसमें काफी वृद्धि हुई है और अब हमारा लक्ष्य इसे प्रति वर्ष 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है, जो वास्तव में एक बड़ा आंकड़ा है और आपूर्तिकर्ता समुदाय के साथ मिलकर हम इसे प्राप्त करने के लिए काम कर रहे हैं।

डग मैकमिलन दो दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। यहां उन्होंने वॉलमार्ट की भारत में विकास गाथा का उल्लेख किया जिसमें निर्यात, डिजिटल नवाचार, समावेशी आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण व समुदायों को सशक्त बनाना शामिल है। इसके अलावा, उन्होंने कुछ विक्रेताओं से भी बातचीत की जिन्हें आपूर्तिकर्ता विकास कार्यक्रम वॉलमार्ट वृद्धि के तहत प्रशिक्षित किया गया है।

अगले साल फरवरी से शुरू होगा घरेलू आय सर्वेक्षण

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय अगले साल फरवरी से घरेलू आय सर्वेक्षण (एचआईएस) शुरू करने की योजना बना रहा है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री राव इंद्रजित सिंह ने कहा कि ग्रामीण और शहरी परिवारों की औसत आय का अनुमान लगाने के उद्देश्य से मंत्रालय ने फरवरी 2026 से घरेलू आय सर्वेक्षण शुरू करने की योजना बनाई है। ग्रामीण-शहरी परिवारों की औसत आय का होगा आकलन राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) का यह सर्वेक्षण भारतीय परिवारों की आय संबंधी आंकड़े जुटाने के नए प्रयासों को दर्शाता है। यह अभी इस्तेमाल हो रहे घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण के मुकाबले देश में जीवन स्तर, गरीबी, आय एवं धन संबंधी असमानताओं और उपभोक्ता व्यवहार की बेहतर तस्वीर प्रदान करेगा। एक अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा कि प्रस्तावित सर्वेक्षण उपभोग व्यय सर्वेक्षण की जगह नहीं लेगा। आय सर्वेक्षण मुश्किल है, लेकिन समिति कुछ अन्य देशों द्वारा अपनाई गई कार्यप्रणाली पर काम कर रही है और सीख रही है। परिवारों से जानकारी हासिल करना एक चुनौती होगी मगर समिति सभी पहलुओं पर गौर कर रही है।

भारत ने एसपीएमईपीसीआई के तहत पोर्टल लॉन्च करके वैश्विक ईवी दिग्गजों के लिए खोले दरवाजे

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने भारत में इलेक्ट्रिक यात्री कारों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना (एसपीएमईपीसीआइ) के तहत एक समर्पित पोर्टल शुरू किया है। इससे विदेशी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) निर्माता देश में इलेक्ट्रिक यात्री कारें बनाने के लिए आवेदन कर सकेंगे। इसके अनुमोदित आवेदकों को योजना के प्रावधानों के अनुरूप न्यूनतम 4,150 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा।

केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने यहां मंगलवार को भारत में इलेक्ट्रिक यात्री कारों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना (एसपीएमईपीसीआइ) के तहत इस आवेदन पोर्टल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कुमारस्वामी के साथ एमएचआई के सचिव कामरान रिजवी और एमएचआई के अतिरिक्त सचिव डॉ. हनीफ कुरैशी भी मौजूद थे। भारी उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा क‍ि एसपीएमईपीसीआई योजना के तहत इस पोर्टल के शुभारंभ से वैश्विक इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं के लिए भारत के तेजी से बढ़ते बाजार में निवेश करने के नए रास्ते खुलेंगे।

इस योजना को 15 मार्च, 2024 की अधिसूचना से अधिसूचित किया गया था, जो विस्तृत योजना दिशा-निर्देश बाद में अधिसूचना संख्या एस.ओ. 2450 (ई) दिनांक 02.06.2025 को जारी किए गए थे। अधिसूचना और दिशा-निर्देश मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट: पर उपलब्ध हैं। मंत्रालय के मुताबिक इस संदर्भ में योजना के तहत पात्र आवेदकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं और आवेदक पर आवेदन मॉड्यूल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन पोर्टल 24 जून को सुबह 10.30 बजे से आवेदनों के लिए खुलेगा और 21 अक्टूबर, 2025 को शाम 06 बजे तक खुला रहेगा। उल्लेखनीय है कि यह योजना भारत को इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए रणनीतिक रूप से तैयार की गई है। घरेलू मूल्य संवर्धन लक्ष्यों को अनिवार्य करके, यह योजना 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहलों को और बढ़ावा देगी, साथ ही वैश्विक और घरेलू दोनों कंपनियों को भारत की हरित गतिशीलता क्रांति में सक्रिय भागीदार बनने के लिए सशक्त बनाएगी।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान और इजराइल के बीच सीजफायर होने का एलान करने के कारण ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप के ऐलान के पहले बंद होने की वजह से यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में चौतरफा तेजी नजर आ रही है।

ईरान और इजराइल के बीच पिछले 12 दिन से जारी संघर्ष के थमने का एलान करके डोनाल्ड ट्रंप ने निवेशकों के बीच उत्साह का माहौल बना दिया, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.96 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,025.17 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इसी तरह नैस्डेक ने 183.56 अंक यानी 0.94 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,630.97 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 223.26 अंक यानी 0.52 प्रतिशत उछल कर 42,805.04 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,758.04 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,537.57 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.35 प्रतिशत टूट कर 23,269.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में चौतरफा खरीदारी होती नजर आ रही है। एशिया के सभी 9 बाजारों के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 256.50 अंक यानी 1.02 प्रतिशत उछल कर 25,234.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 404.06 अंक यानी 1.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 38,758.15 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 2.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,100.61 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 483.34 अंक यानी 2 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,172.47 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.96 प्रतिशत उछल कर 1,083.99 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 115.38 अंक यानी 1.67 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,902.52 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 361.98 अंक यानी 1.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,094 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.98 प्रतिशत की छलांग लगा कर 3,415.05 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,896.06 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

835 रन बनाकर भी टीम इंडिया ने घुटने टेके, इंग्लैंड ने हार के लिए किया मजबूर, याद आए 'कप्तान' रोहित

लीड्स,24 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने टेस्ट इतिहास का 10वां सबसे बड़ा रन चेज कर लिया है। हेडिंग्ले के मैदान पर भारत ने आ-खिरी पारी में इंग्लैंड को जीत के लिए 371 रनों का लक्ष्य दिया था। बेन स्टोक्स की टीम ने 5 विकेट खोकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह भारत के खिलाफ टेस्ट इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा रन चेज है। सबसे बड़े रन चेज का रिकॉर्ड भी इंग्लैंड के नाम है। 2022 में बर्मिंघम में इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ चौथी पारी में 378 रनों का टारगेट हासिल कर लिया था। ये दोनों टेस्ट में इंग्लैंड के दो सबसे बड़े रन चेज हैं। मैच की पहली पारी में भारत ने 471 रन बनाए थे। इसके बाद इंग्लैंड ने 465 रन ठोके। भारतीय टीम की दूसरी पारी 364 रनों पर सिमट गई थी। इस तरह इंग्लैंड को जीत के लिए 371 रनों का लक्ष्य मिला। इस जीत से इंग्लैंड ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 1-0 की बढ़त बना ली है। यह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 में भारत का पहला मैच था।शुभमन गिल की कप्तानी में यह भारत का पहला ही टेस्ट था। इस मैच के साथ गिल-गंभीर युग की शुरुआत हुई है लेकिन टीम को शर्मनाक हार मिली। भारत ने मैच में 835 रन बनाए। टीम की तरफ से बल्लेबाजों ने 5 शतक लगाए। आज तक किसी भी टेस्ट में भारत की तरफ से 5 शतक नहीं लगे थे। इसके बाद भी टीम इंडिया का मुकाबला हारना काफी शर्मनाक है। भारत को इससे पहले सिर्फ एक बार ही अपनी पहली पारी में इससे बड़ा स्कोर बनाने के बाद हार मिली थी। 2008 के सिडनी टेस्ट में 532 रन बनाकर के बाद भी ऑस्ट्रेलिया से भारत हार गया था। अब तक टेस्ट इतिहास में सिर्फ चार ही बार कोई टीम 835 रन से ज्यादा बनाने के बाद भी मैच हारी। इंग्लैंड 1948 में इसी मैदान पर 861 रन बनाने के बाद हारी थी। 2022 में पाकिस्तान 847 और न्यूजीलैंड 837 रन बनाने के बाद इंग्लैंड से हारी थी।

इंग्लैंड की तरफ से चौथी पारी में बेन डकेट ने तूफानी शतक ठोका। सलामी बल्लेबाजी करने उतरे डकेट ने 149 रनों की पारी खेली। सिर्फ 170 गेंदों पर उन्होंने 21 चौके और एक छक्का लगाया। यह टेस्ट मैच की चौथी पारी में भारत के खिलाफ किसी भी बल्लेबाज का सबसे बड़ा स्कोर है। पहले विकेट के लिए डकेट ने जैक क्राउली के साथ 188 रनों की साझेदारी बनाई। यह टेस्ट इतिहास में इंग्लैंड के लिए चौथी पारी में सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी है। जो रूट 53 जबकि जेमी स्मिथ 44 रन बनाकर नाबाद रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

किशनगंगा और...

नहर बनाने की योजना तैयार की है। इसने जम्मू-कश्मीर में चेनाब पर दो रन-ऑफ-द-रिवर हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट बगलिहार और सलाल में दो फ्लशिंग एक्सरसाइज भी की है। सिंधु जल संधि को लेकर भारत बड़ी योजना पर काम करने जा रहा है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में ऐसे हाइड्रो प्रोजेक्ट्स जो शुरुआती चरण में हैं, उनमें ज्यादा पानी के स्टोरेज की योजना बनाई जाएगी लेकिन वे परियोजनाएं जो पहले से पाइपलाइन में हैं, उनमें कोई बदलाव नहीं किया जाएगा क्योंकि उनकी तकनीकी जानकारियां फाइनल की जा चुकी हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ऐसी कुछ परियोजनाएं जो अभी शुरुआती चरण में हैं, उनमें हम ज्यादा पानी स्टोर करने और बिजली उत्पादन की योजना बना सकते हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद मोदी सरकार ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने का फैसला किया था। इस संधि के तहत हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट्स में ज्यादा पानी स्टोर नहीं किया जा सकता लेकिन अब सरकार नई परियोजनाओं में स्टोरेज की क्षमता बढ़ाने की तैयारी में है।मौजूदा वक्त में जम्मू-कश्मीर में चार हाइड्रो प्रोजेक्ट्स हैं जिन्हें सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (सीईए) से मंजूरी मिल चुकी है, लेकिन इन पर अभी काम शुरू नहीं हुआ है। इनमें सिंध नाला पर न्यू गांदरबल (93 मेगावाट), चेनाब पर किरथाई-2 (930 मेगावाट) और सावलकोट (1,856 मेगावाट) तथा झेलम पर उरी-1 चरण-2 (240 मेगावाट) शामिल हैं। केंद्र सरकार चेनाब पर चार हाइड्रो इले-क्ट्रिक प्रोजेक्ट्स- पाकल दुल (1,000 मेगावाट), रतले (850 मेगावाट), किरू (624 मेगावाट) और क्वार (540 मेगावाट) को तेजी से पूरा करना चाहती है। पाकल दुल जम्मू-कश्मीर में बनने वाला पहला स्टोरेज पर आधारित हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट है। इसके पूरा होने पर इसके पानी स्टोर करने की क्षमता लगभग 109 मिलियन क्यूबिक मीटर होगी और इसे सितंबर 2026 तक शुरू करने का लक्ष्य है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सभी प्रोजेक्ट के लिए साइबर सिक्योरिटी को मजबूत किया जा रहा है, चाहे वह ट्रांसमिशन हो, डिस्ट्रीब्यूशन हो या फिर पावर जेनरेशन हो।

सिंधु जल संधि तकरीबन 65 सालों से चली आ रही है। इसके तहत सिंधु नदी प्रणाली को साझा किया जाता है। भारत के लिए पूर्वी नदियां सतलज, व्यास और रावी व पाकिस्तान के लिए पश्चिमी नदियां सिंधु, झेलम और चेनाब नदी हैं। भारत और पाकिस्तान दोनों ही देशों के कुछ वर्गों ने दावा किया है कि यह संधि उनके देश के लिए सही नहीं है और दूसरे के लिए बहुत उदार है। जब इस पर साइन किए गए थे तो प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इसे पाकिस्तान के लिए शांति की कीमत बताया था। अब भारत इसे पूरी तरह से खत्म करने के बारे में विचार कर रहा है। सिंधु जल संधि पर दोनों देशों ने साइन किए थे। उस वक्त से लेकर अब तक बहुत कुछ बदल गया है। अब अगर इस पर आगे बढ़ना है तो संधि पर ने सिरे से बातचीत करने की जरूरत है। पुरानी संधि के हिसाब से पाकिस्तान को ज्यादा पानी मिला। पश्चिमी नदियों में पानी का औसत वार्षिक प्रवाह पूर्वी नदियों से चार गुना ज्यादा है। लेकिन यहां पर दो बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। भारत को पूर्वी नदियों के पानी का खास इस्तेमाल चाहिए था। भारत ने तब से इन नदियों पर बांध और अन्य वाटर प्रोजेक्ट बनाए हैं। इनमें भाखड़ा नांगल बांध और राजस्थान नहर परियोजना शामिल है। इसको अब इंदिरा गांधी नहर कहा जाता है। इस नहर से पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की सिंचाई में मदद मिली है।

बदले में पाकिस्तान को तीन पश्चिमी नदियों से पानी के प्रवाह का एक बड़ा हिस्सा मिला, लेकिन भारत को इन नदियों पर कुछ इस्तेमाल जैसे घरेलू इस्तेमाल, खेती के इस्तेमाल और हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर का अधिकार था। हमने इसका पूरा इस्तेमाल नहीं किया। साथ ही, भारत को पश्चिमी नदियों पर 3.6 मिलियन एकड़ फीट तक जल इकट्ठा करने का अधिकार है। सलाल और बगलिहार बांधों पर केवल लगभग .7 मिलियन एकड़ फीट की कैपेसिटी हासिल की गई है। पकलदुल बांध के पूरा होने के साथ स्टोरेज कैपेसिटी को .8 एमएएफ तक बढ़ाने की प्लानिंग है। यह भी याद रखना चाहिए कि संधि पर सिविल इंजीनियरों ने बातचीत की थी, राजनेताओं और राजनयिकों ने नहीं।सिंधु जल संधि स्थगित होने के बाद भारत सरकार द्वारा शुरू की जाने वाली परियोजनाओं में जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अड़ंगा डालने की कोशिश शुरू कर दी है। उनका कहना है कि सिंधु का पानी किसी अन्य राज्य के साथ साझा नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि भाखड़ा-नांगल प्रोजेक्ट के पानी को लेकर पंजाब और हरियाणा के बीच विवाद अभी भी जारी है। वहीं पंजाब और उसके उत्तरी पड़ोसी राज्य जम्मू-कश्मीर के बीच जल बंटवारे को लेकर एक और विवाद पनप रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा यह घोषणा किए जाने के कुछ दिनों बाद कि सिंधु नदी का पानी तीन साल के भीतर नहरों के माध्यम से राजस्थान के श्रीगंगानगर तक ले जाया जाएगा। इसका जम्मू-कश्मीर के सीएम ने जमकर विरोध किया है। उमर अब्दुल्ला ने कहा, अभी जम्मू में पानी की कमी है। नलों में पानी नहीं है। मुझे पंजाब को पानी क्यों भेजना चाहिए? सिंधु जल संधि के अनुसार पंजाब में पहले से ही तीन नदियां हैं। क्या पंजाब ने हमें कोई पानी दिया है।जम्मू-कश्मीर सीएम का यह बयान उस प्रस्ताव के खिलाफ आया जिसमें सिंधु जल संधि की पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चेनाब का अतिरिक्त पानी पंजाब, हरियाणा और राजस्थान तक पहुंचाने के लिए 113 किलोमीटर लंबी नहर बनाने की योजना है। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं मंजूरी नहीं देने जा रहा हूं। पहले हमें अपना पानी इस्तेमाल करने दिया जाए, फिर हम दूसरों के बारे में बात करेंगे। जल-बंटवारे की योजना में जिन तीन राज्यों का उल्लेख किया गया है, उनमें पंजाब को शामिल किए जाने पर सीएम ने सवाल उठाया। उमर ने कहा, मुझे पंजाब को पानी क्यों भेजना चाहिए? सिंधु जल संधि के तहत पंजाब के पास पहले से ही पानी है। क्या उन्होंने हमें तब पानी दिया जब हमें इसकी जरूरत थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब ने दो प्रमुख परियोजनाओं, उझ शाहपुर कंडी पर जम्मू-कश्मीर को सालों तक इंतजार करवाया। उमर ने कहा, तीनों नदियों का पानी हमारे लिए है। हम इसका इस्तेमाल अपने लिए करेंगे और फिर दूसरों के बारे में सोचेंगे।

इस पर पंजाब के राजनीतिक दलों की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया आई है। आम आदमी पार्टी ने कहा कि उमर अब्दुल्ला एकतरफा फैसला नहीं ले सकते। राज्य में पार्टी के प्रवक्ता नील गर्ग ने कहा, जब भी युद्ध होता है, पंजाब युद्ध का मैदान बन जाता है और जब देश को खाद्यान्न की जरूरत होती है, तो यह देश का अन्न भंडार बन जाता है। अब जब पानी उपलब्ध है, तो पंजाब का इस पर वैध दावा है। पंजाब कांग्रेस के चीफ अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने भी उमर के बयान की आलोचना की। उन्होंने कहा, यह दुखद है कि जम्मू-कश्मीर के सीएम ने पाकिस्तान को पानी जाने से रोकने के लिए प्रस्तावित नहरों पर राजनीति करना शुरू कर दिया है। मैं उमर साहब से पूछना चाहता हूं कि क्या यह हमें पाकिस्तान के बराबर भी नहीं मानते? हमने सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया है क्योंकि पाकिस्तान हमारे लिए एक दुष्ट और दुश्मन देश साबित हुआ है। हमें पानी देने से मना करने के आपके पास क्या कारण हैं। शिरोमणि अकाली दल के नेता और पंजाब के पूर्व मंत्री दलजीत सिंह चीमा ने भी इस मुद्दे पर अपनी राय रखी और उमर पर पंजाब के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य के किसानों ने देश की खाद्य जरूरतों को पूरा करने के लिए भारी कर्ज लिया है। उन्होंने पीटीआई से बात करते हुए कहा कि हर बार पंजाब को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ता है। हमारे राज्य से नदी का पानी छीन लिया गया। यह एक ऐतिहासिक तथ्य है कि तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने नदी के पानी का एक बड़ा हिस्सा राजस्थान को देकर पंजाब के साथ बहुत बड़ा अन्याय किया, जो एक गैर-तटीय राज्य है।

आतंकियों के...

इस रक्षा खरीद की कुल लागत 1981.90 करोड़ होगी। जिसमें भारतीय सेना के लिए इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम की खरीद की जाएगी। साथ ही लो लेवल लाइट वेट रडार, बहुत कम रेंज वाला एयर डिफेंस सिस्टम जैसे लॉन्चर्स और मिसाइल आदि की खरीद की जाएगी। रक्षा मंत्रालय सेना के आतंकवाद रोधी अभियानों के लिए रिमोटली पायलेटेड एरियल व्हीकल, कई तरह के ड्रोन्स, बैलिस्टिक हेलमेट, भारी और मध्यम रेंज के क्विक रिएक्शन फाइटिंग व्हीकल और राइफलों के लिए नाइट विजन जैसे उपकरण खरीदेगा।श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी के बीच की ऐतिहासिक बातचीत के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज यह देश इतिहास की एक अभूतपूर्व घटना को याद करने का साक्षी बन रहा है। एक ऐसी ऐतिहासिक घटना, जिसने न सिर्फ हमारे स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी, बल्कि स्वतंत्रता के उद्देश्य को नए मायने दिए। सौ साल पहले श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी की वो मुलाकात आज भी उतनी की प्रेरक है, उतनी ही प्रासंगिक है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 100 साल पहले वह मुलाकात, सामाजिक समरसता के लिए, विकसित भारत के सामूहिक लक्ष्यों के लिए आज भी ऊर्जा के स्रोत की तरह है। इस ऐतिहासिक अवसर पर मैं श्री नारायण गुरु को नमन करता हूं और महात्मा गांधी जी को भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, श्री नारायण गुरु के आदर्श पूरी मानवता के लिए बहुत बड़ी पूंजी हैं। जो लोग देश और समाज की सेवा के संकल्प पर काम करते हैं श्री नारायण गुरु उनके लिए प्रकाश स्तंभ की तरह हैं। आप सभी जानते हैं कि समाज के शोषित, पीड़ित, वंचित वर्ग से मेरा क्या नाता है और इसलिए आज भी जब मैं समाज के शोषित, पीड़ित, वंचित वर्ग के लिए निर्णय लेता हूं तो मैं गुरु देव को जरूर याद करता हूं। पीएम मोदी ने कहा, भारत की विशेषता है कि हमारा देश जब भी मुश्किलों के भंवर में फंसता है, तो कोई न कोई महान विभूति देश के किसी कोने में जन्म लेकर समाज को नई दिशा दिखाता है। कोई समाज के आध्यात्मिक उत्थान के लिए काम करता है, तो कोई सामाजिक क्षेत्र में समाज सुधारों को गति देता है। श्री नारायण गुरु ऐसे ही महान संत थे।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, अभी हाल ही में हमने विश्व योग दिवस मनाया। इस बार योग दिवस की थीम थी, वन अर्थ, वन हेल्थ यानी एक धरती एक स्वास्थ्य। इससे पहले भी भारत ने विश्व कल्याण के लिए वन वर्ल्ड, वन हेल्थ जैसी पहल की है। आज भारत सस्टेनेबल डेवलपमेंट की दिशा में वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड जैसे ग्लोबल मूवमेंट को लीड कर रहा है। 2023 में जब भारत ने जी-20 समिट को लीड किया था, तब थीम रखा था वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर। हमारे इन प्रयासों में वसुधैव कुटुंबकम की धारणा जुड़ी हुई है।

आतंकवाद के खिलाफ...

बैठक में डोभाल ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंडों को भी छोड़ने का आह्वान किया। पाकिस्तान में आतंकवादियों को निशाना बनाने वाले भारतीय सेना के सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एनएसए ने कहा, भारत की कार्रवाई नपी-तुली थी और संघर्ष को बढ़ावा देने वाली नहीं थी। उन्होंने आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद का मुकाबला करने के लिए सूचना साझा करने का भी आह्वान किया।

इससे पहले, डोभाल ने रूसी रक्षा परिषद के उपसचिव अलेक्जेंडर वेनेदिक्तोव के साथ भी एससीओ की सुरक्षा परिषद के सचिवों की 20वीं बैठक के दौरान मुलाकात की। दोनों देशों ने आपसी संबंध, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर चर्चा की। रूसी पक्ष ने कहा कि वह जल्द ही रणनीतिक वार्ता के अगले दौर के लिए डोभाल का रूप में स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। दोनों पक्षों ने भारत और रूस के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी के आधार पर आपसी सहयोग को आगे बढ़ाने की जोर दिया।

डोभाल ने सोमवार को चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य और विदेश मंत्री वांग यी से भी मुलाकात की थी। इस दौरान डोभाल ने क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए आतंकवाद के हर रूप और स्वरूप के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जरूरत पर जोर दिया। भारत के विदेश मंत्रालय (एमईए) की ओर से जारी बयान के मुताबिक, दोनों पक्षों ने भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों में हाल के घटनाक्रम की समीक्षा की। साथ ही आपसी रिश्तों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसमें लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने पर भी चर्चा हुई ताकि दोनों देशों के संबंध मजबूत हो सकें। बैठक में डोभाल ने साफ कहा कि आतंकवाद का कोई भी रूप बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए और इसके खिलाफ सख्त कदम उठाना जरूरी है ताकि पूरे क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रह सके।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी से हुई वार्ता में भारत के एनएसए अजित डोभाल ने स्पष्ट रूप से कहा कि भारत को आतंकवाद किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है। डोभाल का बयान पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ हुए ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत लगातार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहयोग की मांग करता रहा है और स्वाभाविक है कि चीन जैसे प्रभावशाली देशों से इस दिशा में समर्थन की अपेक्षा की जाए।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने चीन की ओर से भारत के साथ संबंधों को सुधारने की इच्छा जताई। इससे संकेत मिलता है कि चीन, जो हाल के वर्षों में भारत के साथ सीमा विवादों और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में उलझा रहा है, अब संबंधों को स्थिरता की ओर ले जाने के प्रयास कर रहा है। आज के भूराजनीतिक वातावरण में डोभाल और वांग यी की यह मुलाकात सकारात्मक संकेत दे रही हैं। हालांकि भारत-चीन संबंधों में कई जटिलताएं अपनी जगह कायम हैं। विशेषकर सीमा विवाद, व्यापार असंतुलन और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के संदर्भ में। फिर भी, दोनों पक्षों ने लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने और द्विपक्षीय संवाद को आगे बढ़ाने की बात कही है। यह एक ऐसा संकेत है जो बताता है कि दोनों देश तनाव को कम करने और संवाद के माध्यम से समाधान खोजने के इच्छुक हैं।

विशेषज्ञों की नजर में भारत की दृष्टि से डोभाल और वांग यी के बीच हुई वार्ता कई मायनों में महत्वपूर्ण है। भारत आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समर्थन जुटा रहा है। उस दिशा में इस वार्ता को एक कूटनीतिक मौका माना जा सकता है। चीन के साथ संवाद बनाए रखना भी आवश्यक है, विशेषकर ऐसे समय में जब वैश्विक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है। पश्चिम एशिया में भारत को संतुलित भूमिका के साथ आगे बढ़ना है। ध्यान रखना है कि भारत के ईरान और इजराइल दोनों से रणनीतिक संबंध हैं। कूटनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि डोभाल-वांग यी वार्ता केवल एक द्विपक्षीय बैठक नहीं थी, बल्कि यह एक व्यापक रणनीतिक संवाद था जो एशिया की सुरक्षा, स्थिरता और कूटनीतिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है। आतंकवाद के खिलाफ साझा रुख, संबंधों को सुधारने की इच्छा और वैश्विक संकटों पर समन्वय की संभावना, ये सभी आयाम संकेत करते हैं कि भारत और चीन, प्रतिस्पर्धा के बावजूद, संवाद और सहयोग के रास्ते तलाशने को तैयार हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह चीन के किंगदाओ में बुधवार से हो रहे एससीओ (शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन) में शिरकत करेंगे। इस सम्मेलन में राजनाथ सिंह आतंकवाद का मुद्दा उठाएंगे। मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में हुए संघर्ष के बाद यह किसी शीर्ष भारतीय नेता की पहली चीन यात्रा है। एससीओ सम्मेलन में रक्षा मंत्री एससीओ के सदस्य देशों के बीच व्यापार, आर्थिक सहयोग और संपर्क बढ़ाने की भी वकालत कर सकते हैं। रक्षा मंत्री चीन में कई सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय मुलाकात कर सकते हैं। इनमें चीन और रूस के रक्षा मंत्री भी शामिल हैं।

बिहार में लगेगा...

बिहार से बिजली स्टोरेज के लिए 1000 मेगावॉट के लिए मांग की गई है। अगले 6 महीने में अतिरिक्त 500 मेगावाट की सप्लाई कर दी जाएगी। देश में जरूरत के अनुसार बिजली उपलब्ध कराई जा रही है।केंद्रीय मंत्री मनोहर ने कहा कि भारत पहले पावर डिफिसिट देश के नाम से जाना जाता था, लेकिन हम आज बिजली की जरूरत को पूरा कर रहे हैं। उसके साथ-साथ भूटान, म्यांमार, बांग्लादेश और नेपाल को बिजली निर्यात भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बैठक में ऊर्जा क्षेत्र के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई है। देश में थर्मल पावर, सोलर, विंड पावर और स्टोरेज के प्रोजेक्ट पर काम चल रहे हैं। बैठक में सभी राज्यों में कम से कम एक परमाणु बिजली घर का निर्माण करने को लेकर योजना बनाई गई है। साल 2035 तक पावर सेक्टर के लिए विजन तैयार किया गया है। जिसे तय समय में एनडीए सरकार में पूरा किया जाएगा। सम्मेलन में बिहार, झारखंड, ओड़ीशा, पश्चिम बंगाल और केंद्र शासित प्रदेश अंडमान-निकोबार के ऊर्जा मंत्री भी शामिल हुए।

देशभर में पासपोर्ट...

तीन प्रमुख स्तंभ हैं, जो हमें विकसित भारत की ओर ले जाएंगे। ये सभी हमारे पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम में साफ तौर पर दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में पासपोर्ट सुविधाओं में बदलाव आया है, जिसमें 2014 में 91 लाख से बढ़कर 2024 में 1.46 करोड़ पासपोर्ट जारी किए गए हैं। मंत्री ने बताया कि पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम संस्करण 2.0 को पहले ही पूरे देश में शुरू किया जा चुका है, जिसमें दक्षता और पारदर्शिता में सुधार के लिए उच्च-स्तरीय, उभरती हुई तकनीकें शामिल हैं। उन्होंने कहा, नागरिक-केंद्रित सेवा के अगले स्तर के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमने पूरे देश में झड्झ त2.0 को शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल पीएसपी वी 2.0 का पायलट परीक्षण भी चल रहा है। इसे सभी भारतीय दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों में चरणों में लागू किया जाएगा। जयशंकर ने ई-पासपोर्ट पहल को एक बड़ी उपलब्धि बताया। यह संपर्क रहित चिप-आधारित डेटा रीडिंग के साथ यात्रा को आसान बनाता है और आव्रजन (इमिग्रेशन) मंजूरी में तेजी लाता है। उन्होंने एमपासपोर्ट पुलिस एप के लॉन्च का भी हवाला दिया, जिसने 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पुलिस सत्यापन समय को 5-7 दिनों तक कम कर दिया है।उन्होंने कहा कि पिछले साल 10 नए पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीओपीएसके) खोले गए, जिनमें अप्रैल 2025 में कुशीनगर में 450वां पीओपीएसके भी शामिल है। उन्होंने कहा, हम अपनी मोबाइल वैन सुविधाओं के माध्यम से अपने देश के सबसे दूरदराज के इलाकों तक पहुंच चुके हैं, जिससे दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले नागरिकों के लिए पासपोर्ट सेवाओं की आसानी बढ़ गई है।

देवी-देवताओं ...

लेकिन देवी कामाख्या और भगवान कृष्ण के खिलाफ अश्लील टिप्पणियां करने के आदी वजाहत खान को सुप्रीम कोर्ट ने संरक्षण देकर पूरे देश को दिखाया कि देश की अदालतें किन लोगों के साथ खड़ी हैं।वजाहत खान के खिलाफ पश्चिम बंगाल सहित कई अन्य राज्यों में कई एफआईआर दर्ज हैं। लेकिन उस वजाहत खान की गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट का यह ऐतिहासिक आदेश सोमवार 23 जून 2025 को जारी हुआ। वजाहत को संरक्षण देने वाला आदेश सुप्रीम कोर्ट के न्यायप्रिय न्यायाधीश केवी विश्वनाथन और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि 14 जुलाई 2025 तक वजाहत के खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए।

बता दें कि वजाहत खान की शिकायत पर ही ऑपरेशन सिंदूर को लेकर मुस्लिम समुदाय के खिलाफ भड़काऊ पोस्ट करने पर सोशल मीडिया इफ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली को पश्चिम बंगाल पुलिस ने गिरफ्तार किया था। शर्मिष्ठा को दो हफ्ते तक जेल में रखने के बाद भी उसकी जमानत नामंजूर कर दी गई थी। वजाहत खान ने शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी पर कोर्ट परिसर में ही अधर्मी मुसलमानों के साथ जश्न मनाया था। अदालतें अंधी होती हैं, इसलिए उसे वजाहत जैसे राक्षसों की गंदी हरकतें नहीं दिखतीं।

वजाहत के सोशल मीडिया पर हिंदू धर्म के देवी-देवताओं के खिलाफ अनगिनत अपमानजनक पोस्ट लिखे थे। सोशल मीडिया पर उसने हिंदुओं के खिलाफ ऐसी गालियां लिखी थीं, जो नुक्कड़छाप लोग भी बोलने से हिचकते हैं। लेकिन पाकिस्तान परस्त रशीदी फाउंडेशन चलाने वाले वजाहत खान की गंदगी अदालतों को नहीं दिखती। ऐसे ओछे लोगों की गंदी बोली भी अदालतों को सुनाई नहीं देती। स्पष्ट है कि भारत की अदालतें अंधी और बहरी दोनों हो चुकी हैं। हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ उसकी गंदी टिप्पणियों को देखने के बावजूद किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई न करके और पश्चिम बंगाल के बाहर के राज्यों में दर्ज एफआईआर के तहत उसकी गिरफ्तारी पर रोक लगाने के सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से साफ समझा जा सकता है कि अदालतों की मंशा क्या है।

भ्रष्ट जज को...

के गंभीर आरोपों और सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की कमेटी की सिफारिश के बावजूद विपक्षी सांसदों ने शातिराना चुप्पी साध रखी है। जबकि जज शेखर यादव के खिलाफ महाभियोग चलाने की पूरी उत्कट अभिलाषा का प्रदर्शन करते हुए विपक्षी सांसदों ने आनन-फानन में महाभियोग की नोटिस भी तैयार कर ली। इस नोटिस पर 54 राज्यसभा सांसदों ने हस्ताक्षर भी कर दिए। अब आप देखिए राष्ट्रभक्त जज शेखर यादव के विरोध में कौन-कौन खड़े हैं। नोटिस पर हस्ताक्षर करने वालों में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल और कुछ दलों के सांसद शामिल थे। इससे समझ में आ जाएगा कि इन विपक्षी सांसदों का मूल चरित्र क्या है। हस्ताक्षर करने वाले राज्यसभा सांसदों में स्वनामधन्य कपिल सिब्बल भी शामिल हैं। सिब्बल तो जज शेखर यादव की देशभक्ति से इतने आहत हैं कि उन्होंने यहां तक कह दिया कि अगर नोटिस खारिज होती है, तो वे इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। कपिल सिब्बल की यह बेचैनी, जल्दबाजी और बौखलाहट क्या दर्शाती है? आप समझ ही रहे हैं इसकी वजह।

विपक्षी सांसदों की यही व्याकुल जमात भ्रष्ट जज यशवंत वर्मा के महाभियोग मसले पर चुप है। जज वर्मा के दिल्ली स्थित सरकारी आवास में मार्च 2025 में आग लगी, और फायरफाइटर्स को वहां जले हुए नोटों का पहाड़ मिला। सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की कमेटी ने 64 पेज की रिपोर्ट में साफ कहा कि ये नोट जस्टिस वर्मा के स्टोररूम में थे, जहां केवल उनके परिवार की पहुंच थी। कमेटी ने यह भी पाया कि जस्टिस वर्मा और उनके निजी सचिव ने फायर ऑफिसरों को इस मामले को दबाने के लिए कहा था।सुप्रीम कोर्ट ने जज वर्मा की बर्खास्तगी और संसद में महाभियोग चलाने की सिफारिश की, लेकिन विपक्ष, खासकर कपिल सिब्बल इस मामले में जस्टिस वर्मा का बचाव कर रहे हैं। कपिल सिब्बल ने जस्टिस यशवंत वर्मा को देश के सबसे बेहतरीन जजों में से एक करार दिया और सरकार पर आरोप लगाया कि वह कॉलेजियम सिस्टम को खत्म करने की साजिश रच रही है। आप देख रहे हैं न यह दोगलापन। जब जज शेखर यादव का मामला आया, तो सिब्बल और उनके साथी सांसदों ने तुरंत महाभियोग की मांग की। लेकिन जस्टिस वर्मा के खिलाफ ठोस सबूत होने के बावजूद यह चरित्रहीन जमात बचाव कर रही है। इसे जनता की अदालत में सनद रखा जाना चाहे। विपक्ष का यह निकृष्ट प्रहसन जनता के सामने बेपर्द हो चुका है। सोशल मीडिया पर लोग इस दोहरे रवैये की कड़ी आलोचना कर रहे हैं। एक व्यक्ति ने लिखा, जब जज ईमानदारी से अपनी बात कहता है तो विपक्ष को उसके खिलाफ महाभियोग चाहिए। लेकिन जब जज के घर से नोटों का पहाड़ मिलता है, तो वही लोग उसे बेस्ट जज बताते हैं। यह कैसी ओछी राजनीति है। एक अन्य यूजर ने टिप्पणी की, विपक्ष को भ्रष्टाचार से कोई दिक्कत नहीं, बस मुद्दा ऐसा चाहिए जो सरकार को घेर सके।न्यायपालिका में सुधार और भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई जैसे मुद्दे बेहद गंभीर हैं। लेकिन राजनीतिक दल इनका इस्तेमाल केवल अपनी सियासत चमकाने के लिए कर रहा है। जस्टिस शेखर यादव के मामले में उनकी व्याकुलता और जस्टिस वर्मा के मामले में चुप्पी यह साफ करती है कि उनका मकसद जनता की भलाई नहीं, बल्कि सत्ता के खिलाफ षडयंत्र करना और अपना एजेंडा चलाना है। भ्रष्टाचार और राष्ट्रद्रोह विपक्ष की प्राथमिकता में ही नहीं है।

आषाढ़ अमावस्या का बेहद खास महत्व है

आज अपनाएं विभिन्न उपाय जिससे शनि का प्रकोप होगा दूर, कामयाबी चूमेगी कदम!

हिंदू धर्म में आषाढ़ अमावस्या का बेहद खास महत्व होता है। पितरों को समर्पित यह तिथि आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को पड़ती है। मान्यता है कि इस दिन पवित्र नदी में स्नान, दान, और पूजा करना बहुत फलदायी होता है। साथ ही, शास्त्रों में आषाढ़ अमावस्या के कुछ उपाय व टोटके भी बताए गए हैं जो व्यक्ति को जीवन की कई समस्याओं से निजात दिला सकते हैं। अगर आप शनि के प्रकोप का सामना कर रहे हैं या पैसों की तंगी से परेशान हैं, तो इनमें कोई भी एक उपाय या टोटका आजमाकर देख सकते हैं। विधि पूर्वक ये टोटके और उपाय करने से जातक को शनिदेव की कृपा प्राप्त हो सकती है और जीवन में सफलता हासिल होती है।

शनि और राहु के प्रकोप से निजात पाने का टोटका

अगर आप शनि और राहु के प्रकोप का सामना कर रहे हैं, तो आषाढ़ अमावस्या के दिन छोटा सा टोटका आजमाकर देख सकते हैं। इसके लिए पहले सवा किलो कोयला खरीदकर ले आएं। इस दौरान ध्यान रखें की यह कोयला लकड़ी का ही होना चाहिए। इसके बाद, कोयले को लेजाकर किसी बहते जल या नदी में प्रवाहित कर दें। इस टोटके को चुपचाप आषाढ़ अमावस्या के दिन करने से जातक को शनि और राहु के प्रकोप से निजात मिल सकती है। साथ ही, जीवन भी आने वाली समस्याएं भी दूर होने लगती हैं।

धन-दौलत में वृद्धि के लिए करें यह उपाय

आषाढ़ अमावस्या के दिन बेल के वृक्ष के नीचे स्नान करना बहुत अच्छा माना जाता है। ऐसा करने के बाद किसी ब्रह्माण को खीर खिलानी चाहिए। इससे व्यक्ति को जीवन की बाधाओं से मुक्ति मिल सकती है और धन-दौलत में भी वृद्धि होती है। अगर आप पैसों की तंगी का सामना कर रहे हैं, तो आषाढ़ अमावस्या के दिन यह छोटा सा उपाय जरूर आजमाकर देखें। इससे घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और जरूरी कार्यों में सफलता हासिल होने लगती है।

शनिदेव की कृपा प्राप्त करने का उपाय

जीवन में खुशहाली और शनिदेव की कृपा प्राप्त करने के लिए आप आषाढ़ अमावस्या पर एक छोटा व असरदार उपाय कर सकते हैं। इस दिन घर में शमी का पौधा जरूर लाकर लगाएं और नियमित रूप से उसकी पूजा भी अवश्य करें। ऐसा करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा भक्तों पर सदैव बनी रहती है। इस दिन आप शमी का पौधा लगाने के साथ-साथ कुछ फल देने वाले पौधे भी लगा सकते हैं। ऐसा करने से जीवन से नकारात्मकता दूर होती है और घर में भी सुख-समृद्धि बनी रहती है। शनिदेव की कृपा से आपको जीवन के समस्त दुखों से भी छुटकारा मिल सकता है।

पितृ दोष दूर करने का उपाय

आषाढ़ अमावस्या का दिन पितरों को समर्पित माना जाता है। ऐसे में उनका आशीर्वाद प्राप्त करने और पितृ दोष दूर करने के लिए आप इस दिन एक छोटा सा उपाय कर सकते हैं। आषाढ़ अमावस्या के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ वस्त्र धारण कर लें। इसके बाद, एक लोटा जल में दूध मिलाकर

उसे पीपल के वृक्ष पर अर्पित करें। साथ ही, कम से कम 7 बार परिक्रमा भी जरूर लगाएं और एक पत्ते पर 5 अलग-अलग प्रकार के मिष्ठान रखकर उसे पेड़ के नीचे रख दें। अंत में पितरों का ध्यान करते करें और पितृ दोष दूर करने की मनोकामना मांगे। इस उपाय को करने से जातक को घर की समस्याओं से भी निजात मिल सकती है।

किस्मत चमकाने का टोटका

अगर आप जीवन की समस्याओं और बाधाओं से परेशान हैं, तो इसका कारण पितृ दोष हो सकता है। इससे मुक्ति पाने के लिए आप आषाढ़ अमावस्या पर आसान टोटका कर सकते हैं। इसके लिए किसी सुनसान स्थान पर जाकर एक दीपक जला दें और वहां कुछ खाने-पीने की चीजें भी रखें। इस टोटके को करके घर आते वक्त गलती से भी पीछे मुड़कर न देखें। ऐसा करने से जातक को पितृ दोष से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही, इससे आपकी किस्मत भी पलट सकती है और करियर में सफलता के नए मार्ग खुलने लगते हैं।

सभी ग्रहों के दोष को दूर करने का उपाय

आषाढ़ अमावस्या के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करके पास के शिव मंदिर जाएं। वहां शिवलिंग पर आक के फूल अवश्य अर्पित करें और विधि-विधान से पूजा करें। ऐसा करने से जातक की कुंडली से सभी ग्रहों के दोष दूर हो सकते हैं और अकाल मृत्यु का भय भी दूर होता है। अगर आप आषाढ़ अमावस्या पर यह उपाय करते हैं, तो इससे भगवान शिव की कृपा भी प्राप्त होती है।

शनि की अशुभ दशा से राहत पाने का टोटका

अगर आपकी कुंडली शनि की अशुभ दशा चल रही है, तो आषाढ़ अमावस्या पर एक कच्चे नारियल का मुंह ऊपर से थोड़ा काटकर अलग कर लें। अब इसमें आटा और चीनी भरकर कटे हुए नारियल के टुकड़े से सामग्री को ढक दें। इसके बाद, काला धागा या मौली नारियल पर इस प्रकार की लपेटें की ऊपर से उसका मुख हल्का खुला रहे। अब इस नारियल को चुपचाप किसी सुनसान स्थान पर मिट्टी के अंदर इस तरह गाड़ें की उसका मुंह थोड़ा ऊपर ही रहे। कहा जाता है कि जब तक चींटियां इस नारियल में से आटा और चीनी खाती रहती हैं तब तक जातक पर शनि की कृपा बनी रहती है और उनके अशुभ प्रभाव से भी छुटकारा मिलता है। इस उपाय का वर्णन लाल किताब में भी मिलता है जो आपके जीवन में खुशहाली के फूल खिला सकता है।

जीवन में सुख-समृद्धि का उपाय

माना जाता है की आषाढ़ अमावस्या के दिन स्नान, दान और पूजन के साथ-साथ एक छोटा सा काम भी अवश्य करना चाहिए। इससे जातक का जीवन खुशियों से भर सकता है। इस दिन कम से कम 11 या 21 बार शनि स्तोत्र का पाठ अवश्य करना चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति को शनिदेव की कृपा प्राप्त हो सकती है। साथ ही, जीवन में सुख-समृद्धि आती है और घर का माहौल भी खुशनुमा बना रहता है।

इस मूलांक की लड़कियां होती हैं बहुत चतुर, दिल से नहीं दिमाग से लेती हैं हर फैसला

अंक ज्योतिष में किसी व्यक्ति की जन्म तिथि के आधार पर उसके जीवन, भविष्य और व्यक्तित्व के बारे में जाना जाता है। अंक ज्योतिष में मूलांक 1 से लेकर मूलांक 9 तक का वर्णन मिलता है, जिसे किसी व्यक्ति की जन्मतिथि के कुल योग से जाना जाता है। अगर किसी का जन्म 19 तारीख को हुआ हो, तो उसका मूलांक (1+9= 10, 1+0= 1) 1 होगा। इसी प्रकार आप भी अपना मूलांक निकाल सकते हैं। हर मूलांक के अपने स्वामी ग्रह होते हैं, जिनका प्रभाव व्यक्ति के जीवन पर भी पड़ता है। ऐसे में हर जातक का स्वभाव अलग-अलग होता है। आज हम आपको इनमें से ऐसी मूलांक की लड़कियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बहुत चतुर और बुद्धिमान होती है। इन मूलांक की लड़कियां हर फैसला बहुत दिमाग से लेते हैं।

इस मूलांक की लड़कियां समझ लेती हैं दूसरों की भावनाएं

अंक ज्योतिष के अनुसार, जिन महिलाओं का जन्म 2, 11, 20 या 29 तारीख को हुआ हो उनका मूलांक 2 होता है। इस मूलांक की स्त्रियां भी बेहद बुद्धिमान होती हैं। ये किसी के भी मन की बात को बहुत आसानी से समझ सकती हैं और उसी अनुसार उनसे बात करती हैं। 2 अंक के स्वामी ग्रह चंद्रमा होते हैं, जिसे भावनाओं,

मानसिक स्थिरता, ऊर्जा, संवेदनशीलता का प्रतीक माना जाता है। ये सभी गुण मूलांक 2 की स्त्रियों में भी देखने को मिलते हैं। ऐसी लड़कियां दूसरों की भावनाओं को बहुत जल्दी समझ जाती हैं और लोगों की सोच से हमेशा एक कदम आगे ही रहती हैं। ऐसी लड़कियां शांत स्वभाव की होती हैं और धैर्य रखकर कोई भी फैसला लेना पसंद करती हैं। साथ ही, ये अपने परिवार को साथ लेकर चलने वाली होती हैं।

रिश्तों को वफादारी से निभाना करती हैं पसंद

जिन लड़कियों का जन्म 2, 11, 20 या 29 तारीख को हुआ हो वे बहुत भावुक और नरम दिल की होती हैं। इन स्त्रियों को कला, संगीत, लेखन और फैशन जैसे कार्यों में ज्यादा रुचि हो सकती है। साथ ही, मूलांक 2 की स्त्रियां झगड़ों से दूर रहना पसंद करती हैं और शांति का माहौल बनाए रखती हैं। ये बिना कुछ कहे ही सामने वाले की बात बहुत आसानी से समझ जाती हैं और अपने रिश्तों को पूरी वफादारी से निभाती हैं। प्रेम हो या दोस्ती अगर ये किसी से रिश्ता जोड़ लें, तो उनकी मदद और सहयोग के लिए हमेशा तैयार रहती हैं। साथ ही, ये बहुत समझदार होती हैं और कभी-कभी भावनाओं में भी बह सकती हैं।

इस मूलांक की लड़कियां होती है बेहद चतुर

अंक ज्योतिष के अनुसार, जिन स्त्रियों का जन्म 5, 14 या 23 तारीख को हुआ हो वे दिमाग से बहुत चतुर और बुद्धिमान होती हैं। इन तिथि पर जन्मे लोगों का मूलांक 5 होता है, जिसके स्वामी ग्रह बुध होते हैं। बुध को बुद्धि, तर्क, वाणी, व्यापार, संचार और मित्रता का प्रतीक माना जाता है। इन सभी चीजों का प्रभाव मूलांक 5 की स्त्रियों में भी देखने को मिलता है। ये कोई भी फैसला जल्दबाजी में लेना पसंद नहीं करती हैं। मुश्किल परिस्थितियों में ऐसी लड़कियां दिल से नहीं बल्कि दिमाग से सोचकर समझदारी से सही निर्णय पर पहुंचती हैं। अपनी बुद्धिमानी के चलते ये करियर में भी बड़ी सफलता हासिल कर लेती हैं।

बातचीत करने का तरीका होता है बहुत प्रभावशाली

माना जाता है कि जिन लड़कियों का मूलांक 5 होता है उनका बातचीत करने का तरीका बेहद प्रभावशाली होती है। अपने इसी गुण के चलते ये कार्यक्षेत्र में भी एक अलग पहचान बनाती हैं। साथ ही, इनकी खासियत लोगों को बहुत आकर्षित करती है। मूलांक 5 की लड़कियां किसी भी मुश्किल परिस्थिति में तुरंत समस्या को समझकर उसका समाधान निकालने में माहिर होती हैं। इनकी यही खासियत इन्हें जीवन में बहुत आगे लेकर जाती है। 5, 14 या 23 तारीख पर जन्मीं लड़कियां दूसरों की मदद के लिए भी हमेशा तैयार रहती हैं और दिल की बेहद साफ होती हैं।

करियर और कारोबार में सफलता दिलाएगा शमी का पौधा

सनातन धर्म में कई पौधे पूजनीय हैं। इनमें शमी का पौधा भी शामिल है। यह पौधा भगवान शिव और शनि देव से संबंधित है। इसलिए घर में सुख-समृद्धि में वृद्धि के लिए शमी का पौधा लगाया जाता है। शिव पुराण में शमी के पौधे के कई उपायों के बारे में वर्णन किया गया है। ऐसा माना जाता है कि इन उपायों को करने से जातक को जीवन की सभी तरह की परेशानियों से छुटकारा मिलता है।

शमी के उपाय – अगर आप जीवन में लंबे समय से कर्ज की समस्या का सामना कर रहे हैं, तो शनिवार के दिन विधिपूर्वक शमी के पेड़ की पूजा करें और काली उड़द, तिल अर्पित करें। मान्यता है कि इस उपाय को करने से जातक को कर्ज की समस्या से छुटकारा मिलेगा।

इसके अलावा सभी तरह की बीमारियों से मुक्ति पाने के लिए जल में दूध मिलाकर शमी के पेड़ पर अर्पित करें। इस दौरान अवधूतेश्वर महादेव नाम का जाप करें। माना जाता है कि इस उपाय को करने से सभी रोग खत्म होंगे।

शनिवार के दिन सुबह स्नान करने के बाद शमी के पौधे की पूजा करें और इसकी पत्ती को पर्स में रखें। इससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और धन लाभ के योग बनते हैं।

सोमवार या शनिवार को शमी के पौधे की टहनी में कलावा बांध दें। मान्यता है कि इस उपाय को करने से शनि देव प्रसन्न होंगे और उनकी कृपा प्राप्त होती है। साथ ही राहु दोष से छुटकारा मिलेगा।

अगर आप करियर और कारोबार में सफलता प्राप्त करना चाहते हैं, तो शनिवार को शमी के पौधे में जल का अर्घ्य दें। इससे करियर में मन मुताबिक सफलता मिलती है।

इस दिशा में मोर पंख रखकर देखें, धन से भर जाएगी तिजोरी

हिंदू धर्म में मोर पंख को घर में रखना बहुत शुभ और फलदायी माना जाता है। यह दिव्यता और वैभव का प्रतीक होता है, जिसका सीधा संबंध भगवान कृष्ण से होता है। मान्यता है कि मोर पंख श्रीकृष्ण को बेहद प्रिय है। ऐसे में उनके श्रृंगार और पूजा में भी इसे प्रयोग करने का खास महत्व होता है। मोर पंख कई लोग अपने घर और मंदिर में रखते हैं। माना जाता है कि इसे घर में रखने से परिवार के सदस्यों बीच तालमेल बना रहता है। साथ ही, घर का माहौल खुशनुमा रहता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। लेकिन अगर आप इसे गलत स्थान या दिशा में रखते हैं, तो इसका शुभ फल प्राप्त नहीं होता है। वास्तुशास्त्र में मोर पंख को लेकर कई नियम बताए गए हैं, जिनका ध्यान रखने से व्यक्ति को बेहद अत्यंत शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है।

घर में इस दिन ला सकते हैं मोर पंख

अगर आप मोर पंख घर में लाकर रखने का विचार बना रहे हैं, तो इसे कुछ शुभ स्थान पर ला सकते हैं। वैसे तो मोर पंख किसी दिन भी घर लाया जा सकता है, लेकिन शुक्रवार या सोमवार के दिन इसे लाना बेहद शुभ माना जाता है। शुक्रवार का दिन माता लक्ष्मी को समर्पित होता है। ऐसे में इस दिन मोर पंख लाने से मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही, जीवन में खुशहाली आने लगती है। इसके अलावा, सोमवार के दिन भी मोर पंख घर लाना फलदायी हो सकता है। इससे आपको भगवान कृष्ण की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है और घर की समस्याओं से भी निजात मिल सकती है।

मोर पंख घर की इस दिशा में रखें

वास्तुशास्त्र के अनुसार, मोर पंख बेहद शुभ होता है। ऐसे में इसे सही स्थान पर दिशा में रखना बहुत जरूरी माना जाता है। ऐसे में अगर आप घर में मोर पंख लाने वाले हैं या पहले से घर में मोर पंख है, तो इसे आज ही सही दिशा में रख लें। वास्तु के मुताबिक, मोर पंख को हमेशा घर की उत्तर या पूर्व दिशा में रखना चाहिए। इन दिशाओं में मोर पंख को रखने से शुभ फल की प्राप्ति होती है और घर में हमेशा सकारात्मकता बनी रहती है। आप मोर पंख को ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा में भी रख सकते हैं। इस दिशा से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। यही कारण है कि घर में इस स्थान पर शुभ चीजों को रखने से नकारात्मकता दूर होने लगती है।

मोर पंख घर में रखने के विशेष वास्तु नियम

✻ वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में मोर पंख को पूजा के स्थान या मुख्य द्वार के ऊपर लगाया जा सकता है। इससे घर का माहौल हमेशा खुशनुमा और शांतिपूर्ण बना रहता है। इसके अलावा, बच्चों के स्टडी रूम में भी मोर पंख लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

✻ अगर बच्चों का मन पढ़ाई में नहीं लगता है या इधर-उधर भटकता रहता है, तो उनके पुस्तक के बीच एक मोर पंख रखा जा सकता है। ऐसा करने से बच्चों के जीवन में सकारात्मकता आती है और एकाग्रता भी बढ़ती है।

✻ वास्तुशास्त्र के अनुसार, भूलकर भी मोर पंख को घर में गंदे स्थान पर नहीं रखना चाहिए। साथ ही, उस पर धूल-मिट्टी भी नहीं होना चाहिए। इससे जातक को अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही, मोर पंख पर गलती से भी पैर नहीं लगाना चाहिए।

✻ मान्यता है कि मोर पंख को गलती से भी घर में बाथरूम या टॉयलेट के पास वाली दीवार पर नहीं लगाना चाहिए। ऐसा करने से घर में नकारात्मकता आ सकती है और समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

मोर पंख घर में रखने के चमत्कारी लाभ

मान्यता है कि मोर पंख को घर में लगाने से माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है और उनका घर में वास होता है। साथ ही, यह घर से बुरी नजर को दूर रखता है और गृह क्लेश से भी छुटकारा दिला सकता है। अगर आप पैसों की तंगी से परेशान हैं, तो मोर पंख को तिजोरी या धन रखने वाले स्थान पर भी रख सकते हैं। इससे आर्थिक तंगी दूर होती है और धन लाभ के योग बनते हैं। साथ ही, घर में मोर पंख रखने से फिजूलखर्ची से भी निजात मिल सकता है। मान्यता है कि अगर आप एक मोर पंख को अपने पर्स में रख लें, तो इससे राहु के प्रतिकूल प्रभाव से छुटकारा मिल सकता है। वहीं, बच्चों के जीवन पर राहु का प्रतिकूल प्रभाव होने से अगर उनका मन में पढ़ाई में नहीं लग रहा है या मन इधर-उधर भटक रहा है, तो उनके पुस्तक के बीच में एक मोर पंख रख दें। ऐसा करने से एकाग्रता बढ़ती है और यह बुद्धि को तेज करने में भी सहायता करता है। मोर पंख को सही दिशा में लगाने से घर में सुख-समृद्धि आती है और परिवार में चल रहे आपसी मतभेद भी दूर होते हैं।

घर में रखें मोरपंख, आएगी खुशहाली, परिवार होगा सम्पन्न

शास्त्रों के अनुसार प्रकृति और उससे जुड़ी वस्तुओं की पूजा का मानव जीवन में विशेष महत्व है। स्वयं देवी-देवताओं ने प्रकृति को सर्वोच्च स्थान देकर उसका आभार जताने और उसकी पूजा का महत्व बताया है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि कुदरत से जुड़ी कुछ शुभ वस्तुओं को देवी देवता स्वयं धारण करते हैं और इन वस्तुओं का सामिप्य मानव जीवन के लिए भी बड़ा शुभ बताया गया है।

मोरपंख है श्रीकृष्ण को प्रिय

प्रकृति से जुड़ी ऐसी ही एक चीज जो भगवान श्रीकृष्ण को प्रिय है और वे स्वयं इसको धारण करते हैं। यदुकुलश्रेष्ठ श्रीकृष्ण मोरपंख को अपनो सिर पर धारण करते हैं और मोरपंख उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा है। लेकिन मोरपंख को आप अपनी जिंदगी का हिस्सा बनाकर खुशहाल हो सकते हैं। मोरपंख को घर में रख लेने मात्र से कई समस्याओं का समाधान हो सकता है। घर का वास्तुदोष दूर हो सकता है और घर-परिवार में सुख-समृद्धि और धन-संपदा आ सकती है।

मोरपंख से आती है दांपत्य जीवन में खुशहाली

घर में दो मोरपंख एकसाथ अपने पूजाघर में रखने से दांपत्य जीवन से जुड़ी समस्याओं का अंत होता है और रिश्तों में मधुरता आती है। यदि प्रकृति के पंचतत्वों को अनुपात घर में सही नहीं हो और नकारात्मक ऊर्जा का घर में प्रवाह हो रहा हो तो घर के पूजास्थल पर 5 मोरपंख रखें। इस कार्य से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और सकारात्मक ऊर्जा से घर आनंदित हो जाता है।

मोरपंख से वास्तुदोष का भी निवारण होता है। यदि आपके घर का मुख्यद्वार शुभ कोण या दिशा जैसे पूर्व, उत्तर या ईशान दिशा में नहीं है या मुख्य द्वार पर किसी और प्रकार का वास्तुदोष है तो मुख्य. द्वार की चौखट के ऊपर बैठी हुई मुद्रा में गणेश जी स्थापित करें और उनके ऊपर तीन मोरपंख लगाएं। इस कार्य से मुख्यद्वार के वास्तुदोष का प्रभाव काफी कम हो जाता है। 7 या 9 मोरपंखी से बना हुआ गोल पंखा किसी भी मास के शुक्ल पक्ष में पूजास्थल पर रख दें और एक सप्ताह बाद उसको शयनकक्ष में बेड के पीछे की दीवार पर लगा दें। इस उपाय से पारिवारिक जिंदगी काफी खुशहाल हो जाएगी।

मोरपंख बीमारी में भी है कारगर

मोरपंख बीमारी से निपटने में भी काफी कारगर है। सभी तरह के उपायों के बाद भी यदि बीमारी पीछा नहीं छोड़ रही है तो बीमारी से संबंधित कागताज के बीच में मोरपंख रख दें। जल्द ही इसके बेहतर परिणाम दिखाई देंगे। घर के ड्राइंग रूम या डाइनिंग रूम में 11, 15 या इससे ज्यादा मोरपंख एकसाथ लगाने से परिवार के सदस्यों के बीच आपसी सामंजस्य अच्छा होता है और स्नेह बना रहता है। मोरपंख घर के स्वच्छ और बेहतर वातावरण प्रदान करने में भी सहायक है। जिस जगह पर मोरपंख लगा हो उस जगह के आसपास कीड़े-मकोड़े नहीं रहते हैं। धन की समस्या के समादान के लिए आग्नेय कोण में कम के कम 5 फीट की उंचाई पर दो मोरपंखी शुक्ल पक्ष में लगायें, धन से जुड़ी समस्या का समाधान होगा। मोरपंख के कुछ सावधानी बरतना भी जरूरी है। कभी भी घर में खंडित मोरपंख का उपयोग ना करें, इससे सही परिणाम नहीं मिल पाएंगे।

फिल्म सितारे जमीन पर ने चौथे दिन रचा इतिहास

सुपरस्टारआमिर खान ने सितारे जमीन पर से सिल्वर स्क्रीन पर दमदार वापसी की है। हर दिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई कर रही है। विदेशों में भी कमाई के मामले में सितारे जमीन पर अपना जलवा बिखेर रही है। अब आमिर खान की फिल्म ने अपने नाम बड़ा रिकॉर्ड कर लिया है।

आमिर खान की फिल्म 21 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। शुरुआत तो ठीक-ठाक रही, लेकिन इस फिल्म ने दूसरे दिन की जबरदस्त रफ्तार पकड़ ली। ऑडियंस भी इस मूवी की तारीफ करते हुए थक नहीं रही है। इस बीच सितारे जमीन पर की वर्ल्डवाइड कमाई के लेटेस्ट आंकड़े सामने आ गए हैं। आमिर खान की फिल्म ने सिर्फ चार दिनों में दुनियाभर में 100 करोड़ क्लब में धमाकेदार एंट्री मार दी है। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, आमिर खान की फिल्म रिलीज के चौथे दिन यानी सोमवार तक वर्ल्डवाइड 110 करोड़ रुपये का बिजनेस कर चुकी है। बहुत जल्द यह मूवी सनी देओल की 'जाट' की कमाई का भी रिकॉर्ड तोड़ देगी।

आमिर खान की सितारे जमीन पर सनी देओल की जाट की लाइफटाइम कमाई को पार कर जाएगी, जिसने 118.36 करोड़ रुपये की बिजनेस किया है। हालांकि, यह अभी रिलीज सिकंदर से पीछे है, जिसकी टोटल कमाई 177 करोड़ रुपये रही। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के मुताबिक, सोमवार को भी सितारे जमीन पर ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अपना दम दिखाया है। चौथे दिन भारत में आमिर खान की फिल्म ने 8.50 करोड़ रुपये की कमाई की। 'सितारे जमीन पर' का भारत में 10.70 करोड़ रुपये से खाता खुला था। शनिवार को फिल्म ने 19.90 करोड़ और रविवार को 26.70 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। अब तक देशभर में फिल्म टोटल 65.80 करोड़ रपये की कमाई कर चुकी है। फिल्म सितारे जमीन पर को आरएस प्रसन्ना ने डायरेक्ट किया है। इस स्पोर्ट्स कॉमेडी-ड्रामा आमिर खान ने बास्केटबॉल कोच की भूमिका निभाई है। वहीं, जेनेलिया देशमुख फिल्म की हिस्सा हैं। इसमें 10 नए एक्टर्स अहम किरदारों में दिखते हैं।

फिल्म जुग जुग जियो के 3 साल पूरे होने पर कियारा आडवाणी ने जताई खुशी, कहा

खुशियों से भरा रहा अनुभव

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी की फिल्म जुग जुग जियो को रिलीज हुए तीन साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर एक्ट्रेस ने खुशी जताई और इसे खास अंदाज से सेलिब्रेट किया। कियारा ने फिल्म को अपनी जिंदगी का एक खुशियों भरा और यादगार अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि इस फिल्म से उन्हें मुस्कुराहट, सीखने का मौका और कई अच्छे पल मिले।

मंगलवार को, कियारा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म से जुड़े डूडल फोटो को शेयर किया, जिसमें फिल्म के चारों मुख्य कलाकार वरुण धवन, कियारा आडवाणी, अनिल कपूर और नीतू कपूर को कार्टून अवतार में दिखाया गया। एक्ट्रेस ने लिखा, 3 साल इस खूबसूरत फिल्म के, सबसे अच्छी टीम... सबसे मजेदार समय... जुग जुग जियो! उन्होंने इस पोस्ट में फिल्म के अपने सभी को-स्टार्स को भी टैग किया। जुग जुग जियो' 24 जून 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

जुग जुग जियो' एक फैमिली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जिसे राज मेहता ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म को धर्मा प्रोडक्शंस और वायाकॉम18 स्टूडियोज ने मिलकर बनाया था।(फिल्म में मनीष पॉल और यूट्यूबर प्राजक्ता कोली भी अहम किरदार में नजर आए। वर्कफ्रंट की बात करें तो कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी अगली फिल्म वॉर 2 की तैयारी कर रही हैं। यह एक एक्शन से भरपूर एंटरटेनर फिल्म है। इस फिल्म में कियारा के साथ दो बड़े सितारे ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर हैं। फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं। यह फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।इसके अलावा, खबर है कि वह मीना कुमारी की बायोपिक कमल और मीना में भी नजर आ सकती हैं। सूत्रों की मानें तो कियारा को इस फिल्म के लिए अप्रोच किया गया है। हाल ही में कियारा की तेलुगू फिल्म गेम चेंजर रिलीज हुई थी, जिसमें उनके साथ साउथ के मशहूर एक्टर राम चरण नजर आए थे।

मिडिल क्लास फैमिली का कम हुआ थिएटर जाना : सोनाक्षी सिन्हा

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की अपकमिंग फिल्म 'निकिता रॉय' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। इस बीच अभिनेत्री ने बात की और बताया कि मिडिल क्लास फैमिली अब सिनेमाघरों में कम क्यों जा रही है। सोनाक्षी ने कहा कि परिवारों के लिए मनोरंजक फिल्मों की कमी नहीं है, लेकिन टिकटों की बढ़ती कीमतें और घर पर उपलब्ध कंटेंट सिनेमाघरों से दूर रख रहा है। 'अकीरा' और 'दबंग' फेम एक्ट्रेस ने स्पष्ट किया कि परिवारों के लिए मनोरंजक फिल्में बनना बंद नहीं हुई हैं, बल्कि सिनेमाघरों का अनुभव अब आम परिवारों के लिए महंगा हो गया है।

उन्होंने कहा, परिवारों की कहानियों की कमी नहीं है। बस परिवार सिनेमाघर जा नहीं रहे। फिल्में और पारिवारिक कहानियां बन रही हैं, लेकिन कंटेंट के कई ऑप्शन ओटीटी के रूप में उपलब्ध हैं। सिनेमाघरों का खर्च आम परिवारों के लिए बहुत ज्यादा हो गया है। यही वजह है कि लोग कम जा रहे हैं। लेकिन, कहानियां और फिल्में मौजूद हैं।

सोनाक्षी ने अपनी फिल्म 'निकिता रॉय' के बारे में बताया कि यह एक ऐसी फिल्म है, जो परिवार और दोस्तों के साथ सिनेमाघर में देखने का शानदार अनुभव देगी। उन्होंने कहा, यह फिल्म रोमांच और मनोरंजन से भरी है। यह दोस्तों और परिवार के साथ देखने के लिए बिल्कुल सही है।38 वर्षीय अभिनेत्री ने एक अच्छी कहानी के बारे में भी अपनी राय दी। उन्होंने कहा, आजकल लोगों का ध्यान जल्दी भटक जाता है। कहानी ऐसी होनी चाहिए, जो शुरू से ही दर्शकों को बांधे रखे। चाहे वह थ्रिलर हो, ड्रामा हो या इमोशनल... भावनात्मक जुड़ाव जरूरी है, ताकि दर्शक अंत तक उसके साथ बंधे रहें।

'निकिता रॉय' में सोनाक्षी के साथ परेश रावल, अर्जुन रामपाल और सुहैल नायर मुख्य भूमिकाओं में हैं। कुश सिन्हा की पहली निर्देशित यह फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

काजल अग्रवाल ने पति और बेटे संग जन्मदिन मनाया

तस्वीरें साझा कर प्रशंसकों का जताया आभार

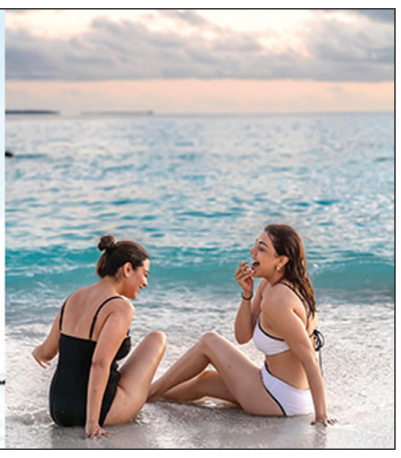

अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें वह फैमिली के साथ बीच पर इंजॉय करती नजर आ रही हैं। तस्वीरों में अभिनेत्री अपने बेटे और पति के साथ कीमती समय बिताती देखी जा सकती हैं। पहली तस्वीर में वह रेत में लेटी हुई कैमरे की तरफ देखते हुए पोज दे रही हैं। दूसरी में वह अपने बच्चे को गोद में लिए पति का हाथ पकड़े हैं। तीसरी तस्वीर में वह स्वीमिंग पूल के अंदर बेटे को गोद में लिए हुए हैं।

पोस्ट को शेयर करते हुए काजल ने कैप्शन में लिखा, मेरे प्यारे दोस्तों, फैंस, परिवार, जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। आप सभी ने जन्मदिन पर शुभकामनाएं भेजकर मेरे दिन को और भी अच्छा बना दिया। काजल अग्रवाल 19 जून को 40 साल की हो गईं। अभिनेत्री का जन्म मुंबई में हुआ था; वह एक पंजाबी फैमिली से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता, विनय अग्रवाल, बिजनेसमैन हैं, जबकि उनकी मां, सुमन अग्रवाल, उसी कंपनी में मैनेजर हैं। उनकी छोटी बहन, निशा अग्रवाल, भी दक्षिण भारतीय फिल्मों में एक्टिव हैं। काजल ने मुंबई के सेंट ऐन्स हाई स्कूल और जय हिंद कॉलेज से पढ़ाई की, फिर के.सी. कॉलेज से मास मीडिया में ग्रेज-एशन किया। 30 अक्टूबर, 2020 को काजल ने मुंबई के बिजनेसमैन गौतम किचलू से शादी की थी। 2022 में उन्होंने बेटे को जन्म दिया, जिसका नाम उन्होंने नील रखा है।

उनके वर्कफ्रंट की बात करें, तो वह शंकर के निर्देशन में बनी तमिल फिल्म 'इंडियन 3' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इंडियन 1 और 2 का भी निर्देशन शंकर ने ही किया था। अभिनेत्री तेलुगू फिल्म 'कन्नप्पा' में भी हैं, जिसमें वह माता पार्वती देवी की भूमिका में हैं। फिल्म में अक्षय कुमार भी कैमियो करेंगे। इसका निर्देशन मुकेश कुमार सिंह कर रहे हैं। इसके अलावा, 'उमा' और 'काजल कार्तिका' जैसी फिल्में भी अभिनेत्री के खाते में हैं।

राशि खन्ना के 11 साल का सिनेमाई सफर, उन्होंने कहा

पिक्चर अभी बाकी है

एक ऐसी इंडस्ट्री जो लगातार विकसित हो रही है, राशि खन्ना ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है- जो सौम्यता, धैर्य और कला के प्रति अटूट प्रतिबद्धता से परिभाषित है। अपनी मनमोहक स्क्रीन प्रेजेंस और विविध भूमिकाओं से सजी एक लंबी करियर यात्रा के साथ, जिसमें तेलुगु ब्लॉकबस्टर, दमदार ओटीटी हिट्स और प्रभावशाली थिएटर रिलीज़ शामिल हैं, पैन इंडिया स्टार राशि खन्ना भारतीय सिनेमा की सबसे बहुमुखी और सराही जाने वाली अभिनेत्रियों में से एक के रूप में उभरी हैं। अपने फिल्मी करियर के 11 वर्ष पूरे होने पर, राशि ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक नोट साझा किया: जिज्ञासा के साथ शुरुआत की थी। फिर इस हलचल में खो गई। 11 साल हो गए - और पिक्चर अभी भी चल रही है। फ्रेम दर फ्रेम मुझे बढ़ते देखने के लिए धन्यवाद। पिक्चर अभी बाकी है, मेरे दोस्त : और वास्तव में, तस्वीर अभी खत्म नहीं हुई है। राशि का सफ़र 2013 में मद्रास कैफ़े से शुरू हुआ, जो जॉन अब्राहम के साथ उनकी पहली हिंदी फ़िल्म थी।

जैसे-जैसे डिजिटल युग ने स्टारडम को फिर से परिभाषित किया, राशि खन्ना ने उतनी ही मजबूती से ओटीटी स्पेस को अपनाया। रुद्र: द एज ऑफ़ डार्कनेस में, उन्होंने अजय देवगन के साथ अपनी भूमिका में रहस्यमयी किरदार निभाई। इसके बाद उन्होंने फ़र्ज़ी में एक बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने मेघा व्यास की भूमिका निभाई, जो एक तेज़-तर्रार और गहराई से भरी सरकारी अफ़सर थी, जो राज और डीके की गंभीर थ्रिलर में शाहिद कपूर के साथ अपनी अलग पहचान बनाई। इसके बाद उन्होंने द साबरमती रिपोर्ट में काम किया, जहाँ उन्होंने संयम और यथार्थवाद से चिह्नित एक निडर पत्रकार की भूमिका निभाई, इसमें उन्होंने साबित कर दिया कि वे गंभीर और संवेदनशील कहानियों को बखूबी संभाल सकती हैं।

तेलुगु सिनेमा में उनका सफर 2014 की ब्लॉकबस्टर ऊहालू गुसगुसलाडे से शुरू हुआ, जिसने उन्हें हिट फिल्मों की एक लंबी कतार में ला खड़ा किया, जिनमें थोली प्रेमा, प्रति रोजू पांडगे, वेंकी मामा और वर्ल्ड फेमस लवर जैसी सफल फिल्में शामिल हैं। इसके साथ ही, उन्होंने तमिल सिनेमा में इमाइका नोडिगल और अरनमनई 3 में प्रभावशाली भूमिकाओं के साथ धूम मचाई, और धनुष के साथ थिरुचित्रम्बलम में अपने सबसे पसंदीदा प्रदर्शनों में से एक दिया।

प्रत्येक भूमिका के साथ, राशि ने बड़े पैमाने पर मनोरंजक और भावनात्मक रूप से गूंजने वाले कहानियां के बीच सहजता से ढ़लने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया, जिससे उन्हें दक्षिण भारत में एक वफादार फैनबेस मिला है। बॉलीवुड के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स के लिए राशि को हाल ही में मुंबई में उनकी फिल्म के सेट से स्पॉट किया गया। इसके साथ ही, उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने घायल अवतार की तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जो तेज़ी से वायरल हो गईं।

प्रशंसकों ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया कि अभिनेत्री एक एक्शन से भरपूर प्रोजेक्ट का हिस्सा है - जिसमें शारीरिक धैर्य और भावनात्मक गागराई दोनों की आवश्यकता होती है। इस बदलाव ने एक बार फिर से उन भूमिकाओं के प्रति उनके निडर समर्पण को उजागर किया है। उन्हें आखिरी बार तमिल फिल्म अगाथिया में देखा गया था और अगली बार वह तेलुसु कड़ा में दिखाई देंगी। जैसे कि राशि अपनी सिनेमा करियर में अपने 12वें वर्ष में प्रवेश कर रही हैं, एक बात तो तय है - पिक्चर अभी बाकी है।

चित्रांगदा ने बताया हाउसफुल 5 में अक्षय कुमार के साथ काम करने का अनुभव

बॉलीवुड अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने समाचार एजेंसी से बात करते हुए हाउसफुल-5 में अक्षय कुमार के साथ फिर से काम करने के अनुभव को साझा किया। हाल ही में फिल्म हाउसफुल 5 में सुपरस्टार अक्षय कुमार के साथ फिर से काम करने पर चित्रांगदा ने बताया कि जो पहले औपचारिक कामकाजी रिश्ता था, वह अब एक अच्छी दोस्ती में बदल गया है।

खिलाड़ी कुमार के साथ दोबारा काम करने के अनुभव पर बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया, मुझे लगता है कि वह खुद का मनोरंजन करने के लिए सेट पर शरारतें करते हैं। वह खुद बोर हो जाते हैं। लेकिन, उनकी एनर्जी बिल्कुल वैसी ही है, जैसी पिछली फिल्म के दौरान थी। जब मैंने पिछली बार उनके साथ काम किया था, तब हमारे बीच में इतनी दोस्ती नहीं थी। वह रिश्ता औपचारिक भी था। अब हम दोस्त बन गए हैं।

अभिनेत्री उनके मिलनसार और मार्गदर्शक स्वभाव के बारे में तारीफ करते हुए कहती हैं कि अक्षय व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों तरह से बहुत मदद करते हैं। मुझे लगता है कि मैं किसी भी सलाह के लिए उन्हें कभी भी कॉल कर सकती हूं। यहां तक कि सेट पर भी, वह मुझे बहुत समझाते रहते हैं। मैं उनसे अक्सर पूछती रहती थी, क्या मुझे यह अलग तरीके से करना चाहिए? क्या यह बहुत ज्यादा है? क्या मुझे कम काम करना चाहिए?

चित्रांगदा सिंह ने 2011 में निर्देशक डेविड धवन के बेटे रोहित धवन द्वारा निर्देशित कॉमेडी फिल्म देसी बॉयज में अक्षय कुमार के साथ काम किया था, जिसमें जॉन अब्राहम और दीपिका पादुकोण भी थे।

तरुण मनसुखानी के डायरेक्शन में बनी फिल्म हाउसफुल 5 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, जिसमें दो क्लाइमेक्स हैं। इस फिल्म को साजिद नाडियाडवाला ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत बनाया है।

हाउसफुल सीरीज की पहली फिल्म साल 2010 में रिलीज हुई थी। दूसरी फिल्म 2012 में आई। इन दोनों का निर्देशन साजिद खान ने किया था। हाउसफुल 3 2016 में रिलीज हुई, जिसे साजिद-फरहाद ने निर्देशित किया। चौथी फिल्म 2019 में आई और इसका निर्देशन फरहाद सामजी ने किया था।

अमिताभ बच्चन ने बताया जीवन में संस्कार का महत्व, कहा

यह सही और गलत में फर्क समझाता है

बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन ने अपने माता-पिता तेजी बच्चन और हरिवंश राय बच्चन के दिए गए संस्कारों के लिए आभार जताया है। उन्होंने कहा कि उनके माता-पिता ने जो अच्छी सीख और मूल्य उन्हें सिखाए, वह उनके लिए बहुत कीमती विरासत हैं। अमिताभ मानते हैं कि इन संस्कारों की वजह से ही वह आज इस मुकाम तक पहुंच पाए हैं। अमिताभ ने अपने ब्लॉग में संस्कार के बारे में बात की। उन्होंने लिखा, ''हिंदू परंपरा में संस्कार का मतलब होता है, वो खास रीति-रिवाज और विधियां, जो इंसान के जीवन में अलग-अलग मौकों पर की जाती हैं। इनका मकसद इंसान के शरीर, मन और सोच को शुद्ध करना और उनके अच्छे चरित्र और व्यक्तित्व को बनाना होता है।

उन्होंने कहा कि संस्कार किसी इंसान के स्वभाव, सोच और व्यवहार को बनाने में बहुत अहम भूमिका निभाते हैं। यह संस्कार उन्हें अच्छे रास्ते पर चलने, सही और गलत में फर्क समझने, और ईमानदारी से जीने की सीख देते हैं।

अमिताभ ने कहा, संस्कार एक तरीका है जिससे हमारे सांस्कृतिक मूल्य, परंपराएं और विश्वास एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचते हैं। इससे समाज में एकता बनी रहती है और हमारी परंपराएं आगे बढ़ती रहती हैं। उन्होंने आगे कहा कि संस्कारों की वजह से डर कम होता है, मन मजबूत होता है और जीवन को हिम्मत और आत्मविश्वास के साथ जीने की ताकत मिलती है।महानायक ने कहा कि उनके माता-पिता ने संस्कारों को बहुत ज्यादा महत्व दिया।

उन्होंने कहा, हमारे जीवन में, खासकर बचपन के दिनों में, मां और बाबूजी ने हमेशा संस्कारों को बहुत महत्व दिया। यह एक सुंदर गुण है, जो हमारे अंदर बचपन से डाला गया। अमिताभ बच्चन ने कहा कि संस्कार हमारे लिए सबसे बड़ी दौलत हैं, जो हमें हमारे बुजुर्गों और पीढ़ियों से सीख के रूप में मिली है। हम सब इन संस्कारों को बहुत संभालकर रखते हैं, जैसे कोई कीमती तोहफा हो।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें, क्योंकि क़िस्मत ख़ुद बहुत आलसी होती है। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे। आपकी भागदौड़ भरी दिनचर्या के कारण आपका जीवनसाथी ख़ुद असहज महसूस करेगा

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। प्रेमी एक–दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। बड़े व्यापारिक लेन–देन करते वक़्त अपनी भावनाओं पर क़ाबू रखें। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। यह इस बात को समझने का सही वक़्त है कि चिंता की आदत ने आपके सोचने की क्षमता को ख़त्म कर दिया है। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीज़ें सुधर रही हैं। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। ना–ते–रिश्तेदार तरक़्क़ी और समृद्धि के लिए नयी योजनाएँ लाएंगे। जीवनसाथी से बहुत ज़्यादा उम्मीदें रखना आपको वैवाहिक जीवन में उदासी की तरफ़ ले जा सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप काम को अलग रखकर थोड़ा आराम करें और कुछ ऐसा करें जिसमें आपकी दिलचस्पी हो। आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुक़सान तक़रीबन पक्का है। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। अपना बायोडाटा भेजने या किसी इंटरव्यू में जाने के लिए अच्छा समय है। आज रात को जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

तली–भुनी खाने की चीज़ों से किनारा करें। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। ज़ाहिर तौर पर रोमांस के लिए पर्याप्त मौक़े हैं– लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है। सेमिनार और गोष्ठियों में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना–देना नहीं है। आपका जीवनसाथी आपको ज़्यादा ख़ास वक़्त देने वाला है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। दीर्घावधि मुनाफ़े के नज़रिए से स्टॉक और म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करना फ़ायदेमंद रहेगा। अपने घर के वातावरण में कुछ बदलाव करने से पहले आपको सभी की राय जानने की कोशिश करनी चाहिए। आज के दिन कार्यक्षेत्र में चीज़ें वाक़ई बेहतरी की ओर बढ़ सकेंगी । आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। इसके बाद घर के लोगों को मनाने में आपका काफी समय जा सकता है। रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

घर और दफ़्तर में कुछ दबाव आपको गुस्सैल बना सकता है। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। शादी लायक़ युवाओं का रिश्ता तय हो सकता है। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे। खाली वक्त में आज कुछ रचनात्मक कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। आज के इस ख़बसूरत दिन प्रेम–संबंध में आपकी सभी शिकायतें ग़ायब हो जाएंगी। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, क्योंकि आपके प्रिय का मूड बहुत अनिश्चित होगा। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। अपने काम से आराम लेकर आज आप कुछ समय अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दाँत का दर्द या पेट की तक़लीफ़ आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। तुरंत आराम पाने के लिए अच्छे चिकित्सक की सलाह लेने में कोताही न बरतें। आज आपको समझ आ सकता है कि धन को बिना सोच विचारे खर्च करना आपको कितना नुक्सान पहुंचा सकता है. घर में साफ़–सफ़ाई की ज़रूरत तुरंत है। हमेशा की तरह इस काम को अगली बार के लिए न टालें और कमर कस कर जुट जाएँ। अगर आपको एक दिन की छुट्टी पर जाना है तो चिंता न करें, आपकी ग़ैरहाज़िरी में सभी काम ठीक से चलते रहेंगे। और अगर किसी ख़ास वजह से कोई परेशानी खड़ी भी हो जाए, तो आप लौटने पर उसे आसानी से हल कर लेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। आपको ऐसी गतिविधियों में संलग्न होने की ज़रूरत है, जहाँ आपको अपने समान रुचियों के लोगों से मिलने का मौक़ा मिले। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

गर्भवती महिलाओं को चलते–फिरते समय ख़ास ख़याल रखने की ज़रूरत है। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। घर में कुछ बदलाव लाने के लिए पहले बाक़ी लोगों की राय भली–भांति जान लें। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। किसी नये काम के आगाज के लिए आपको पहले उसके बारे में अनुभवी लोगों से बात करनी चाहिए। अगर आज आपके पास समय है तो उस क्षेत्र के अनुभवी लोगों से मिल लें जो काम आप शुरु करने वाले हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 25 जून 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या सायं 04:04 तक
नक्षत्र : मृगशिरा प्रातः 10:41 तक
योग : गण्ड प्रातः 06:00 तक
करण : नाग सायं 04:04 तक
चन्द्र राशि : मिथुन
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:36 , सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : देव पितृ कार्य अमावस्या

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कांग्रेस सरकार में राजस्थान पिछड़ा, अब विकास की दौड़ में अव्वल : भजनलाल

जयपुर, 24 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अंत्योदय के सिद्धांत के अनुसार गांव, गरीब, किसान, मजदूर के सशक्त होने से ही देश की तरक्की संभव है। इस दर्शन को साकार करने के लिए राज्य सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़े के माध्यम से समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें, शिविरों में जाएँ, अपने लंबित कार्य पूरे करवाएँ और दूसरों को भी प्रेरित करें।

शर्मा ने मंगलवार को जयपुर जिले की दूदू तहसील स्थित बिचून ग्राम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय संबल पखवाड़े का शुभारंभ किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय जी एक ऐसे महान विचारक थे, जिन्होंने अपने जीवन को समाज के वंचित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। उनका सपना था कि भारत का हर गांव और हर व्यक्ति आत्मनिर्भर बने। इस पखवाड़े के माध्यम से हम विकास के उजियारे को हर जरूरतमंद तक पहुंचाने का संकल्प पूरा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पखवाड़े के दौरान गरीब और वंचित वर्ग के वर्षों से अटके कार्यों को पूरा कर उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा, जिससे उनके जीवन में स्थायी बदलाव आए। उन्होंने कहा कि इस पखवाड़े में विभिन्न शिविरों के माध्यम से कई महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे, जो गरीब परिवारों को संबल प्रदान करेंगे। शिविरों में भूमि–संबंधी विवादों का समाधान और आपसी सहमति से बंटवारे, पं. दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गाँव योजना में 10 हजार गाँवों में बीपीएल परिवारों का सर्वे कर उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा। साथ ही, स्वामित्व पट्टे बनाने एवं वितरण करने जैसे कार्यों से ग्रामीण बिना कानूनी अड़चनों के अपनी जमीन का स्पष्ट स्वामित्व प्राप्त कर सकेंगे।

शर्मा ने कहा कि इन शिविरों में पानी की टंकियों की सफाई, लंबित नल कनेक्शन देने, लीकेज की मरम्मत, नहरों की सफाई जैसे प्रकरण भी शामिल होंगे, जिससे गांवों में स्वच्छ पेयजल और बेहतर सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसी तरह नर्सरियों से पौधों का वितरण, मृदा नमूनों का संग्रहण और मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किसानों को वैज्ञानिक खेती करने में सहायता करेगा। उन्होंने कहा कि शिविरों में मंगला पशु बीमा, पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण जैसे कार्यों से पशुपालकों को आर्थिक सुरक्षा मिल सकेगी। पखवाड़े के दौरान

आयुष्मान कार्ड वितरण, एनएफएसए के लंबित प्रकरणों का निस्तारण, विद्यालयों में प्रवेशोत्सव से बच्चों का नामांकन तथा झूलते तारों और विद्युत पोलों की मरम्मत जैसे कार्यों से सीधे तौर पर गरीब और वंचित वर्ग का जीवन सुगम होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 से देश के हर क्षेत्र में आया अभूतपूर्व बदलाव हम सबने देखा है। उनके नेतृत्व में देश संकल्प से सिद्धि तक का सफर तय कर रहा है। मोदी के अनुसार देश में गरीब, युवा, महिला और किसान चार जातियां हैं तथा इन्हीं के उत्थान से देश–प्रदेश का विकास संभव है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रकृति को समर्पित 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरित होकर हमने भी प्रदेश में इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत सरकार के समय प्रदेश हर क्षेत्र में पिछड़ गया था। हमने आते ही इस स्थिति को बदलने का संकल्प लिया। हमारी सरकार का स्पष्ट लक्ष्य राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में सरप्लस स्टेट बनाना है। इसके लिए हमारी सरकार ने बिजली आपूर्ति में ऐतिहासिक सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि गर्मियों में पहले महंगी दरों पर बिजली खरीदनी पड़ती थी लेकिन हमने इस मजबूरी को खत्म करते हुए 18 हजार 509 मेगावाट की रिकॉर्ड पीक डिमांड को बिना किसी व्यवधान के पूरा किया। हमारी सरकार ने बिजली उधार लिए बिना ही रबी सीजन में किसानों को इसकी निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने केन्द्रीय सहकारी बैंकों के माध्यम से डेढ़ वर्ष में करीब 35 हजार करोड़ रुपये का ऋण वितरण किया जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने इतने समय में सिर्फ 15 हजार करोड़ रुपये का ऋण वितरण किया था। हमने डेढ़ साल में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 30 लाख मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने सिर्फ 11 मीट्रिक टन गेहूं ही खरीदा था। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार की 3400 किलोमीटर की तुलना में हमने 12 हजार किलोमीटर नयी सड़कों का निर्माण किया तथा करीब 1300 से ज्यादा गांवों को सड़कों से जोड़ा। हमारे संकल्प और मेहनत से पिछले डेढ़ साल में राजस्थान फिर से विकास की पटरी पर दौड़ने लगा है और हमारा लक्ष्य है कि राजस्थान न केवल भारत का अग्रणी राज्य बने बल्कि हर नागरिक का जीवन समृद्ध और सशक्त हो। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग को जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित कर रही है। इन शिविरों के माध्यम से जरूरतमंदों तक सरकार की योजनाओं की सुलभ पहुंच सुनिश्चित की जाएगी जिससे वे समाज की मुख्यधारा से जुड़े। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

सगाई से नाराज कोरियोग्राफर ने प्रेमिका को उतारा मौत के घाट

उदयपुर, 24 जून (एजेंसियां)। शहर के हिरणमगरी थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली वारदात हुई है। विजय भोई नामक कोरियोग्राफर ने अपनी प्रेमिका निकिता त्रिवेदी की परशुराम चौराहा स्थित होटल कासा गोल्ड में हत्या कर दी। निकिता नर्सिंग की छात्रा थी और हिरणमगरी में किराए पर रहती थी।

थानाधिकारी भरत योगी ने बताया कि विजय और निकिता की दोस्ती इंस्टाग्राम के ज़रिए हुई थी और वे प्रेम संबंध में थे। हालाँकि, हाल ही में निकिता की किसी और लड़के से सगाई हो गई थी, जिसके बाद उसने विजय से बातचीत बंद कर दी। यह बात विजय को बिल्कुल पसंद नहीं आई। सोमवार को विजय ने निकिता से आखिरी बार मिलने की इच्छा ज़ाहिर की और उसे होटल में बुलाया। दोनों के बीच निकिता की सगाई को लेकर तीखी बहस हुई। गुस्से में आकर विजय ने निकिता का सिर ज़ोर से दीवार पर दे मारा, जिससे वह अचेत हो गई और वहीं उसकी मौत हो गई।

हत्या के बाद, विजय ने ब्लेड से अपने हाथ की नसें काटकर आत्महत्या करने का प्रयास भी किया, लेकिन दर्द बर्दाश्त न कर पाने के कारण वह सीधा एमबी हॉस्पिटल चला गया। निकिता का शव होटल के कमरे में ही पड़ा रहा और आरोपी ने किसी को इस बारे में कुछ नहीं बताया।

ईरान–इजराइल युद्ध का असर

जयपुर एयरपोर्ट से जेद्दाह और दुबई की 6 अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स रद्द

जयपुर, 24 जून (एजेंसियां)। ईरान–इजराइल के बीच जारी युद्ध का असर अब जयपुर से संचालित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर भी दिखाई देने लगा है। मंगलवार को जयपुर एयरपोर्ट से दुबई और जेद्दाह के लिए रवाना होने वाली तीन और वहीं से लौटने वाली तीन फ्लाइट्स रद्द कर दी गईं। अचानक फ्लाइट कैंसिल होने से सैकड़ों यात्री जयपुर एयरपोर्ट पर परेशान होते रहे।

यात्रियों का कहना है कि उन्हें समय रहते फ्लाइट रद्द होने की जानकारी नहीं दी गई। दुबई जा रहे यात्री राजीव कपूर ने बताया कि उन्हें एयरपोर्ट पहुंचने पर पता चला कि स्पाइसजेट की फ्लाइट, एसजीए 57 रद्द कर दी गई है।फ्लाइट कैंसिलेशन की सूचना आखिरी वक्त में मिलने के कारण कई यात्री निर्धारित समय से पहले ही एयरपोर्ट पहुंच गए थे। जयपुर से दुबई जाने वाले यात्री राजीव कपूर ने नाराजगी जताते हुए कहा कि ऐसी स्थितियों में यात्रियों को डचड, कॉल या ई–मेल के माध्यम से समय रहते जानकारी दी जानी चाहिए।एयरलाइंस कंपनियों का कहना है कि हालात सामान्य होने पर जल्द नई फ्लाइट्स शेड्यूल की जाएंगी।

नरेश मीणा केस में फिर टली सुनवाई अब 30 जून को होगी पेशी

टोंक, 24 जून (एजेंसियां)। समरावता उपचुनाव के दौरान हुई हिंसा व आगजनी के चर्चित मामले में आरोपी नरेश मीणा की मंगलवार को एससी–एसटी कोर्ट टोंक में वारंट पेशी हुई। कोर्ट में चार्ज बहस होनी थी, लेकिन न्यायाधीश अवकाश पर होने के कारण सुनवाई टल गई। अब अगली सुनवाई की तारीख 30 जून तय की गई है।

विशिष्ट लोक अभियोजक रामअवतार सोनी की ओर से भी चार्ज बहस पूरी नहीं हो पाई है। वहीं, नरेश मीणा के वकील सलीम सूरी ने बताया कि नगर फोर्ट थाने में दर्ज एफआईआर नंबर 167/24 को लेकर मंगलवार को बहस और आदेश की उम्मीद थी, लेकिन प्रक्रिया पूरी न हो पाने से मामला लंबित रह गया। इससे पहले एसडीएम को थप्पड़ मारने के केस में चार्ज बहस पूरी हो चुकी है, जिसमें हाईकोर्ट से नरेश मीणा को जमानत भी मिल चुकी है।

गौरतलब है कि 13 नवंबर 2024 को देवली–उनियारा विधानसभा क्षेत्र के समरावता गांव में उपचुनाव के दौरान मतदान का बहिष्कार हुआ था। निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ग्रामीणों के साथ धरने पर बैठा था और पोलिंग बूथ में घुसने की कोशिश के दौरान अमित चौधरी को थप्पड़ मारने का आरोप भी उन पर लगा। रात में पुलिस नरेश को पकड़ने गांव पहुँची तो वहां ग्रामीणों से झड़प हो गई। कई वाहनों में आगजनी हुई, हालात काबू में करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज, हवाई फायर और आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा।

एचएयू वीसी के अत्याचारों का घड़ा भरा, अब तो कुलपति को कुर्सी छोड़नी ही पड़ेगी : दिग्विजय चौटाला

चंडीगढ़, 24 जून (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा है कि एचएयू के छात्रों पर जो हमला हुआ है, वो विश्वविद्यालय प्रशासन का बेहद कायरतापूर्ण रवैया है। उन्होंने कहा कि जो कुलपति स्वयं लाठी उठाकर छात्रों पर लाठीचार्ज करे वो कैसा कुलपति ? उन्हें वीसी बनने का अधिकार ही नहीं है। मंगलवार को दिग्विजय चौटाला भारी संख्या में अपने साथियों के साथ हिसार में एचएयू में चल रहे धरने पर पहुंचे और अपना समर्थन दिया। महापंचायत को संबोधित करते हुए दिग्विजय चौटाला ने कहा कि एचएयू के कुलपति के घमंड, अत्याचारों का घड़ा भर चुका है, अब तो वीसी को कुर्सी छोड़ने ही पड़ेगी। दिग्विजय ने कहा कि प्रशासन ने छात्रों पर आंदोलन खत्म करने के लिए खूब दबाव बनाया लेकिन छात्रों के साथ हुए अन्याय की इस लड़ाई को अब अंजाम तक पहुंचाकर ही हम सब दम लेंगे और हमें वीसी के इस्तीफे से और कुछ मंजूर नहीं है। दिग्विजय ने सरकार व प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वीसी को नहीं हटाया जाता है तो बड़ा आंदोलन करेंगे।जेजेपी युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने कहा कि भाजपा एक ओर कुलपति को देवता के समान मानने का फरमान जारी कर रही है, वहीं कुलपति जब स्वयं लाठी उठाकर छात्रों पर अत्याचार करे तो उसे हम क्या कहेंगे ? उन्होंने वर्तमान भाजपा सरकार पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि हो सकता है कि मुख्यमंत्री वीसी को हटाना चाहते हो लेकिन आज सीएम फैसला लेने में सक्षम नहीं है क्योंकि सरकार कोई और चला रहा है।

हरियाणा में सीईटी से पहले ही बवाल, रजिस्ट्रेशन शिफ्ट सिस्टम पर उठे सवाल, मामला पहुंचा हाई कोर्ट

चंडीगढ़, 24 जून (एजेंसियां)। हरियाणा में ग्रुप–सी की सरकारी नौकरियों के लिए होने वाली सीईटी परीक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल उठे हैं। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में अब यह मामला पहुंचा है। छह आवेदकों ने परीक्षा के प्रारूप और पंजीकरण प्रक्रिया को लेकर याचिका दायर की है। याचिकाकर्ताओं की मांग साफ है कि या तो उन्हें पहले भरे गए फॉर्म में जरूरी सुधार करने का मौका दिया जाए या फिर पोर्टल को फिर से खोला जाए। क्यों? पोर्टल का ओटीपी समय पर नहीं आया; सरल पोर्टल पर जाति प्रमाण पत्र समय पर नहीं बना; और जब तक वे कुछ समझ पाते, अंतिम पंजीकरण तिथि निकल गई।

खास तौर पर हरियाणा सरकार के सरल पोर्टल को लेकर याचिका में गंभीर सवाल उठाए गए हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि ओबीसी और बीसी प्रमाण पत्र समय पर नहीं बन पाए। इस वजह से उन्हें सामान्य श्रेणी में पंजीकरण कराना पड़ा, जिसका सीधा असर आरक्षण लाभ पर पड़ सकता है।

शीतल, निशा और नैन्सी नाम की अभ्यर्थियों ने कहा है कि उन्होंने समय पर आवेदन किया, लेकिन पोर्टल प्रक्रिया इतनी सुस्त थी कि प्रमाण पत्र नहीं मिल सका। याचिका में आगे कहा गया है कि सीईटी के लिए सिर्फ 15 दिन आवंटित किए गए थे, जबकि 2022 में पंजीकरण प्रक्रिया में एक साल से अधिक समय लग गया।

हरियाणा में अपराधियों का मनोबल चरम पर : सैलजा

सिरसा, 24 जून (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा में कानून–व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। प्रदेश में लगातार रंगदारी मांगने, धमकी भरे पर्चे बांटने और खुलेआम हत्या जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। अपराधियों का खौफ इस कदर बना हुआ है कि राज्य में अब तक लगभग 300 शराब के ठेके केवल रंगदारी और गुंडागर्दी के कारण बोली पर नहीं चढ़ सके। साफ है कि अपराधी बेखौफ हैं, पुलिस निष्क्रिय है और सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। सरकार सोशल मीडिया पर ही अपराधियों को प्रदेश छोड़ने की चेतावनी देकर काम चला रही है, हालात ये है कि सरकार की न तो अधिकारी सुन रहे है और न ही उसकी चेतावनी का अपराधियों पर कोई खौफ दिखाई दे रहा है।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश में ऐसा कोई दिन नहीं है जिस दिन हत्याएं, लूटपाट जैसी वारदातें न हो रही हो, सोनीपत, जींद, रोहतक, पानीपत में तो अपराधियों का बोलबाला है, ऐसा लग रहा है कि इन जिलों में पुलिस के हाथ बांध दिए गए हो। बढ़ती आपराधिक घटनाएं प्रदेश में बढ़ते अपराध और गिरती प्रशासनिक व्यवस्था का जीता–जागता उदाहरण है। हरियाणा में लगातार रंगदारी मांगने, धमकी भरे पर्चे बांटने, और खुलेआम हत्या जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं।

जानकारी के अनुसार, राज्य में अब तक लगभग 300 शराब के ठेके केवल रंगदारी और गुंडागर्दी के कारण बोली पर नहीं चढ़ सके। यह स्पष्ट दर्शाता है कि अपराधी बेखौफ हैं, पुलिस निष्क्रिय है और सरकार मूकदर्शक बनी हुई है।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश में कानून का राज नाम मात्र का रह गया है। भाजपा सरकार बार–बार कानून व्यवस्था को लेकर दावे करती है, परंतु जमीनी हकीकत कुछ और ही बयान कर रही है। अपराधियों का मनोबल चरम पर है, और आमजन खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

पीएम मोदी का मन की बात कार्यक्रम जनमानस से आत्मीय जुड़ाव का सशक्त माध्यम : बड़ौली

चंडीगढ़, 24 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए हरियाणा को विकसित राज्य बनाएंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा विकसित होगा तो देश विकसित होगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय ''मन की बात'' कार्यक्रम को लेकर हुई प्रदेश स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सभी बूथों पर 100 प्रतिशत पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के मन की बात भी सुनें और लोगों के साथ मन की बात भी करें। कार्यशाला को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने पीएम मोदी के ''मन की बात''

कार्यक्रम को जनमानस से आत्मीय जुड़ाव का सशक्त माध्यम बताया। संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक एवं प्रदेश महामंत्री सूरेंद्र पूनिया ने भी कार्यशाला को संबोधित किया। कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष और संगठन मंत्री ने पौधारोपण भी किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता कर्मठ और कर्तव्यनिष्ठ हैं। कार्यकर्ताओं की मेहनत और परिश्रम के कारण ही केंद्र और हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि कार्यकर्ता सभी बूथों पर 100 प्रतिशत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात को सुनना सुनिश्चित करें।

सैनी ने कहा कि ''मन की बात'' कार्यक्रम राजनीति से ऊपर उठकर है। मन की बात कार्यक्रम के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समाज व देश के लिए अच्छा काम करने वालों को प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम के मन की बात कार्यक्रम को सुनने के बाद कार्यकर्ताओं में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। सीएम सैनी ने कहा कि पीएम मोदी की अगुवाई में देश विकास के रास्तों पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। विदेशों में नए और सशक्त भारत की पहचान बनी है। हम विश्वगुरु बनाने के राह पर अग्रसर हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 70 वर्ष से अधिक उम्र के जिन लोगों के आयुष्मान कार्ड नहीं बनें हैं उनका कार्यकर्ता आयुष्मान कार्ड बनवाने में मदद करें। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता स्वयं भी पौधे लगाएं और दूसरे लोगों को भी एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगाने के लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तरक्की कर रहा है। कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा हर बूथ पर लोगों को मोदी और हरियाणा भाजपा सरकार की उपलब्धियां बताएं और योजनाओं से लोगों को अवगत कराएं।

उपराष्ट्रपति पहुंचे मुजफ्फरपुर, कहा–

प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों पर जोर देना चाहिए

पटना (एजेंसियां)।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आज बिहार दौरे पर पहुंचे हैं। पटना एयरपोर्ट पर सीएम नीतीश कुमार ने उपराष्ट्रपति पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इस दौरान भाजपा के भी कई वरीय नेताओं ने भी उपराष्ट्रपति का स्वागत किया। इसके बाद वह मुजफ्फरपुर रवाना हो गए। मुजफ्फरपुर में एल एन मिश्रा मैनेजमेंट कॉलेज के 24वें स्थापना दिवस समारोह में उपराष्ट्रपति ने मुख्य अतिथि के तौर पर भाग लिया।

इस अवसर पर बिहार सरकार के मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता और मंत्री नीतीश मिश्र ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उपराष्ट्रपति ने पूर्व सीएम स्वर्गीय डॉ. जगन्नाथ मिश्रा को श्रद्धांजलि देते हुए उनके योगदानों को याद

किया और बिहार के गौरवशाली इतिहास की चर्चा की। अपने संबोधन में उप राष्ट्रपति ने कहा कि बिहार की धरती धर्म और ज्ञान की भूमि रही है, जिसने देश को अनेक मनीषी, क्रांतिकारी और चिंतक दिए हैं।

इस समारोह में बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ दिनेश चंद्र राय भी उपस्थित रहे। उन्होंने कॉलेज की उपलब्धियों और उसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बारे में चर्चा की। उपराष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि वही उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि इस भूमि पर आकर मुझे नई ताकत और ऊर्जा की अनुभूति हो रही है। बिहार की जनता का उत्साह, ज्ञान और चेतना पूरे देश के लिए प्रेरणादायी है। आज शिक्षा को सबसे ज्यादा महत्व दिया जाना चाहिए। साथ ही हमें प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों पर जोर देना चाहिए।

उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सराहना करते हुए कहा कि यह नीति छात्रों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। धनखड़ ने अपने संसदीय जीवन के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ बिताए समय को भी याद किया और उनके संसदीय अनुभवों की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने पहली बार पहलगाम और 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे मुद्दों पर भी अपनी बात रखी। इस दौरान उन्होंने आपातकाल के दौर को याद करते हुए कहा कि उस समय लोकतंत्र को दबाने का प्रयास किया गया था लेकिन अब यह जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चली संपूर्ण क्रांति ने भारत में लोकतंत्र को नई ऊर्जा और दिशा दी। उपराष्ट्रपति ने छात्रों को अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहने और समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

दिग्विजय सिंह की 15वीं पुण्यतिथि पर सीएम नीतीश कुमार ने दी श्रद्धांजलि

जमुई (एजेंसियां)।

दिवंगत पूर्व केंद्रीय मंत्री दिग्विजय सिंह की 15वीं पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जमुई जिले के गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत नयागांव स्थित उनके समाधि स्थल पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने माल्यार्पण कर दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, मंत्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री सुमित सिंह, पूर्व सांसद पुतुल कुमारी और जमुई विधायक श्रेयसी सिंह सहित कई अन्य नेता भी उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने दिवंगत नेता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री का यह दौरा लगभग 25 मिनट का रहा, जिसके बाद वे पटना के लिए रवाना हो गए।

मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। हेलिपैड से कार्यक्रम स्थल की दूरी लगभग 3 किलोमीटर रही, इस दौरान पूरे इलाके में वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाई गई थी। मुंगेर जोन के जमुई, लखीसराय, शेखपुरा और मुंगेर जिलों से बड़ी संख्या में पुलिस बल और बीएमपी की तैनाती की गई थी। जगह-जगह बैरिकेड्स लगाए गए थे और आने-जाने वालों की मेटल डिटेक्टर से जांच की गई।

इस मौके पर दिवंगत नेता की पत्नी व पूर्व बांका सांसद पुतुल कुमारी, पुत्री मानशी सिंह, झाझा विधायक दामोदर रावत, पूर्व विधायक रविंद्र मंडल, जिलाधिकारी नवीन कुमार, एसपी विश्वजीत दयाल सहित कई प्रशासनिक और राजनीतिक हस्तियां मौजूद थीं। हालांकि मुख्यमंत्री से मिलने की उम्मीद में बड़ी संख्या में लोग सड़कों के किनारे जुटे थे, लेकिन उन्होंने अपने वाहन से ही लोगों का अभिवादन किया और सीधे हेलीपैड की ओर प्रस्थान कर गए।

150 साल पुराने मंदिर से अष्टधातु की मूर्तियां चोरी, श्रद्धालुओं में आक्रोश

पूर्णिया (एजेंसियां)।

कटिहार जिले के गेराबारी बस्ती में स्थित लगभग 150 साल पुराने ठाकुरबाड़ी मंदिर से अष्टधातु की बेशकीमती मूर्तियों की चोरी ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। चोरी हुई मूर्तियों में प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता और हनुमान जी की प्रतिमाएं शामिल हैं। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। श्रद्धालुओं का कहना है कि मंदिर में ग्रामीणों की गहरी आस्था जुड़ी हुई है और यह सिर्फ मूर्तियों की चोरी नहीं, बल्कि उनकी आस्था और भावना पर हमला है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, चोरी हुई मूर्तियों और उनके सिंहासन का कुल वजन दो कुंटल

से अधिक था, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि यह कार्य एक अकेले व्यक्ति का नहीं हो सकता। ग्रामीणों का मानना है कि यह एक सुनियोजित साजिश है, जिसमें कई लोग शामिल थे और इस पूरी प्रक्रिया में काफी समय भी लगा होगा।

स्थानीय लोगों ने घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस से विशेष जांच टीम गठित करने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे बड़े आंदोलन की तैयारी करेंगे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मंदिर परिसर और उसके आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। वहीं प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और भरोसा दिलाया है कि जल्द ही मूर्तियों को बरामद कर लिया जाएगा और दोषियों को कानून के हवाले किया जाएगा।

सीएचसी प्रभारी डॉ. संजय कुमार निलंबित, फर्जी प्रमाण पत्र और दवा दुरुपयोग के आरोप में हुई कार्रवाई

छपरा (एजेंसियां)।

छपर में मशरख सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार को स्वास्थ्य विभाग ने फर्जी जन्म प्रमाण पत्र और झूठे जख्म प्रतिवेदन जारी करने, सरकारी दवाओं के दुरुपयोग और खून की जांच में आवश्यक केमिकल की अनुपलब्धता जैसे गंभीर आरोपों के आधार पर निलंबित कर दिया है।

मशरख सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार को स्वास्थ्य विभाग ने गंभीर आरोपों के चलते तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उन पर फर्जी जन्म प्रमाण पत्र और

झूठे जख्म प्रतिवेदन जारी करने, सरकारी दवाओं के दुरुपयोग और खून की जांच में आवश्यक केमिकल की अनुपलब्धता जैसी गंभीर लापरवाहियों के आरोप हैं।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा कराई गई प्रारंभिक जांच में इन आरोपों को प्रथम दृष्टया सत्य पाया गया, जिसके बाद यह कड़ी कार्रवाई की गई। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, डॉ. संजय कुमार की कार्यप्रणाली ने न केवल सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए, बल्कि स्वास्थ्य विभाग की साख को भी नुकसान पहुंचाया।

स्थानीय लोगों महेश्वर सिंह, रंजन कुमार सिंह सहित कई अन्य ने प्रभारी चिकित्सक पर लापरवाही, अधीनस्थ कर्मियों की संलिप्तता से फर्जी प्रमाण पत्र जारी करने, केमिकल की अनुपलब्धता और दवाओं के दुर्विनियोग जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। इसी आधार पर विभाग ने दो सदस्यीय जांच समिति गठित की थी, जिसकी रिपोर्ट में कार्रवाई की सिफारिश की गई।

इस निलंबन के बाद क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को लेकर जनता में गहरी चिंता है। लोगों का कहना है कि जब सरकारी अस्पतालों में ही फर्जीवाड़ा होगा तो भरोसा किस पर किया जाए।

विभागीय सूत्रों के अनुसार, अब इस मामले की विस्तृत जांच के लिए एक विशेष टीम गठित की गई है, जो पूरे स्वास्थ्य केंद्र की कार्यप्रणाली की समीक्षा करेगी और अन्य कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच की जाएगी।

निलंबन की अवधि में डॉ. संजय कुमार को जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा और उनका मुख्यालय स्वास्थ्य विभाग, पटना निर्धारित किया गया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आम लोगों के स्वास्थ्य और अधिकारों से किसी भी हाल में समझौता नहीं किया जाएगा और दोषियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

इस कार्रवाई से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप है और अन्य पदाधिकारी भी सतर्क हो गए हैं।

बिहार में शिक्षा विभाग की लापरवाही उजागर शिक्षकों का तबादला निजी स्कूलों में

पश्चिम चंपारण (एजेंसियां)।

पश्चिम चंपारण में शिक्षा विभाग की ओर से जारी ऐच्छिक स्थानांतरण आदेश में गंभीर अनियमितता सामने आई है। विभाग ने कई सरकारी शिक्षकों का तबादला ऐसे विद्यालयों में कर दिया है, जो निजी प्रबंधन के अधीन संचालित होते हैं। इससे न केवल संबंधित शिक्षक भ्रम की स्थिति में पड़ गए हैं, बल्कि विभाग की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

घटना चनपटिया अंचल क्षेत्र की है, जहां चूहड़ी बाजार स्थित लोयला मिडिल स्कूल (जो कि एक निजी शिक्षण संस्थान है) में दो शिक्षिकाओं, पूजा कुमारी और

फर्नाज खातून का स्थानांतरण कर दिया गया। जब दोनों शिक्षिकाएं विद्यालय में योगदान देने पहुंचीं तो उन्हें पता चला कि यह स्कूल सरकारी नहीं है, बल्कि निजी संस्था द्वारा संचालित होता है।

इस गलती की जानकारी मिलने के बाद विभागीय अधिकारी हरकत में आए। स्थापना डीपीओ कुमार अनुभव ने स्वीकार किया कि यह चूक तबादला सूची में मौजूद तकनीकी विसंगति के कारण हुई है। उन्होंने बताया कि मामले में उच्च शिक्षा पदाधिकारियों से मार्गदर्शन मांगा गया है और जल्द ही संशोधित आदेश जारी किए जाएंगे।

इसी अंचल के भरपटिया उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में भी स्थानांतरण को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

पहले से ही यहां कक्षा 1 से 12 तक के लिए 32 शिक्षक-शिक्षिकाएं कार्यरत हैं। हालिया स्थानांतरण आदेश के तहत यहां 11 और शिक्षकों की तैनाती कर दी गई है, जिनमें से तीन ने योगदान भी कर दिया है।

हालांकि विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रभु राम ने इसे छात्र संख्या के अनुपात में उचित ठहराया है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में वर्तमान में 1150 छात्र-छात्राएं नामांकित हैं और अधिक शिक्षकों की तैनाती से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आएगा। इस पूरे घटनाक्रम से शिक्षक समुदाय में असंतोष व्याप्त है। कई शिक्षक, जिन्हें अब तक सरकारी स्कूलों में सेवा देनी थी, निजी विद्यालयों में तबादला आदेश पाकर असमर्थता जता रहे हैं। उनका कहना है कि शिक्षा विभाग द्वारा बिना आधारभूत जांच के जारी किए गए आदेश उन्हें मानसिक तनाव में डाल रहे हैं। अब यह देखना होगा कि शिक्षा विभाग इस गलती को कितनी शीघ्रता और प्रभावशीलता से दुरुस्त करता है। फिलहाल, विभाग की साख पर सवाल उठना तय माना जा रहा है।

टीएमबीयू में लगाई गई तिलकामांझी की भव्य प्रतिमा, राष्ट्रपति मुर्मू करेंगी अनावरण

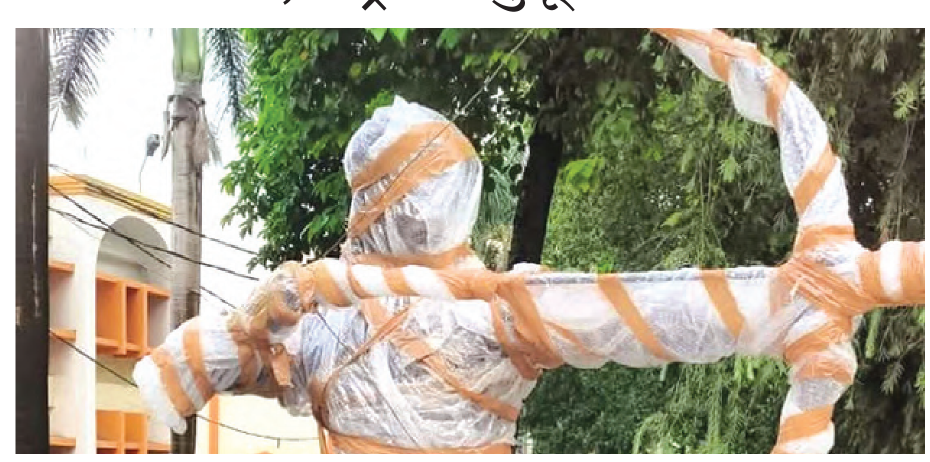

भागलपुर (एजेंसियां)।

तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय एक ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने जा रहा है। स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद तिलकामांझी की 8 फीट ऊंची और करीब 800 किलो वजनी कांस्य प्रतिमा विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित की जा चुकी है। इस प्रतिमा का अनावरण राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों होने की संभावना है, जिन्हें जुलाई माह में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा आमंत्रित किया गया है।

यह भव्य कांस्य प्रतिमा राजस्थान के जयपुर स्थित प्रसिद्ध सुतार परिवार द्वारा बेहद कलात्मक ढंग से निर्मित की गई है। इसे विश्वविद्यालय के तिलकामांझी पार्क में विशेष चबूतरे पर स्थापित किया जा रहा है। चबूतरे सहित प्रतिमा की कुल ऊंचाई लगभग 18 फीट होगी, जो दूर से ही दिखाई देगी।

विश्वविद्यालय प्रशासन इस ऐतिहासिक क्षण को और भी खास बनाने के लिए अमर शहीद तिलकामांझी की स्मृति में एक विशेष स्मारिका भी प्रकाशित करेगा। साथ ही 'तिलकामांझी पीठ' की स्थापना की भी योजना बनाई गई है, ताकि क्षेत्रीय इतिहास और शोध को प्रोत्साहन मिल सके।

प्रतिमा के साथ-साथ तिलकामांझी पार्क में एक एम्फीथिएटर का निर्माण भी तेज़ी से जारी है। पूरी परियोजना पर लगभग एक करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है, जिसमें स्थानीय जनसहयोग के साथ-साथ एनटीपीसी, कहलगांव द्वारा भी आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया है।

राष्ट्रपति के संभावित दौरे को देखते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और भारत सरकार भी मामले पर नज़र रखे हुए हैं। विश्वविद्यालय से उसकी ऐतिहासिक विरासत, प्रमुख उपलब्धियों और शैक्षणिक गतिविधियों से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है, जिसे तैयार किया जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि लगभग 32 वर्षों बाद टीएमबीयू अपने नामकरण को सही मायनों में सार्थक करने जा रहा है। इस आयोजन को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन, अधिकारी, कर्मचारी और भागलपुर की जनता बेहद उत्साहित हैं और राष्ट्रपति मुर्मू के आगमन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह क्षण न सिर्फ टीएमबीयू बल्कि पूरे अंग प्रदेश और बिहार के लिए गौरव का विषय बन गया है।

सड़क हादसे में दो लोगों की मौत, विरोध में बवाल कर रहे लोग

पटना (एजेंसियां)।

रोहतास के बेदा नहर के समीप मंगलवार की सुबह एक डंफर और ऑटो की जोरदार टक्कर में दो लोगों की घटनास्थल पर हीं मौत हो गई। मरने वालों में एक वनकर्मी इंद्रदेव सिंह के 17 वर्षीय पुत्र संतोष कुमार शामिल हैं, जो माली का काम करते थे। वहीं दूसरे मोरसराय निवासी 45 वर्षीय भोला पासवान एक किसान थे। घटना के बाद रो-रोकर बुरा हाल है।

जानकारी दी गई की तेज रफ्तार डंफर और आटो की टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और इस घटना में दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिनका फिलहाल सदर अस्पताल सासाराम में इलाज चल रहा है। बताया जाता है कि ऑटो में सवार तीन से चार लोग सासाराम की तरफ आ रहे थे, तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक डंफर ने ऑटो को रौंद डाला, जिससे घटनास्थल पर हीं दो लोगों की मौत हो गई।

वहीं घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने पुरानी जीटी रोड को जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। सड़क जाम कर रहे लोग मृतक के आश्रितों को मुआवजा देने एवं डंफर चालक के विरुद्ध कार्रवाई की मांग कर रहे थे। हालांकि, सड़क की जाम की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर तत्काल सदर डीएसपी 1 दिलीप कुमार एवं नगर थाने की पुलिस पहुंची और सड़क जाम कर रहे लोगों को समझाने बुझाने का प्रयास किया जाने लगा। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने लोगों को सड़क से हटाया, लेकिन इस क्रम में लगभग 2 से 3 घंटे तक शहर की मुख्य सड़क बाधित रही और सड़क के दोनों तरफ भारी संख्या में वाहन फंसे रहे। घटना को लेकर डीसीपी दिलीप कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत के बाद सड़क जामकर प्रदर्शन कर रहे लोगों को शांत कराकर सड़क से हटा दिया गया है और शव का पोस्टमार्टम कराते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com